



वार्षिक प्रतिवेदन (2013-14)



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली-110002

वार्षिक प्रतिवेदन (2013-14)



jk"Vh; vkink ic/ku lLFkku

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)

5, बी, आईआईपी, एकैम्पस, आईपी एस्टेट
महात्मागांधीमार्ग, नई दिल्ली-110002

टेलिफोन: 01123702432, 23705583, 23766146

टेलीफेक्स- 011-23702442, 23702446

वेब साइट: www.nidm.gov.in

,uvkbMh,e dh okf"kd ifronu 2013&14

एन आइ 'डी' एम, नई दिल्ली

संस्करण द्वितीय, 2014

ldyu vkj liknu %vixith%

डा. अनिल के. गुप्ता, एसोसियेट प्रोफेसर

श्रीजा एस. नायर, सहायक प्रोफेसर

स्वाति सिंह, कनिष्ठ परामर्शदाता

fgUnh vuoknu vkj liknu

संपादन (हिन्दी)– डा. सूर्यप्रकाश, एसोसियेट प्रोफेसर

अनुवाद(हिन्दी)–श्री वेदप्रकाश सिंह, कनिष्ठ परामर्शदाता

vkHkkjiold

श्री एस.के. तिवारी, लाइब्रेरियन

श्री शेखर चतुर्वेदी रिसर्च एसोसियेट

idk'kd

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय नई दिल्ली-110002

दस्तावेज़ को <http://www.nidm.gov.in/books> से डाउनलोड किया जा सकता है

लक्ष्य

एन आई डी एम का लक्ष्य भारत में आपदा के जोखिम को कम करने और उसके प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए प्रमुख एवं उत्कृष्ट संस्थान बनाना है और इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाना है। सभी स्तरों पर रोकथाम और तत्परता की संस्कृति का निर्माण करके और उसे बढ़ावा देकर, आपदा मुक्त भारत का सृजन करना।

निदेशक की कलम से

मैं अत्याधिक हर्ष के साथ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली की वर्ष 2013-14 की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) का गठन संसद के एक अधिनियम के अंतर्गत भारत और इस क्षेत्र में क्षमता विकास प्रमुख संस्थान की भूमिका निभाने के लक्ष्य के साथ किया गया था। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के अंतर्गत, एनआईडीएम को मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, दस्तावेजीकरण और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नीति का सृजन जैसे प्रमुख उत्तरदायित्व सौंपे गये हैं। राष्ट्रीय केन्द्र और तत्पश्चात राष्ट्रीय संस्थान दोनों के रूप में, एनआईडीएम ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण को राष्ट्रीय कार्यसूची में प्रमुख स्थान देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

हमारा मत है कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण केवल सभी हितधारकों को शामिल करते हुए “रोकथाम की संस्कृति” को बढ़ावा देने के माध्यम से ही संभव है। हम केन्द्रीय राज्य और स्थानीय सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारत और विदेश में अकादमीय, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों तथा अन्य द्वि-पक्षीय और बहु-पक्षीय अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से कार्य करते हैं। एनआईडीएम को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में कार्य करने वाले व्यवसायकों की बहु-अनुशासनिक कोर टीम रखने पर गर्व है।

प्रशिक्षण और क्षमता विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए संस्थान के पास अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे सभाकक्ष, सेमिनार हॉल, जीआईएस प्रयोगशाला और वीडियो-सम्मेलन सुविधा आदि उपलब्ध हैं। संस्थान के पास आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण के विषय पर सुव्यवस्थित पुस्तकालय है। संस्थान प्रत्यक्ष, ऑनलाइन और स्व-शिक्षा रीति में प्रशिक्षण तथा उपग्रह आधारित प्रशिक्षण प्रदान करता है।

हमारा लक्ष्य आपदा निवारण और तत्परता के लिए सभी स्तरों पर क्षमता निर्माण करके आपदा मुक्त भारत का सृजन करना है।

संस्थान का कार्य-निष्पादन संस्थान के संकाय और स्टाफ के परिश्रम और सत्यनिष्ठा से पूरा किया गया है। मैं गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य सरकारी विभागों, संगठनों तथा अकादमीय संस्थानों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त करना चाहूंगा।

प्रोफेसर संतोष कुमार,
(कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम)

विषय सूची

1- iLrkou	1&3
1.1 संस्थान के बारे में	1
1.1.1 मिशन तथा उद्देश्य	1
1.1.2 अनिवार्य दायित्व	1
1.1.3 क्रियाकल्प	
2- if'k{k.k	4&11
2.1 उद्देश्य	4
2.2 प्रतिभागियों की पार्श्विका	4
2.3 प्रशिक्षण विधियां	4
2.4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रकार	5
2.5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विश्लेषण	6
2.6 इन्टर्नशिप	11
3- ifj ;k t uk,।	12&19
3.1 परियोजना के प्रकार	12
3.2 उपकरण तथा तकनीकें	12
3.3 चालू/पूरित परियोजनाएं	13
4- lpuk ,o l i i "k.k i k k f x d h	20&25
4.1 भारतीय आपदा संसाधन तंत्र	20
4.2 भारतीय आपदा ज्ञान तंत्र	22
4.3 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आपदा प्रबंधन सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतियमान निजी नेटवर्किंग	23
5- i y i [k u r F k k i d k ' k u	24&37
5.1 सूचना स्रोत	24
5.2 सूचना का प्रसार	25
5.3 सूचना, शिक्षा और संप्रेषण (आईईसी) सामग्री	30

5.4 योजनाओं हेतु निवेश	34
5.5 क्षेत्रीय दौरों तथा प्रलेखन	36
6- cMh ?kVuk dk;l'kkyk,@lEeyu@lfeukj rFkk vU; vkmVjhp fØ;kdyki	38&59
6.1 आउटरीच क्रियाकलापों	38
6.2 सम्मेलन, सेमीनार तथा कार्यशालाएँ	40
6.3 बैठकें तथा प्रतिनिधित्व	53
6.4 अंतर्राष्ट्रीय फोरम में एनआईडीएम	55
6.5 अन्य क्रियाकलाप	56
7- i'kk lu	60&64
7.1 प्रबंधन संरचना	60
7.2 संगठनात्मक संरचना	62
7.3 साधारण तथा अधिशासीनिकाय की बैठकें	62
7.4 एनआईडीएम संकाय	63
7.5 सामान्य प्रशासन	63
7.6 हिन्दी का प्रभावी प्रयोग	64
8- foUk ,o y[kk vuyXud	65 69&108
अनुलग्नक1. एनआईडीएम में संचालित,प्रत्यक्ष प्रशिक्षणों की सूची	69
अनुलग्नक2. राज्य प्रशासन इकाइयों की सूची	80
अनुलग्नक3. संस्थान की साधारण निकाय बैठकों के सदस्यों की सूची	85
अनुलग्नक4. वित्त एवं लेखन	88

शब्द-संक्षेप

एटीसी : वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन

ए टी आई: प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान

सीसीए: जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

सीडीएसी: उन्नत संगणन विकास केन्द्र

डीएमसी: आपदा प्रबंधन केन्द्र

डीआरआर: आपदा जोखिम घटाव

ईकेडीआरएम: आपदा जोखिम प्रबंधन हेतु पर्यावरणीय ज्ञान

जीएफडीआरआर: आपदा घटाव एवं समुत्थान हेतु वैश्विक

आईसीआईएमओडी: एकीकृत पर्वत विकास अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र

आईजीईपी: भारत-जर्मन पर्यावरण कार्यक्रम

एनडीएमए: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

एनईसी: राष्ट्रीय कार्यकारी समिति

पीडीएनए: आपदा पश्चात आवश्यकता मूल्यांकन

टी ओ टी: प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

टी ओ एस: अंशधारियों का प्रशिक्षण

यू एन डी पी: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

यूएनईपी: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

यूएन स्पाइडर: आपदा प्रबंधन और आपात प्रतिक्रिया हेतु अंतरिक्ष-आधारित सूचना का संयुक्त राष्ट्र मंच

यूएसएआईडी: अंतर्राष्ट्रीय विकास हेतु संयुक्त राज्य एजेन्सी

अध्याय 1

प्रस्तावना

1-1 निम्नलिखित क्षेत्रों के

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम.) को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं शिक्षा, अनुसंधान, प्रलेखन और नीति नियोजन सहित मानव संसाधन विकास तथा क्षमता निर्माण का केन्द्रीय (नोडल) उत्तरदायित्व सौंपा गया है। तारीख 16 अक्टूबर, 2003 में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन केन्द्र से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के रूप में समुन्नत एन.आई.डी.एम. सभी स्तरों पर आपदा की रोकथाम एवं पूर्व तैयारी की संस्कृति के विकास और प्रोत्साहन के जरिये भारत को उभरने की क्षमतायुक्त बनाने और एक उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में उदित होने के अपने मिशन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। संस्थान को आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अधीन संवैधानिक संगठन का दर्जा प्राप्त है। केन्द्रीय गृह मंत्री इस संस्था के अध्यक्ष होते हैं और इसकी अधिशासी निकाय की अध्यक्षता राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) के उपाध्यक्ष द्वारा की जाती है।

1-1-1- निम्नलिखित क्षेत्रों में ;

एन.आई.डी.एम. का मिशन सभी स्तरों पर आपदा की रोकथाम एवं पूर्व तैयारी की संस्कृति के विकास एवं प्रोत्साहन के जरिये आपदा मुक्त भारत बनाने, नीति निर्माण में सहायता करने तथा निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के जरिये आपदा के प्रभाव में कमी लाने में सुविधा प्रदान करने की दिशा में सतत प्रयास करते रहना है :

- रणनीतिक शिक्षार्जन सहित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सेवाओं के लिए योजना बनाना तथा प्रोत्साहन देना।

- राष्ट्रीय स्तर के सूचना आधार का अनुसंधान, प्रलेखन तथा विकास।
- प्रभावशाली आपदा पूर्व तैयारी तथा न्यूनीकरण के लिए पद्धति विकास तथा विशेषज्ञता प्रोन्नयन।
- सभी हितधारकों में जागरूकता बढ़ाना और उनके शान एवं कौशल में वृद्धि करना।
- सभी हितधारकों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के लिए संस्थागत तंत्र को सुदृढ़ करना।
- आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में केन्द्र तथा राज्य सरकारों के लिए अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र बनाना।

1-1-2- निम्नलिखित क्षेत्रों में ;

- आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना, अनुसंधान तथा प्रलेखन की व्यवस्था तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए व्यापक मानव संसाधन विकास योजना बनाना और उसे कार्यान्वित करना।
- राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने में सहायता प्रदान करना।
- विभिन्न हितधारकों के लिए प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों को प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए अपेक्षित सहायता प्रदान करना।
- राज्य सरकारों तथा राज्यों के प्रशिक्षण संस्थानों को राज्य के स्तर पर नीतियाँ, रणनीतियाँ, आपदा

प्रबंधन ढाँचा एवं क्षमता निर्माण में सहायता प्रदान करना।

- आपदा प्रबंधन के लिए शैक्षिक सामग्री का विकास करना जिसमें अकादमिक एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम शामिल है।
- कॉलेज/स्कूल अध्यापकों, विद्यार्थियों, तकनीकी कार्मिकों एवं बहु-जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी और अनुक्रिया उपायों से जुड़े अन्य व्यक्तियों सहित हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना।
- आपदा प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए देश में तथा देश के बाहर, अध्ययन पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों, व्याख्यानों, सेमिनारों की जिम्मेदारी संभालना आयोजित करना एवं सहायता करना।
- पत्रिकाओं, अनुसंधान लेखों तथा पुस्तकों के प्रकाशन की जिम्मेदारी लेना और इस कार्य में आवश्यक सहयोग प्रदान करना। इसके साथ ही पुस्तकालय स्थापित करना और उसका अनुकरण करना।

1-1-3- vdknfed dk;l

संस्थान में सुयोग्य विशेषज्ञों से युक्त चार अकादमिक प्रभाग हैं जिसमें नीति नियोजन, पूर्व तैयारी एवं न्यूनीकरण, अनुक्रिया एवं पुनर्वास जैसे आपदा प्रबंधन संबंधी पहलुओं पर कार्य किया जाता है।

- ❖ if'k{k.k : एन.आई.डी.एम. निम्न प्रकार के पाठ्यक्रमों के डिजाइन तथा कार्यान्वयन में संलग्न है:
 - (क) प्रत्यक्ष प्रशिक्षण।
 - (i) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.)।
 - (ii) हितधारकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.एस.)।
 - (ख) वेब आधारित प्रशिक्षण।
 - (ग) सेटलाइट (एडुसेट) आधारित प्रशिक्षण।
 - (घ) स्व अध्ययन पाठ्यक्रम।

- ❖ Ukhfr v/; ;u: संस्थान द्वारा दसवीं तथा ग्यारहवीं योजना दस्तावेजों में आपदा प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय नीति, आपदा प्रबंधन पर अध्याय तैयार करने, संकट प्रबंधन के बारे में प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट तथा तेरहवें वित्त आयोग के लिए वित्तीय आपदा प्रबंधन पर अध्ययन हेतु महत्वपूर्ण निवेश उपलब्ध करवाया गया है। संस्थान द्वारा आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय प्रतिक्रिया योजना तथा राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास एवं क्षमता निर्माण योजना तैयार की जा रही है और इस प्रकार आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय योजना तैयार करने में राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एन.ई.सी.) को सहायता प्रदान की जा रही है।

- ❖ vrjkk"Vh; lg;kx: एन.आई.डी.एम. कार्यान्वयन प्रशिक्षण अनुसंधान तथा नीति नियोजन संबंधी कार्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.), संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.), संयुक्त राष्ट्र आपदा प्रबंधन तथा आपातकालीन अनुक्रिया के लिए अंतरिक्ष आधारित सूचना मंच (यू.एन – स्पाडर), अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वत विकास केन्द्र (आई.सी.आई.एम.ओ. डी.), अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए जर्मन सोसायटी (जी.आई.जैड), संयुक्त राज्य अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यू.एस.ए.आई.डी.), विश्व बैंक तथा अन्य अनेक एजेंसियों निकट सहयोग से कार्य कर रहा है।

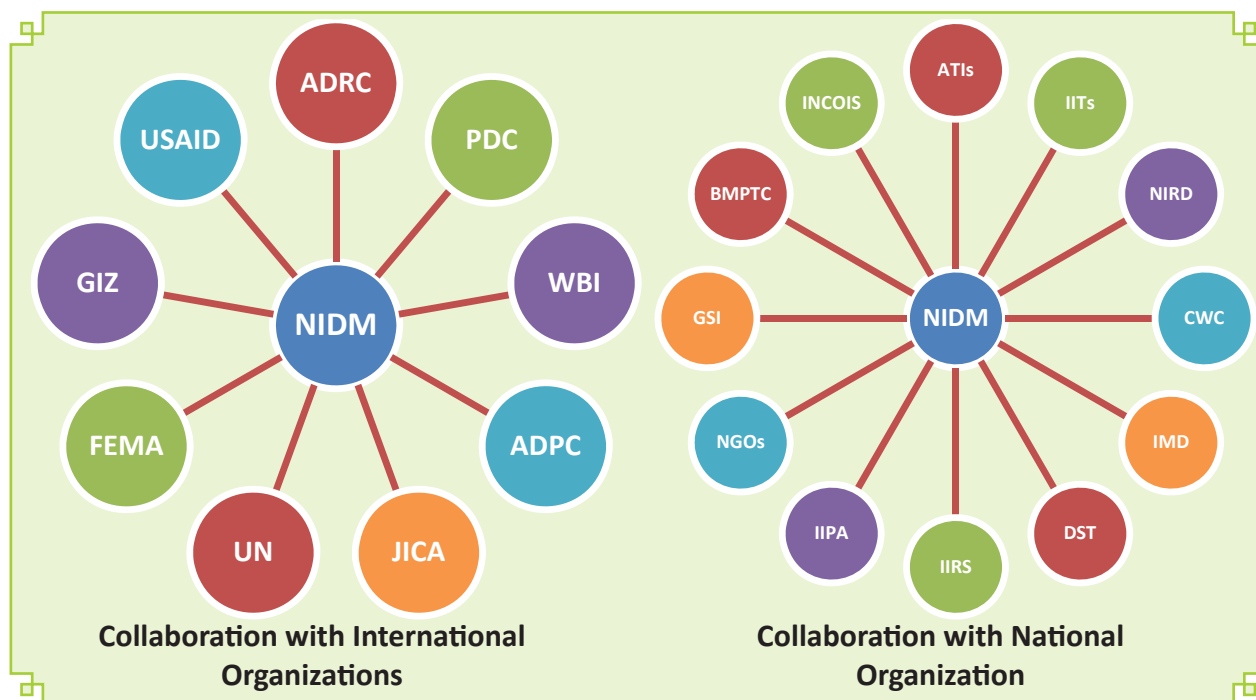
- ❖ f'k{k k vkj vu|/kku : एन.आई.डी.एम. विश्वविद्यालय आयोग के साथ यूजी स्तर पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम के तौर पर आपदा प्रबंधन को कॉलेज, विश्वविद्यालय में शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कार्य कर रहा है तथा उच्चतर शिक्षा के सभी प्रमुख वर्गों में डी.आर.आर. को शामिल करने के लिए योजना विकसित कर रहा है। एन.आई.डी.एम. शहरी बाढ़ अध्ययन पर, बुंदेलखंड सूखा घातकता, जलवायु प्रतिस्पर्धी विकास एवं अनुकूलन, गोरखपुर बाढ़, पर्वतों में जल खतरों के लिए स्थानीय नीति आदि के लिए आई.सी.

एस.एस.आर., आई.एल.ई.टी., यू.एन.डी.पी., एम.ओ.ई.एफ., आई.सी.आई.एम.ओ.डी., जी.आई.जैड – आई.जी.ई.पी. आदि की सहायता एवं सहयोग से अनुसंधान एवं केस अध्ययन किये जा रहे हैं।

- ❖ **iɪy[ku ,o iɪdk'ku :** एन.आई.डी.एम. ने कमजोरी की पहचान के लिए भारत में सभी प्रमुख आपदाओं का प्रलेखन करना प्रारंभ कर दिया है। जिससे भविष्य में सीख लेकर श्रेष्ठ प्रवृत्तियों को अपनाया जा सके। सर्वप्रथम “भारत आपदा रिपोर्ट” वर्ष 2012 में प्रकाशित की गयी

थी। एन.आई.डी.एम. “आपदा एवं विकास’ नामक द्विभाषी पत्रिका “टाइडिंग्स’ नामक त्रिमासिक न्यूजलेटर तथा “मासिक अपडेट्स’ भी प्रकाशित कर रहा है।

एन.आई.डी.एम. आपदा प्रबंधन केन्द्रों के द्वारा राज्य सरकारों को तकनीकी सहायता प्रदान करता है। ये केन्द्र अधिकांश राज्यों तथा संघा शासित प्रदेशों के प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों में होते हैं। एन.आई.डी.एम. ऐसे 30 केन्द्रों को सहायता प्रदान कर रहा है।



चित्र 1.1 : भिन्न हितधारकों के साथ एन.आई.डी.एम. का सहयोग दर्शक रेखाचित्र

ADPC	— एशियाई आपदा तैयारी केंद्र
ADRC	— एशियाई आपदा न्यूनीकरण केंद्र
ATI	— प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान
BMPTC	— भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद
CWC	— केन्द्रीय जल आयोग
DST	— विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
FEMA	— संघीय आपात प्रबंधन एजेंसी
GSI	— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
GIZ	— Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit
IIPA	— भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
IIRS	— भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान

IIT	— भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
IMD	— भारतीय मौसम विभाग
INCOIS	— महासागर सूचना सेवा के लिए भारतीय राष्ट्रीय केंद्र
JICA	— जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी
NGO	— गैर सरकारी संगठन
NIDM	— राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
NIRD	— राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान
PDC	— प्रशांत आपदा केंद्र
USAID	— अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका एजेंसी
UN Agencies	— संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां
WB	— विश्व बैंक संस्थान

अध्याय 2

प्रशिक्षण

आपदा प्रबंधन कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण पर बल देना संस्थान के प्रमुख प्रयासों में से एक रहा है। इस प्रयास के भाग के रूप में प्रमुखतया आपदा जोखिम प्रबंधन के संबंध में विभिन्न क्षमता निर्माण के मुद्दों को समाधान हेतु एन.आई.डी.एम. प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये थे।

वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान, कुल 99 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये थे जिनमें 84 प्रत्यक्ष (आमने-सामने) और 15 ऑनलाइन कार्यक्रम शामिल थे। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा कुल 2972 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। गत वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षार्थियों के मुकाबले इस वर्ष एवं प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम में (84) अधिक प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया।

2-1 mī';

आपदा एवं विकास गतिविधियों के क्षेत्र में कार्यरत आपदा प्रबंधन कार्यकर्ताओं तथा अन्य पेशेवरों को उपयुक्त प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करने के लिए एन.आई.डी.एम. ने निम्नलिखित उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किये हैं :

- प्रभावोत्पादक कार्यक्रम योजना तथा कार्यान्वयन के लिए जागरुकता पैदा करना, विकास कार्यकर्ताओं के कौशल एवं ज्ञान को बढ़ाना।
- सामाजिक-आर्थिक तथा राजनैतिक स्थितियों पर आपदा प्रबंधन की उभरती जरूरतों के लिए केन्द्र तथा राज्यों के विकास विभागों के वरिष्ठ कार्यपालकों को कार्यशाला, सेमिनार तथा परामर्श के द्वारा सुग्राही बनाना।

- प्रभावित क्षेत्र के दौरो, सफल केसों तथा विकास हस्तक्षेपों के प्रलेखन के जरिये विकास कर्मियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना।

2-2 ifrHkkfx;k dh ikf'oidk

चूंकि एन.आई.डी.एम. के प्रशिक्षण कार्यक्रम आपदा प्रबंधन में संलग्न विभिन्न उपभोक्ता समूहों के मध्य प्रचार करते हैं, प्रतिभागियों की पार्श्विका निम्न वर्गों तक विस्तृत है :

- केन्द्र, राज्य एवं जिला स्तर सहित सरकारी अधिकारी,
- आपदा प्रबंधन पेशेवरों सहित नागरिक सामाजिक संगठन,
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम,
- शिक्षाविदों में अनुसंधानकर्ता, वैज्ञानिक, स्कूल अध्यापक एवं विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शामिल हैं।

2-3 if'k{k.k fof/k;k

प्रतिभागियों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण की विविधतापूर्ण प्रकृति और उनकी पार्श्विका को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशिक्षण विधियाँ प्रयोग में लायी जाती हैं। कुछ विधियाँ निम्नानुसार हैं :

- व्याख्यान – सह – चर्चा,
- केस अध्ययन प्रस्तुति,
- प्रतिभागिता विधियाँ,
- समूह चर्चा,
- अभ्यास/परख सत्र,

- क्षेत्र प्रभाव अध्ययन दौरे,
- पैनल चर्चा,
- अनुकरण खेल,
- प्रशिक्षण परख,
- मेज पर प्रशिक्षण

2-4 if'k{k.k dk;Øek d i idkj

एन.आई.डी.एम. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रदायगी के तरीकों लक्ष्य समूहों तथा विषय वस्तु के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। प्रदायगी के तरीकों पर आधारित कार्यक्रमों का वर्गीकरण इस प्रकार है –

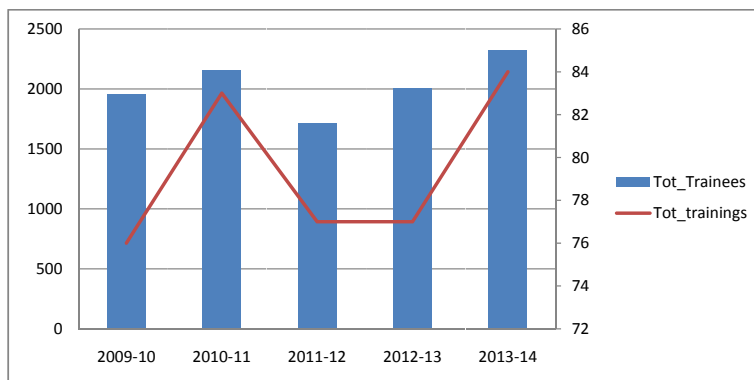
- प्रत्यक्ष (आमने-सामने) प्रशिक्षण
- सम्मिश्रित शिक्षार्जन
- ऑनलाइन प्रशिक्षण
- स्व – शिक्षार्जन
- सेटलाइट आधारित प्रशिक्षण

2-4-1 iR;{k if'k{k.k dk;Øe

प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम एन.आई.डी.एम. का प्रमुख कार्यक्रम है। संस्थान प्रत्यक्ष प्रशिक्षण विधियों के द्वारा एन.आई.डी.एम. के परिसर अथवा राज्य ए टी आईयों के आपदा प्रबंधन केन्द्रों में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा आपदा प्रबंधन के लगभग सभी पहलुओं को शामिल किया जाता है। विभिन्न हितधारकों की ओर अधिक अनवरत अनुसरण से संस्थान वर्ष के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़ाने में सफल रहा है। गत 5 वर्षों के लिए

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आँकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण चित्र-2.1 में दर्शाया गया है।

लक्ष्य समूह के आधार पर हितधारकों हेतु प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण नामक दो प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होते हैं। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अनिवार्यता को देखते हुए एन.आई.डी.एम. वर्ष 2011 से प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर ध्यान दे रहा है।



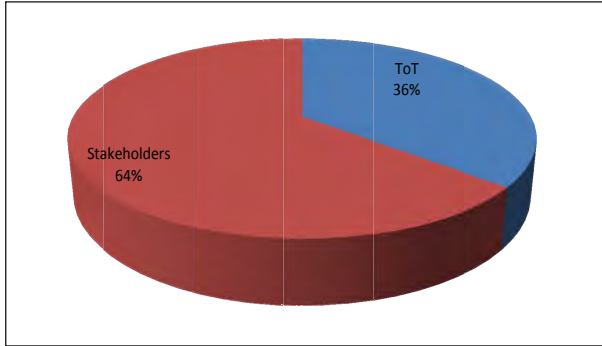
चित्र 2.1 पिछड़े 5 वर्षों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षणार्थियों की संख्या का तुलनात्मक विश्लेषण दर्शाने वाला बार चार्ट

एन.आई.डी.एम. द्वारा वर्ष 2013-14 के दौरान भारत में विभिन्न स्थानों पर कुल 84 प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रशिक्षित किये गये 2322 प्रशिक्षणार्थियों में से 836 को प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ. टी.) और विभिन्न क्षेत्रों तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों से 1486 हितधारकों (चित्र 2.2) को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रकार कुल प्रत्यक्ष प्रशिक्षणों में से 36% प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) तथा 64% प्रशिक्षण अन्य हितधारकों (चित्र 2.2) को दिया गया।

सरिणी 2.1 वर्ष 2013-14 में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

If'k{k.k fooj.k		If'k{k.k dk if'k{k.k %Vh-vk-Vh-%		vU; fgr/kkj dk dk if'k{k.k	
कुल प्रशिक्षणों की संख्या	कुल प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
84	2322	31	836	53	1486

यह देखने की बात है कि वर्ष 2012-13 के दौरान प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम टी.ओ.टीज प्रशिक्षण के 25%के मुकाबले वर्ष 2013-14 में 12%बढ़कर 35%टी.ओ.टीज आयोजित किया गया। दिये गये प्रत्यक्ष प्रशिक्षण का विवरण [vuy\ud&1](#) में दिया गया है।



चित्र 2.2 वर्ष 2013-14 में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण के आयोजन का विवरण

2-4-2 [vkuykbu if'k{k.k dk;Øe](#)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा विश्व बैंक (जी.एफ.डी.आर.आर.) वाशिंगटन की साझेदारी में आपदा जोखिम प्रबंधन पर ई-लर्निंग कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गयी है। ये पाठ्यक्रम सुदूरवर्ती प्रतिभागियों को पेशेवर मार्गदर्शन के अधीन आपदा जोखिमों के प्रबंधन तथा न्यूनीकरण के बारे में सीखने के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं।

प्रशिक्षण सामग्री सी.डी.ज के रूप में डाक से भेजी जाती है। जिसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से भी प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में चर्चा, जिज्ञासायें, स्पष्टीकरण, निर्दिष्ट कार्य तथा पाठ्यक्रम के अंत में परियोजनायें शामिल होती हैं जिनका मूल्यांकन हमारे अनुभवी शिक्षकों द्वारा किया जाता है। सफल उम्मीदवारों को एन.आई.डी.एम. तथा विश्व बैंक (जी.एफ.डी.आर.आर.) द्वारा संयुक्त रूप से दिये जाने वाले प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते हैं। वर्ष 2013-14 में ऐसे कुल 15 प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा कुल 650 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। अनुलग्नक-1 में दिया गया है।

2-4-3 [Lo v/;;u dk;Øe](#)

एन.आई.डी.एम. ने 12 अक्टूबर, 2011 को “आपदा न्यूनीकरण दिवस” के अवसर पर सी-डैक के सहयोग से आपदा प्रबंधन पर ई-लर्निंग स्व अध्ययन कार्यक्रम किया था। एन.आई.डी.एम. ने जनसाधारण के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों तथा ऐसे हितधारकों के लिए स्व अध्ययन पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये हैं जिनकी भूमिका आपदा प्रबंधन में होती है और जो सम्पूर्ण समाज के लिए सेवा करते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत पाठ्यक्रम सभी जगहों पर सभी व्यक्तियों के लिए उनकी सुविधानुसार और निःशुल्क उपलब्ध है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य आपदा प्रबंधन के बारे में रुचि पैदा करना तथा ज्ञान, कौशल एवं जागरुकता का स्तर ऊँचा उठाना है। सभी पाठ्यक्रमों के लिए विषय-वस्तु तैयार की जा चुकी है तथा 8 पाठ्यक्रम स्लाइड शो और दृश्य-श्रव्य अन्योन्यक्रिया के साथ ऑनलाइन पर मार्च, 2014 तक के लिए उपलब्ध है तथा अन्य 2 विकासधीन है।



चित्र:2.3 स्व अध्ययन कार्यक्रम का होम पेज

2-5 [if'k{k.k dk;Øek dk fo'y'k.k](#)

वर्ष 2013-14 के दौरान एन.आई.डी.एम. ने कुल 99 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये थे जिनमें 84 प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम (टी.ओ.टी. के लिए 31 तथा टी.ओ.एस. के लिए 53) भी शामिल हैं। प्रत्यक्ष कार्यक्रमों के अलावा 15 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ऑनलाइन तरीके से प्रदान किये गये थे। विभिन्न पेशों से जुड़े व्यक्तियों

सारिणी 2.2 स्व अध्ययन पाठ्यक्रमों की सूची

Øekd	ikB;Øe dk uke	fLFkfr
1	आपदा प्रबंधन के मूल तत्व	पूर्ण
2	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (सीबीडीआरआर)	पूर्ण
3	नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों के लिए निर्देशिका	पूर्ण
4	लोक स्वास्थ्य कर्मी हेतु निर्देशिका	पूर्ण
5	स्कूल सुरक्षा	पूर्ण
6	बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन से परिचय	पूर्ण
7	चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन से परिचय	पूर्ण
8	भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन	पूर्ण
9	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन से परिचय	विकासाधीन
10	औद्योगिक रसायन आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन से परिचय	विकासाधीन

के अतिरिक्त एन.आई.डी.एम. के स्व अध्ययन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों तथा आम जनता के लिए भी उपलब्ध है।

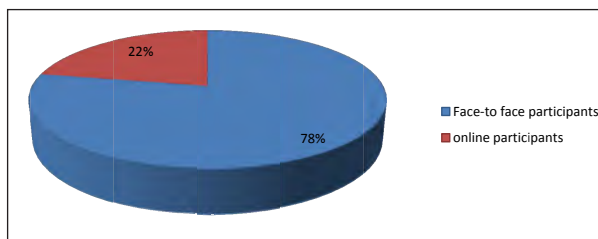
2-5-1 if'k{k.k dk;Øe d i dkj

एन.आई.डी.एम. तीन सामान्य संवर्गों के अंतर्गत आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के विषय में प्रशिक्षण प्रदान करता है। 1. प्रत्यक्ष, 2. ऑन लाईन, 3. उपग्रह आधारित प्रशिक्षण। इस वर्ष एन.आई.डी.एम. द्वारा कोई उपग्रह आधारित पाठ्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। लगभग 78% प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण तथा 22% को विभिन्न ऑन लाईन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया चित्र 2.3 वर्ष 2013-14 के दौरान आयोजित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है:

सारिणी 2.3 वर्ष 2013-14 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रकार

Øekd	dk;Øe dk i dkj	lkf'k{k.k.kk dh dy l[;k	dy ifrHkkxh
1	प्रत्यक्ष प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.)	31	836
2	प्रत्यक्ष प्रशिक्षण (टी.ओ.एस.)	53	1486

Øekd	dk;Øe dk i dkj	lkf'k{k.k.kk dh dy l[;k	dy ifrHkkxh
3	ऑनलाइन प्रशिक्षण	15	650
	dy	99	2972

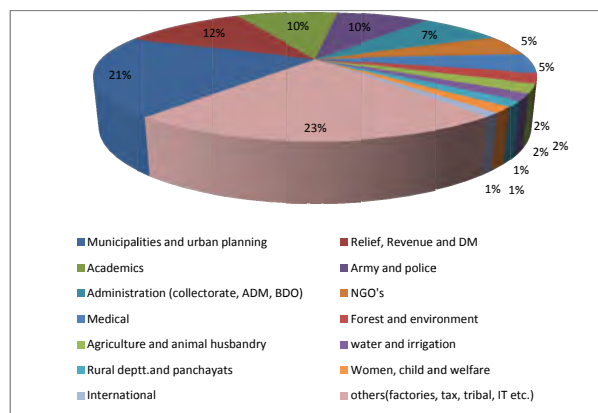


चित्र 2.4 : 2013-14 में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षित प्रतिभागियों के प्रतिशत को दर्शाने वाला चार्ट

2-5-2 ifrHkkfx;k dh ikf'oidk

एन.आई.डी.एम. द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की ओर भारत के साथ-साथ अन्य देशों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागी आकर्षित हुए थे। इनमें सरकारी सिविल सोसायटी संगठन, शिक्षा जगत आदि विभिन्न क्षेत्रों से तथापि अधिकांश प्रतिभागी सरकारी अधिकारी थे। प्रशिक्षित किये गये प्रतिभागियों

में दिल्ली नगर निगम (एम.सी.डी.) सहित विभिन्न नगर पालिकाओं तथा शहरी योजना (20%), राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग (12%) के प्रतिभागी तथा विभिन्न क्षेत्रों एवं संस्थाओं के शिक्षा विद् (10%), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल सहित सेना तथा पुलिस (5%), शामिल थे। राज्यों के विभिन्न प्रकार के विभागों के प्रतिनिधि जैसे :- वन और पर्यावरण (2%), जल एवं सिंचाई (2%), ग्रामीण विभाग (2%), तथा महिला बाल एवं कल्याण (01%), शामिल थे। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किये गये प्रतिभागियों की पार्श्विका चित्र 2.5 में दी जा रही है:-



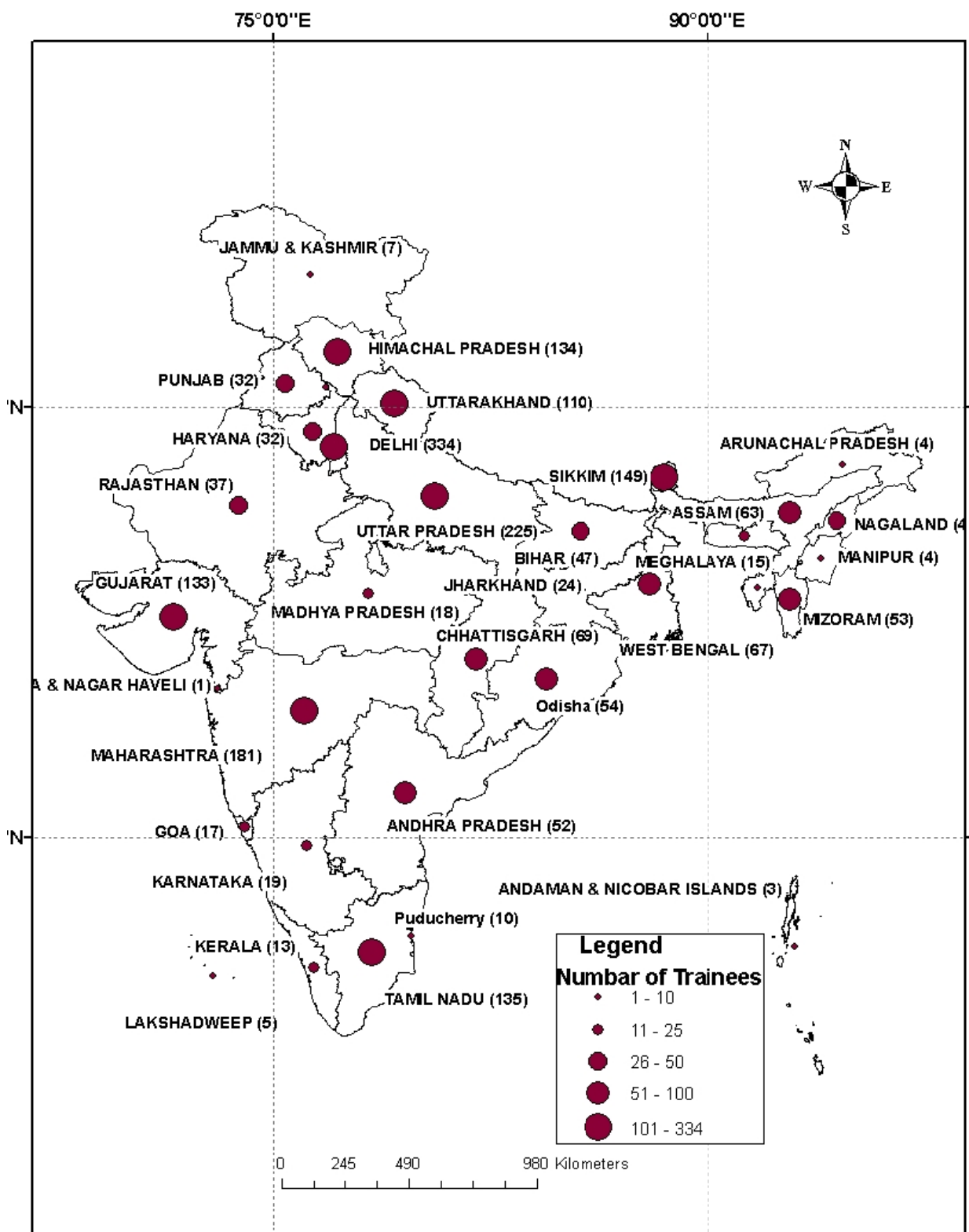
चित्र 2.5: 2013-14 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागी की पार्श्विका

2-5-3 {k=okj ifrHkkxhx.k

अधिकांश प्रतिभागी उत्तरी भारत (जम्मू एवं कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड), इसके बाद पूर्वी भारत (बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा) उत्तर पूर्व भारत (असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा), दक्षिण भारत (तमिलनाडू, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पुदुचेरी), पश्चिम भारत (गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दमन एवं दियू, दादरा और नागर हवेली), केन्द्रीय भारत (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, और भारत के दो छोटे द्वीप समूहों (लक्षदीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), से थे।

सारिणी 2.4 : भारत के विभिन्न राज्यों और संघ शासित प्रदेशों से प्रतिभागियों की सूची

Øekd	jkT; dk uke	if'kf{kr ifrHkkxh
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	03
2	आंध्र प्रदेश	52
3	अरुणाचल प्रदेश	04
4	असम	63
5	बिहार	47
6	चंडीगढ़	04
7	छत्तीसगढ़	69
8	दादर एवं नागर हवेली	01
9	दमन एवं दियू	06
10	दिल्ली	334
11	गोवा	17
12	गुजरात	133
13	हरियाणा	32
14	हिमाचल प्रदेश	134
15	जम्मू एवं कश्मीर	07
16	झारखंड	24
17	कर्नाटक	19
18	केरल	13
19	लक्षदीप	05
20	मध्य प्रदेश	18
21	महाराष्ट्र	181
22	मणिपुर	04
23	मेघालय	15
24	मिजोरम	53
25	नागालैंड	41
26	उड़ीसा	54
27	पुदुचेरी	10
28	पंजाब	32
29	राजस्थान	37
30	सिक्किम	149
31	तमिलनाडू	135
32	त्रिपुरा	02
33	उत्तर प्रदेश	225
34	उत्तराखंड	110
35	पश्चिमी बंगाल	67



चित्र 2.6 2013-14 के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों तक संघ शासित प्रदेशों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या को दर्शाते हुए मानचित्र

2-5-4 2013&14 d nkjku vkoÜk if'k{k.k dk;Øek dk foLrkj {k=

एन.आई.डी.एम. अपने आरंभ काल से ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आपदा प्रबंधन के अनेक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता रहा है। वर्ष 2013-14 के दौरान एन.आई.डी.एम. द्वारा निष्पादित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मोटे तौर पर पाँच शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है: (i) बुनियादी आपदा प्रबंधन कार्यक्रम, (ii) संकट विशिष्ट कार्यक्रम, (iii) परस्पर संबद्ध मुद्दे, (iv) आपातकालीन प्रतिक्रिया, (v) तकनीकी (इंजिनियरिंग, मेडिकल तथा भू-सूचना विज्ञान) विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत सूची निम्नानुसार है :

(i) cfu;knh vkink ic/ku ikB;Øe

- विभिन्न लक्ष्य समूहों (सिविल डिफेंस, एन.डी.आर. एफ., अध्यापक आदि)।

(ii) ldVfof'k"V dk;Øe

- रसायन (औद्योगिक) आपदा प्रबंधन
- चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण
- सूखा न्यूनीकरण और प्रबंधन
- भूकंप जोखिम प्रबंधन
- बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन
- दावानल प्रबंधन
- भूस्खलन जोखिम संकट प्रबंधन
- लू तथा भीत लहर प्रबंधन
- सड़क दुर्घटना प्रबंधन

(iii) ijLij lc) eÍ

- जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन का अनुकूलन
- समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन
- विकलांगता और आपदा प्रबंधन
- आपदा स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन
- आपदा सुरक्षित पर्वतीय क्षेत्र विकास

- आपदा जोखिम अवमंदन हेतु परिप्रणाली दृष्टिकोण
- जिला आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण
- जेण्डर और आपदा प्रबंधन
- आपदा प्रबंधन हेतु विधिक संरचना
- स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम
- आपदा में बच्चों की आवश्यकता
- आपदा के बाद क्षति और आंकलन आवश्यकता
- आपदा प्रबंधन में पुनर्उत्पादकीय स्वास्थ्य, लिंग और मनो सामाजिक सहायता
- आपदा प्रबंधन में वानिकी सेक्टर की भूमिका
- आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका
- आपदा प्रतिक्रियावादियों के तनाव प्रबंधन
- शहरी जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन

(iv) vkikrdkyhu ifrfØ;k

- आपातकालीन प्रचालन केन्द्रों पर प्रशिक्षण
- घटना प्रतिक्रिया प्रणाली तथा एकीकृत योजना पर पाठ्यक्रम
- रसायनिक आपात स्थितियों के लिए ऑन स्थलीय तथा ऑफ स्थलीय आपदा तैयारी

(v) ik|kfxdh %bthfu;fjx] efMdy rFkk Hk&lpuK foKku%

- आपदा सुरक्षित निर्माण पर्यावरण के लिए भवन संहिता और डिजाइन
- आपदा प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा
- भू-सूचना विज्ञान का आपदा प्रबंधन में अनुप्रयोग
- भूकम्प सूक्ष्म जोनकरण और जोखिम मानचित्रण
- द्रुत दृश्य जाँच द्वारा भवनों की भूकम्प सुरक्षा आंकलन
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग

2-5-5 ifrif'V@l>ko

प्रत्येक कार्यक्रम के अंत में, प्रशिक्षण का डिजाइन, प्रशिक्षण विधियाँ, प्रशिक्षण सामग्री, वक्ता की प्रभावोत्पादकता,

आवास एवं भोजन की सुविधा, पुस्तकालय सुविधा आदि महत्वपूर्ण घटकों का मूल्यांकन किया जाता है ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम के डिजाइन, विषय:वस्तु तथा प्रभावोत्पादकता में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाये जा सकें।

2-6 if'k{krk

प्रत्येक वर्ष, एन.आई.डी.एम. शैक्षिक/अनुसंधान/प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों/अनुसंधानकर्ताओं से ग्रीष्म ऋतु के दौरान विशेषतया प्रशिक्षुता के लिए अनुरोध प्राप्त होते रहे हैं। ऐसे अनुरोधों पर वैयक्तिक आधार पर विचार किया जाता है। प्रशिक्षुता के उद्देश्य निम्न प्रकार से हैं –

- इच्छुक तथा सुपात्र अव स्नातकों तथा स्नातकों संबंधित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर कर रहे छात्रों को समग्र आपदा प्रबंधन प्रणाली और इसके विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना।

- आपदा प्रबंधन प्रक्रिया, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में मौलिक अनुभव प्राप्त करने में विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के छात्रों की सहायता करना।
- विद्यार्थियों की उनके कौशल के परीक्षण में नवीनता लाने और नये विचार और तकनीकों को जोड़ने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, व्यवसायिक संस्थानों को औपचारिक के साथ साथ अनौपचारिक साधनों के द्वारा एन.आई.डी.एम. तथा इन संस्थानों द्वारा की जा रही अनेक गतिविधियों के बारे में समुचित सूचना प्रदान करना।

वर्ष के दौरान पूरे भारत वर्ष के विभिन्न शिक्षण संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षुता के लिए मात्र 12 छात्रों के नाम दर्ज किये गये। इन छात्रों का चयन उनकी योग्यता और प्रस्तावों पर आधारित था जिन्हें प्रशिक्षुता के लिए उन्होंने विकसित किया था।

अध्याय 3

परियोजनायें

एन.आई.डी.एम. द्वारा अन्य मंत्रालयों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर आपदा और विकास के विभिन्न आयामों पर अनुसंधान, परामर्श एवं सहयोग परियोजनाओं का निष्पादन किया गया। इन परियोजनाओं के परिणाम संकट परिदृश्यों को समझने के लिए, योजनाओं और नीति दस्तावेजों के विकास और क्षेत्र से प्राप्त प्रत्यक्ष अनुभवों पर आधारित प्रशिक्षणों हेतु मुख्य निवेश के लिए भी उपयोग में लाये जाते हैं। एन.आई.डी.एम. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा केस अध्ययन मॉड्यूलों के विकास में इन अनुसंधान के परिणामों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाता है।

3-1 ifj;ktuk d iidkj

आयोजित परियोजनाओं का प्रकार निम्नानुसार है:

- {kerk fuek.k ifj;ktuk; – जिनमें प्रशिक्षण हेतु आवश्यक विश्लेषण, प्रशिक्षण मॉड्यूलों का विकास, क्षेत्र अनुभवों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास एवं कार्यान्वयन (उदाहरण के लिए विश्व बैंक, चक्रवात न्यूनीकरण परियोजना, भारत-जर्मन सहयोग – ईको डी.आर.एम., आर. बी.एस., प्रशिक्षण कार्यक्रम ललिता पार्क भवन विखंडन का न्यायिक अन्वेषण शामिल है। केस स्टडी पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल ईको डी. आर.एम. परियोजना के अंतर्गत तैयार किये गये हैं)।
- vkink lk'pkr' vUo''k.k rFkk iyy[ku ifj;ktuk; (अर्थात् ललिता पार्क भवन विखंडन का न्यायिक अन्वेषण)।
- ldV ekufp=.k] ?kkrdrk fo'y''k.k rFkk tkf[ke vkdyu {kerk fo'y''k.k] U;uhdj.k fo'y''k.k vkfn (आई.सी.एस.एस.

आर. वित्तयोशित, बुदलखंड सूखा परियोजना, एम.सी.डी. परियोजना के अंतर्गत भवनों का आर. बी.एस. इत्यादि)।

- Mh-vkj-vkj- if'k{k.k rFkk {kerk fuek.k grl k/kuk vkj rduhd k dk fodkl (उदाहरण के लिए विश्व बैंक, चक्रवात न्यूनीकरण परियोजना, ईको डी.आर.एम. के तहत विकसित मिश्रित शिक्षार्जन प्लेटफार्म इत्यादि के अंतर्गत भारत में आपदा पश्चात आवश्यकता आंकलन की समय प्रणाली को नया रूप देने हेतु भारत के लिए प्रासंगिक मानकीकृत पी.डी.एन.ए. साधन विकसित करना)।
- uV ofdx rFkk Kku lg;kx ifj;ktuk; – ऐसी परियोजनाओं का लक्ष्य आपदा निवारण तथा न्यूनीकरण में तकनीकी ज्ञान एवं सूचना का आदान-प्रदान, आपदा जोखिम प्रबंधन पर अग्रिम अनुसंधान तथा प्रशिक्षण के लिए संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान, कार्यशालाओं का आयोजन, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा डी.आर.एम. हेतु क्षेत्र भ्रमण और पारस्परिक हित के विषयों पर पुस्तकों, पत्रिकाओं, पर्चों इत्यादि का प्रकाशन (भारत, जापान, सहयोग ई.के.डी.आर.एस. आदि हैं)।

3-2 lk/ku vkj rduhd

इन परियोजनाओं के लिए अपनाये गये साधनों तथा तकनीकों में प्रशिक्षण हेतु आवश्यक विश्लेषण, वैज्ञानिक विधियाँ जैसे कि जी.आई.एस. तथा सुदूर संवेदन आधारित विश्लेषण इंजीनियरिंग विधियाँ जैसेकि आर.वी. एस., सांख्यिकीय विधियाँ, सामाजिक विज्ञान विधियाँ जैसे कि नमूना सर्वेक्षण, सरंचित साक्षात्कार, उदाहरण अध्ययन, प्रतिभागिता शिक्षार्जन दृष्टिकोण (पी.एल.ए.), गुणात्मक आंकलन और प्रभाव विश्लेषण आदि शामिल है।

3-3 pky@i.k ifj;k t uk;:

एन.आई.डी.एम. ने अपनी स्थापना के बाद अनेक परामर्शों तथा अनुसंधान परियोजनायें प्रारंभ की है। इसके द्वारा प्रारंभ की गई कुछ परियोजनाओं की विशेषताएं निम्नानुसार हैं –

सारिणी 3.1 एन.आई.डी.एम. द्वारा विगत में प्रारंभ की गयी परियोजनायें

Øekd	lkfj;k t uk dk uke
1	बढ़ी हुई तैयारी तथा तीव्र प्रतिक्रिया की दिशा में प्रशासनिक सुधार।
2	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हेतु क्षमता विकास एम.ओ.ई.एफ. – जी.ई.एफ. भारत में जलवायु परिवर्तन परियोजना।
3	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एम.ओ.ई.एफ. टी.ई.आर.आई., यू.एन. डी.पी., सामाजिक तथा पर्यावरण परिवर्तन संस्थान के साथ संयुक्त पहल)।
4	बृहत्तर हिमालयी क्षेत्र में अत्याधिक तथा अति न्यून जल के संबंध में स्थानीय प्रतिक्रिया (आई.सी.आई.एम.ओ.डी. के साथ)।
5	ग्रेटर नोएडा टिवन टाऊनशिप आपदा प्रबंधन योजना।
6	नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए आपदा प्रबंधन योजना (सी.आई.डी.सी.ओ. के साथ सहयोग से)।
7	शहरी बाढ़ केस अध्ययन परियोजना।
8	मार्गदर्शी सिद्धांतों, मॉड्यूलों तथा क्रिया विधियों का विकास।
9	आकस्मिक प्रतिक्रिया प्रणाली (आई.आर.एस.) मॉड्यूल (यू.एस.ए.आई.डी. के साथ) पारंपरीकरण।
10	मुख्यधारावी उत्पादक स्वास्थ्य (आर.एच.), लिंग आधारित तीव्रता सहित लिंग (जी.बी.वी.) तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में मनोसामाजिक सहायता (पी.एस.एम.) कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए संयुक्त क्षमता निर्माण दुर्बल।
11	ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर दिल्ली का न्यायिक अन्वेषण, तीव्रगामी दृश्य समिति द्वारा दिल्ली में भवनों की भकम्पीय सुरक्षा आकलन।

Øekd	lkfj;k t uk dk uke
12	बुन्देलखंड क्षेत्र के लिए सूखा घातकता तथा न्यूनीकरण विश्लेषण (आई.सी.एस.एस.आर. परियोजना)।
13	आपदा जोखिम प्रबंधन (ई.के.डी.आर.एम.) के लिए पर्यावरणीय ज्ञान।

वर्ष 2013-14 के दौरान संस्थान ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चार परियोजनाओं के लिए कार्य किया। अनुसंधान अध्ययनों की विशेषतायें निम्नानुसार हैं –

3-3-1 jk"Vh; pØokr tkf[ke U;uhdj.k ifj;k t uk

राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना भारत के चक्रवात जोखिम प्रवण राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों में घातकता को कम करने और तटीय परिस्थितिकी के संरक्षण के साथ सामंजस्य रखते हुए लोगों और बुनियादी ढाँचे को आपदा से उबरने की क्षमता से युक्त बनाने का प्रयास करती है। परियोजना के चार प्रमुख घटकों ए, बी, सी और डी में विभाजित है। एन.आई.डी.एम. को सौंपे गए एन.सी.आर.एम.पी. के "सी" घटक का विशिष्टउद्देश्य जोखिम न्यूनीकरण के उपायों को मुख्य धारा में लाने के लिए, केन्द्र, राज्य और स्थानिक स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डी.आर.एम.) क्षमता को मजबूत बनाकर उन्हें समग्र विकास की कार्य सूची में शामिल करना है। इस घटक के तहत एन.आई.डी.एम. द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं – (क) दीर्घकालिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण रणनीति तैयार करना। (ख) उच्च प्राथमिकता प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का कार्यान्वयन और (ग) क्षति एवं नुकसान का आकलन।

एन.आई.डी.एम. द्वारा किये गये दो अध्ययनों के विवरण निम्नानुसार हैं –

v/; ;u &1 Hkkjr e; vkink tkf[ke U;uhdj.k d; fy, nh?kdkfyd if'k{k.k vkj {kerk fuek.k dh j.kuhfr r/;kj djuk

यह अध्ययन बहु संकट दृष्टिकोण के साथ हितधारकों की क्षमता निर्माण से संबंधित है हालांकि परियोजना



चित्र 3.1: एनसीआरएमपी वेब पेज का स्नेपशॉट

केवल चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण के लिए है। इसका लक्ष्य क्षमता विकास संरचना में योगदान देता है तथा इनमें स्वास्थ्य शिक्षा मीडिया, ग्रामीण विकास तथा पंचायत राज संस्थान/ स्थानीय निकायों तथा भिन्न स्तरों पर पंचायतों से जिला राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर पंचायती की भूकम्प, भूस्खलन, चक्रवात, बाढ़ और सूखा सहित सभी प्रमुख आपदाओं के संबंध में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आवश्यकतायें। प्रशिक्षण पहल के तौर पर, प्रशिक्षण के कार्यान्वयन के लिए रणनीतिक संरचना की रिपोर्ट में शामिल है जैसे – प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण, प्रशिक्षण अंतराल विश्लेषण, प्रशिक्षण आवश्यकतों की मात्रा तथा प्राथमिकता, प्रशिक्षण के कार्यान्वयन हेतु रणनीति तथा अल्पकालिक आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण हेतु मान्यता विधि प्रस्तुत किया जाना, इस अध्ययन का महत्वपूर्ण परिणाम है। एन.आई.डी.एम. में एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला इस पर 3 अक्टूबर, 2013 में आयोजित की गयी थी। इस कार्यशाला में परस्परी वेब पोर्टल का भी भुुभारंभ किया गया था जिसमें परियोजना के तहत सभी रिपोर्ट अपलोड की जा सके और पाठकगण साथ ही अपनी टिप्पणी भी दे सके। वेबसाइट का लिंक <http://www.seedstechnicalseuccess.com/project/NCRMP> (इसका आशुचित्र साथ में दिया गया है)।

भारत में डी.आर.आर. पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण विषयक मुख्य नीतिगत मुद्दों को श्वेत पत्र में शामिल करने के लिए परामर्शी कार्यशाला एन.डी.एम.ए. नई दिल्ली में 23 दिसम्बर, 2013 को आयोजित की गयी थी।

मान्यता प्रक्रिया और नीतियों तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल पर एक कार्यशाला 5 फरवरी, 2014 को आयोजित की गयी थी। परामर्शी कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मान्यता प्रक्रिया विषय पर चर्चा करना तथा गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्यों तथा अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों से निवेश प्राप्त करना था। तदनुसार, अध्ययन की प्रदानगी के भाग के रूप में, सात प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किये गये हैं। इन प्रशिक्षण मॉड्यूलों का विकास पंचायत राज संस्थानों (पी.आर.आई.) ग्रामीण विकास (आर.डी.), शहरी विकास योजना, स्वास्थ्य शिक्षा और मीडिया के क्षेत्र में लगे मास्टर संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के साधन के रूप में किया गया है। इसे लचीले संसाधन के रूप में विकसित किया गया है ताकि प्रशिक्षक इसे आवश्यकतानुसार प्रयोग में ला सके। उप-मॉड्यूलों, शिक्षार्जन ईकाइयों और सत्रों का उपयोग अपनी इच्छानुसार प्रस्ताव के जरिये अथवा उप-मॉड्यूलों के भीतर अन्य वैयक्तिक सत्रों और शिक्षार्जन ईकाइयों को जोड़कर उपयोग में लाया जा सकता है।

मान्यता प्रक्रिया और नीति पर अध्ययन गुणवत्ता आश्वासन और मान्यता हस्तक्षेप की सीमा का मानचित्रण करने के



चित्र 3.2 मान्यता प्रक्रिया तथा नीति और प्रशिक्षण मॉड्यूल विषयक कार्यशाला फरवरी 2014 को आयोजित की गयी।

माडल को दर्शाता है। जिससे आपदा प्रबंधन क्षमता निर्माण प्रयासों की पूर्णतः आगे बढ़ाने के काम आता है। इसके आगे, “आपदा रिपोर्टिंग के पुनर्परीक्षण सिद्धांतों” पर पायलेट टी.ओ.टी. के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए 17-22 फरवरी, 2014 के बीच आयोजन किया गया था। एक परामर्शी कार्यशाला 19 फरवरी, 2014 को प्रभावकारी आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए साइंस-मीडिया इंटरफेस पर आयोजित की गयी थी। कार्यशाला का उद्देश्य साइंस, मीडिया और आपदा प्रबंधन पेशेवरों के बीच सहयोग संबंध बढ़ाना था। जनचेतना अभियान का समग्र उद्देश्य राष्ट्र से लेकर समुदाय स्तर तक जागरूक करके मजबूत जन चेतना अभियान के लिए बहु – स्तरीय दृष्टिकोण को बनाना है। इस बैक ड्रॉप के विरुद्ध, राष्ट्रीय मीडिया अभियान की रणनीति “vkin k tkf[ke U;uhdj.k vkil l’k# gkrk g’A नामक संदेश के जरिये समग्र समृद्धिपूर्ण बनाता है। इसका उद्देश्य सामान्यतया देश के भीतर सुरक्षा तथा विशेषतया जोखिम में समुदायों के लिए संस्कृति का निर्माण करना है।

राष्ट्रीय चक्रवातीय जोखिम न्यूनीकरण परियोजना (एन.सी.आर.एम.पी.) के अंतर्गत भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु दीर्घकालीन प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण रणनीति तैयारी अध्ययन हेतु एक अन्य राज्य स्तर की परामर्शी कार्यशाला 27 फरवरी, 2014 को हावड़ा में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम.) तथा आपदा प्रबंधन विभाग, पश्चिमी बंगाल द्वारा आयोजित की गयी थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य अध्ययन के परिणामों में भागीदारी करना था और राज्य प्रतिनिधियों के साथ अध्ययन की प्रमुख प्रदानगियों में निवेश करना था।

v/;;u & 2 Hkkjr e vkin k d ckn vko’; drkvk dk vkdyu #15 tuojh 2014 l 14 t/ykb/ 2015%

mí’;

भारत के लिए उपयुक्त मानकीकृत पी.डी.एन.ए. साधन विकसित करना, नये पी.डी.एन.ए. साधनों को मौजूदा प्रक्रिया के साथ एकीकृत करने के लिए अनुशंसाएँ उपलब्ध कराना, संबंधित हितधारकों के समर्थन/क्षमता निर्माण की पहचान करना, भविष्य में विकसित किये जाने

वाले नये पी.डी.एन.ए. साधनों के उपयोग द्वारा अनुवर्ती आंकलन के लिए विशेषज्ञों का पैनल तैयार करना जिसका विकास उचित समय के भीतर किया जायेगा।

इस अध्ययन का उद्देश्य भारत के लिए वैज्ञानिक और वस्तुपरक दृष्टिकोण पर आधारित मानकीकृत पी.डी.एन.ए. उपकरणों का विकास करना है। इसे निम्नलिखित दस प्रतिनिधि राज्यों के लिए विकसित किया जायेगा – तमिलनाडू, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, बिहार, पश्चिमी बंगाल, असम, उत्तराखंड, जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात और महाराष्ट्र। इस अध्ययन से ऐसे उपकरणों को विकसित करने में मदद मिलेगी, जिनसे भारत में प्रचलित वर्तमान पी.डी.एन.ए. प्रणाली में मौजूद कमियों को भरा जा सकेगा। जिससे एक मजबूत आपदा पश्चात नुकसान और आवश्यकता मूल्यांकन तंत्र प्राप्त होगा।

ixfr

एन.आई.डी.एम. एशियन आपदा तैयारी केन्द्र, थाईलैंड के सहयोग से इस अध्ययन को कार्यान्वित कर रहा है। पी.डी.एन.ए. में राज्य बहुत महत्वपूर्ण हितधारक होते हैं, एन.आई.डी.एम. में इसलिए अध्ययन के एकदम शुरुआत से राज्यों को बोर्ड में लेने तथा संकेन्द्रीकृत तरीके से परिणामों की दिशा में काम करने का प्रयास किया है। अप्रैल, 2014 में एक केन्द्रीय कार्यशाला एन.आई.डी.एम. परिसर में राज्यों के प्रतिनिधियों, केन्द्र की प्रमुख विभागों/एजेंसियों तथा एन.जी.ओज/आई.एन.जी.ओज के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित की जायेगी। जिसमें अध्ययन के बारे में खुली चर्चा आयोजित की जायेगी और उनके निवेश प्राप्त किये जायेंगे। इसके पश्चात संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों के प्रतिनिधियों के साथ वैयक्तिक परामर्श किये जायेंगे जिससे कि प्रारंभिक रिपोर्ट की पुष्टि की जा सके जिससे अध्ययन की सेकेन्द्री की रुपरेखा प्रस्तुत की जा सके।

vk’kkrrh ifj.kke

परियोजना का अंतिम परिणाम निम्न प्रकार होगा जो देश में न केवल आपदा बाद आवश्यकता आंकलन के लिए प्रणाली स्थापित करेगा जिससे पारदर्शिता और आंकलन के वैज्ञानिक तरीके सुनिश्चित हो सकें बल्कि प्रभावी

कार्यान्वयन के लिए वर्तमान में मौजूद अंतर को समाप्त कर सकेगा और संबंधित क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन का सैट भी उपलब्ध करा सकेगा:

1. भारत में पी.डी.एन.ए. की मौजूद पद्धति तथा उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय क्रियाविधियों पर विश्लेशणात्मक रिपोर्ट तथा प्रलेखन।
2. दीर्घकालीन पुनर्प्राप्ति संरचना सहित भारत में पी.डी.एन.ए. हेतु मानकीकृत उपकरणों तथा तकनीकों का सैट।
3. पी.डी.एन.ए. के लिए मानक प्रपत्र का सैट।
4. भारत हेतु पी.डी.एन.ए. के लिए उपकरणों पर संहिता तथा उपयोगी पुस्तिका।
5. भारत में पी.डी.एन.ए. का मानकीकरण पर परामर्शी कार्यशाला।
6. पी.डी.एन.ए. प्रशिक्षण पैकेज।
7. पी.डी.एन.ए. पेशेवरों का पैनल बनाने के लिए राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर पी.डी.एन.ए. प्रशिक्षण।
8. भारत में पी.डी.एन.ए. के लिए वेब पोर्टल।
9. आपदाओं में निजी हानियों हेतु लेखा पर श्वेत पत्र।

इस परियोजना से राज्य सरकारों को ओर अधिक ठीक और पारदर्शी तरीके से आपदा के दौरान हुए नुकसान का आंकलन करने में अंततः सहायता मिलेगी तथा प्रभावित क्षेत्रों में मानक नयाचार पर आधारित आवश्यकताओं की स्थापना उसके द्वारा की जा सकेगी।

3-3-2 io ,f'k;k f'k[kj lEeyu

ई.ए.एस. भारत कार्यशाला 2012 नई दिल्ली में नवम्बर, 2012 में आयोजित की गयी थी। जिसमें ई.ए.एस. सदस्य देशों के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसियों के अध्यक्षों ने भाग लिया था। कार्यशाला की एक प्रमुख अनुशंसा थी कि ई.ए.एस. देशों के लिए भूकंप जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए एक केन्द्र की स्थापना की जाये। इसके अनुसरण में, एन.आई.डी.एम., नई दिल्ली भारत में ई.ए.एस.—ई.आर.आर. केन्द्र की स्थापना की गई। जिससे ई.ए.एस. सदस्य देशों के आपसी लाभ के लिए भूकंप जोखिम प्रबंधन हेतु क्षेत्रीय संरचना पर व्यापक मार्गचित्र विकसित किया जा सके तथा 24 x 7 कांटेक्ट



चित्र 3.3 ई.ए.एस. — ई.आर.आर. वेबसाइट का होम पेज

प्वाइंट (पी.ओ.सी.) के जरिये भूकंप को क्षेत्रीय प्रतिक्रिया बनाया जा सके। इसमें वास्तविक ज्ञान पोर्टल(वी.के. पी.) का ज्ञान भागीदारी हेतु विकास वैज्ञानिक सूचना आदान-प्रदान तथा चेतावनी प्रसार शामिल है।

mi';

- भूकंप अनुक्रिया के दौरान ई.ए.एस. क्षेत्र से बाहर के सभी देशों तथा इसके सदस्य देशों को सीमा पार सहायता स्थापित करने के लिए लाना।
- प्रभावित देशों में सीमा पार अंतर्राष्ट्रीय सहायता प्रदान करना तथा प्रभावित देशों हेतु जीवन रक्षक दवाईयाँ तलाशी कुत्तों आदि सहित तलाशी और बचाव दलों का प्रवेश जैसी आपातकालीन सहायता के परिवर्तन के पहलुओं हेतु आपातकालीन संरचना तथा विकसित हो रहे एस.ओ.पी. को विकसित करना।
- ऐसे भूकंप के बहुपार्श्वीय अनुक्रिया के विभिन्न पहलुओं, जिससे बहुल देशों पर प्रभाव होता हो, से निपटना।
- भूकंपों के खतरों के खिलाफ बहुलदिशायी उपायों का समन्वय करने के लिए मार्गचित्र प्रदान करना तथा स्वतंत्र उप-परियोजनाओं के अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों की पहचान करना।

e[; ifj.kke

- ई.ए.एस. — ई.आर.आर. केन्द्र की वेबसाइट विकास, यू.एस.जी.एस. एंड जी.डी.ए.सी. के द्वारा भूकंपीय पोषण एकीकरण।

- ई.ए.एस. — ई.आर.आर. केन्द्र की भूमिका तथा इसके महत्व को परिभाषित करना।
- भारत सहित एशियाई देशों हेतु संतोष विकास जिसमें देश पार्श्विका आपदा जोखिम पार्श्विका संस्थागत ढाँचा तथा पहले शामिल है।
- ई.ए.एस. — ई.आर.आर. कार्यशाला 2012 कार्यवाहियों को अंतिम रूप देना।
- सभी ई.ए.एस. देशों के लिए सभी दस्तावेजों, प्रकाशनों संसाधन सामग्री, शैक्षणिक सामग्री की सूची का संकलन।
- आग तथा मानव : सृजित खतरों के अलावा सभी प्राकृतिक आपदाओं की संसाधन सामग्री विशेष तौर पर भूकंप एवं उससे संबंधित क्षेत्रों पर संकेन्द्रित करते हुए संकलित किया गया है।

3-3-3 $\text{cm}y[kM \{k= e[l[kk gr[?kk r drk$
 $\text{vkd}y \text{ vkj } U; \text{uhdj.k fo'y}''k.k$
 $\% \text{vkb-lh-}, l-, l-\text{vkj-} \} \text{ kjk vu}l/\text{kku}$
 $\text{ifj}; \text{ktuk dk } / \text{ku miyC/k djk;k}$
 $\text{x}; \text{k}\frac{1}{2}\text{A}$

बुंदेलखंड क्षेत्र में सूखा के लिए घातकता और न्यूनीकरण विश्लेषण पर अनुसंधान परियोजना को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) द्वारा ६ लन उपलब्ध कराया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र (प्रशासनिक यूनिट स्तर) में माध्यम से गंभीर सूखा की स्थिति के प्रभाव परिदृश्य का आंकलन करना निर्धारित किया गया है ताकि सूखे की रोकथाम के लिए विशिष्ट रणनीतियाँ तैयार की जा सकें। इस परियोजना के तहत सांख्यिकीय तथा भौगोलिक सूचना प्रणाली अनुप्रयोग के उपयोग द्वारा विभिन्न प्रकार के सूखों जैसे कि ऋतु विज्ञान संबंधी, जल विज्ञान संबंधी तथा कृषि संबंधी सूखा और आकाशीय तथा स्थलीय पद्धतियों का अध्ययन किया जायेगा। तीन जिलों जैसे ललितपुर (उत्तर प्रदेश), टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) तथा दतिया का विस्तृत विश्लेषण तौर पर सरकार के विभिन्न हस्तक्षेपों को समझने के लिए, एन.जी.ओज तथा समुदायों द्वारा सूखे के प्रभाव को कम करने का भी विश्लेषण किया गया है।

इस कार्य में सूखा परिदृश्य का आंकलन करने तथा संबंधित आंकड़ें संग्रह करने के लिए क्षेत्र का दौरा संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा और सूखा जोखिम के संदर्भ में घातकता और न्यूनीकरण संकेतों के संबंध में आंकड़ा संग्रहण प्रारूपों (जिला और उप जिला स्तर पर) का विकास सम्मिलित है। यह परियोजना लोगों के कार्यों विशेष रूप से जल और कृषि प्रबंधन प्रकृतियों की अनुकूलता के अतिरिक्त सूखा प्रभावों के अल्पावधि तथा दीर्घावधि न्यूनीकरण से संबंधित स्थल विशिष्ट हस्तक्षेपों का महत्व समझने में लाभप्रद पाई गयी है। इसके अलावा इसके द्वारा आपदा की स्थिति में परिस्थितिकीय प्रणाली की अनुकूलता और लोगों की मनोवृत्ति की भूमिका का भी संकेत दिया गया है।

इन विषयों की स्पष्ट व्याख्या से नीति निर्माता विषय को बेहतर समझ सकेंगे तथा क्षेत्र में सूखा न्यूनीकरण विश्लेषण अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम दे सकेंगे।

mí';

- (क) सूखा संकट की गंभीरता तथा सूखे के सभी प्रकारों की आवृत्ति का विश्लेषण करना।
- (ख) जिला स्तर पर सूखे के प्रभाव की विशिष्ट तथा संयुक्त घातकता का आंकलन करना।
- (ग) बुंदेलखंड के लिए जिला स्तर पर संभावित सूखा संकट जोन मानचित्र तैयार करना।
- (घ) सूखे के जोखिमों के विरुद्ध विद्यमान न्यूनीकरण उपायों का विश्लेषण करना।

अध्ययन निम्नलिखित तीन परस्परव्यापी चरणों में किया गया है।

$\text{pj.k \&1 } l\text{kfgfl;d } l\text{o}\{k.k \text{ rFkk vkdMk}$
 $\text{l\text{xg.k}}$

वर्तमान अध्ययन के संबंध में किये गये विश्लेषण उनके संबंध में प्रकाशित अनुसंधान अध्ययनों से सूखा संकट तथा घातकता विश्लेषण के लिए विभिन्न तरीकों का अध्ययन किया गया है। इसके अलावा बुंदेलखंड में सूखा जोखिमों को समझने के लिए वर्तमान साहित्य का विस्तृत सर्वेक्षण किया गया है। जन सांख्यिकीय भौगोलिक तथा आर्थिक पार्श्विका सहित सामान्य पार्श्विका जनगणना

2011 तथा सामाजिक आर्थिक जनगणना और केन्द्रीय भूमि, जल बोर्ड तथा अन्य वेब स्रोतों द्वारा विकसित जिला पार्श्वकों का प्रयोग करके सभी जिलों के लिए भी संकलित किया गया था। सभी तीन प्रकार के सूखों अर्थात् मौसम विज्ञानीय, जल विज्ञानीय तथा कृषि के लिए संकेतकों के लिए आंकड़ा संग्रहण प्रोसेसिंग एवं संगणना इस अध्ययन के इस चरण के दौरान की गयी है।

pj.k & 2 l[kk tkf[ke rFkk ?kkrdrk fo'y"l.k

सभी तीनों प्रकारों के सूखों के लिए 12 वर्षों के बाद आवृत्ति तथा गहनता संगणनायें, संकट तथा घातकता मानचित्रों के निर्माण हेतु आवृत्ति और गहनता को जोड़कर आंकड़ा विश्लेषण शामिल था इसका सूखा उपस्थिति के काल क्रम विज्ञान की पहचान द्वारा अनुसरण किया गया था। वैयक्तिक संकट तथा घातकता मानचित्रों की तैयारी के पश्चात समस्त क्षेत्र के लिए जिला स्तर पर "संयुक्त सूखा जोखिम मानचित्र" की प्राप्ति के लिए प्रत्येक श्रेणी को उचित कोटियों के साथ महत्व दिया जाता है।



चित्र 3.4 चोपड़ा गांव दतिया (बांध रोक कर) संरचना न्यूनीकरण उपाय

pj.k & 3 l[kk tkf[ke U;uhdj.k fo'y"l.k

विभिन्न संरचनात्मक और गैर संरचनात्मक उपायों जो कृषि अथवा जल विज्ञानीय सूखा के जोखिम को कम करने में सहायता करते हैं अर्थात् कृषि और जीवन निर्वाह सहित जल अभाव और प्राकृतिक संसाधनों पर मौसम विज्ञानीय प्रभाव तथा वे सूखे की स्थिति से जूझने के लिए सहायक होते हैं, का इस चरण में अध्ययन किया गया है। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने अपने क्षेत्र में

सूखा प्रमाण के लिए संरचनात्मक और गैर संरचनात्मक उपायों को कार्यान्वित किया, इसका विस्तृत अध्ययन किया गया।

विस्तृत न्यूनीकरण विश्लेषण अध्ययन के लिए तीन जिलों ललितपुर (उत्तर प्रदेश), दतिया (मध्य प्रदेश) और टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) का चयन किया गया। विकास कार्यक्रमों में से अधिकांश जैसे – चालू तथा हाल में पूर्ण हुए कार्यक्रमों तथा योजनाओं को लिया गया तथा सूखा न्यूनीकरण में उनके महत्व को समझने के लिए इन कार्यक्रमों के उद्देश्यों एवं घटकों का विश्लेषण किया गया। "बुंदेलखंड पैकेज" तथा पैकेज के अंतर्गत गतिविधियों को विशेष महत्व दिया गया है चूंकि बुंदेलखंड पैकेज के भीतर अनेक हस्तक्षेप हैं जिनका सीधे तौर पर अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर सूखा प्रमाण प्रयोजनों का समर्थन करना उद्देश्य था। दोनों संरचनात्मक और गैर संरचनात्मक न्यूनीकरण उपायों का विश्लेषण किया गया। जिला स्तर पर अधिकारियों के साथ परस्पर विचार-विमर्श के अलावा संबंधित विभागों और एन.जी.ओ. भी विस्तृत घातकता और न्यूनीकरण विश्लेषण अध्ययन के भागीदार थे। सूखा न्यूनीकरण उपायों के लिए प्रभावकारी मानने की दिशा में इस विश्लेषण को सहायक समझा गया। दिसम्बर, 2013 में अनुसंधान अध्ययन की रिपोर्ट आई.सी.एस.एस.आर. को प्रस्तुत की गयी थी।

3-3-4 जी.आई.जैड जर्मनी के साथ एक संयुक्त सहयोग परियोजना का कार्यान्वयन भारत-जर्मन पर्यावरण कार्यक्रम (आई.जी.ई.पी.) के साथ तीन वर्ष की अवधि के लिए (2010-12) आपदा संबंधी जोखिम विश्लेषण निर्णय सहायता प्रणाली, न्यूनीकरण तथा आपदा अनुक्रिया में पर्यावरण सूचना तथा साधनों की भूमिका पर केन्द्रित एम.ओ.ई.एफ., जी.ओ.आई. सहयोग के एक घटक के रूप में किया गया है। आपदा जोखिम प्रबंधन हेतु पर्यावरण और ज्ञान प्रबंधन के उभरते मुद्दों के संबोधन तथा देश की स्थितियों के उपयुक्त साधनों और तकनीकों के विकास हेतु की गयी है। परियोजना में 5 विषयक क्षेत्रों यथा (i) डी.आर.एम. हेतु पर्यावरण हेतु सांख्यिकी तथा डी.एस.एस., (ii) डी.आर.आर. में पर्यावरण विधान की भूमिका (iii) रसायनिक आपदा प्रबंधन हेतु

आकाशीय योजना तथा भू उपयोग (iv) डी.आर.एम. में पर्यावरण सेवाओं तथा ई.आई.ए. की भूमिका तथा (v) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन का डी.आर.आर. के साथ संबंध – जलवायु परिवर्तन अंगीकरण में अनुसंधान आधारित केस अध्ययनों का संचालन, प्रशिक्षण मॉड्यूलों का विकास तथा क्षमता निर्माण के लिए मिश्रित शिक्षार्जन दृष्टिकोण को प्रोत्साहन पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

मी';

आपदा जोखिम प्रबंधन (ई.के.डी.आर.एम.) हेतु पर्यावरण तथा ज्ञान प्रबंधन कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा जोखिम प्रबंधन पर क्षमता निर्माण पहलुओं को मजबूत करना था। इसके निम्नलिखित उद्देश्य थे:

- आंकलन योजना तथा अध्ययनों के लिए सांख्यिकीय निर्णय सहायता प्रणाली के उपयोग द्वारा आपदा जोखिम प्रबंधन के पर्यावरण पहलुओं पर बल देना।
- ई-शिक्षार्जन, परामर्श तथा कार्यशाला सहित उद्गामी नवीकरण विधियों से प्रभावी नेटवर्क और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना।
- परियोजना के क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास तथा प्रशिक्षण प्रबंधन हेतु वेब-समर्थित प्रणाली के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहन देना।
- जिला तथा ग्राम के स्तर पर जलवायु के प्रति लचीली आपदा प्रबंधन योजना विकसित करना।
- स्थानीय स्तर पर योजना के लिए सी.सी.ए. तथा डी.आर.आर. दृष्टिकोणों के एकीकरण पर तकनीकी दस्तावेज तैयार करना।
- डी.आर.एम. हेतु पर्यावरण तथा ज्ञान प्रबंधन के पहलुओं पर अनुभव साझा करने तथा विचारों,

विशेषता के आदान-प्रदान पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।

ixfr vkj iel[k ifj.kke

b-d-Mh-vkj-, e॥ रसायन जोखिम प्रबंधन में भू-सूचना विज्ञानीय अनुप्रयोग, क्रांतिक संरचना और आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा डाटाबेस और आपदा जोखिम प्रबंधन हेतु सांख्यिकी नामक तीन प्रशिक्षण मॉड्यूलों को अक्टूबर, 2013 में प्रकाशित किया गया था। एन.आई.डी.एम. ने "पर्यावरणीय योजना तथा आपदा जोखिम प्रबंधन (ई.पी. डी.आर.एम.) भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन (डी.आर.एम.), के क्षेत्र में भारत-जर्मनी का 6 वर्षीय सहयोग विषय पर तारीख 22 अक्टूबर, 2013 को एक निष्कर्ष चर्चा तथा रणनीति कार्यशाला आयोजित की गयी थी।

vudy {ker॥ अनुकूलन क्षमताओं और भारत में घातक तटीय समुदायों के जोखिम का न्यूनीकरण को सुदृढ़ करने संबंधी इस परियोजना का उद्देश्य भारत में आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडू में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सी.सी.ए.) आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डी.आर.आर.) तथा जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण (सी.सी.ए.) से संबंधित तटीय समुदायों के ज्ञान, योजना एवं अनुकूलन क्षमताओं में वृद्धि करना है। विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश तथा तिरुवल्लूर, तमिलनाडू के जिलों में क्षेत्रीय दौरे किये गये और वर्ष 2013 में प्राधिकारियों के परस्पर विचार-विमर्श बैठकें आयोजित की गयी तथा जिला एवं ग्राम स्तरों पर हितधारकों को शामिल करके जलवायु क्षति आपदा प्रबंधन योजनाओं के निर्माण की पहल की गयी थी। तटीय समुदायों हेतु ग्रामीण आपदा प्रबंधन योजनायें प्रायोगिक आधार पर 6 ग्रामों के बनायी गयी थी। तिरुवल्लूर के वर्तमान डी.डी.एम.पी. की समीक्षा की गयी थी और जिला प्राधिकारी को डी.डी.एम.पी. हेतु निवेश के साथ साथ संशोधित प्रारूप प्रदान किये गये थे।

अध्याय 4

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

4-1 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

आई.डी.आर.एन. वर्ष 2003 में जी.ओ. आई. – यू.एन.डी. पी. आपदा जोखिम प्रबंधन (डी.आर.एम.) कार्यक्रम के तहत गृह मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया था। इसे उपकरणों और कुशल मानव संसाधनों की सुव्यवस्थित सूची बनाने के लिए प्रारंभ किया गया था ताकि तत्काल प्रतिक्रिया हेतु मूल्यवान समय गंवाये बिना, आपदा प्रबंधक स्थान तथा संसाधनों का विवरण आसानी से पता लगा सके।



चित्र 4.1 : न्यू आई.डी.आर.एन. पोर्टल को होम पेज

वस्तु सूची जिला स्तर पर संबंधित अनेक विभागों तथा प्रतिक्रिया एजेंसियों से संग्रहित की जाती है। इसका प्रमुख ध्यान किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अपेक्षित उपकरण एवं मानव संसाधन के विवरण और अद्यतन सूचना निर्णयकर्ताओं को तुरंत सुलभ कराने में रहता है। इस डाटाबेस से विशिष्ट आपदाओं हेतु तैयारी के स्तर का आंकलन करने में भी उन्हें सहायता मिलती है। आई.डी.आर.एन. की महत्ता को ध्यान में

रखकर गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम.) को वर्ष 2008 से अनुवीक्षण और अनुरक्षण का उत्तरदायित्व सौंपा गया था।

आई.डी.आर.एन. एक बहुत लाभदायक साधन है क्योंकि यह उपकरण मानक संसाधनों तथा क्रांतिक आपूर्तियों के बारे में आवश्यक सूचनायें प्रदान करता है जो जिला स्तर पर संबंधित विभागों तथा एजेंसियों के पास उपलब्ध होती है। राज्य और जिला प्राधिकारीगण किसी भी आपातकालीन स्थिति के दौरान सभी उपलब्ध संसाधनों की अद्यतन सूचना समय पर प्राप्त करने में आई.डी.आर.एन. का प्रयोग कर सकते हैं। इस तरह से किसी भी आपात स्थिति में जीवन हानि तथा सम्पत्ति की क्षति और अन्य संरचना में कमी करने में अत्यधिक सहायक हो सकता है।

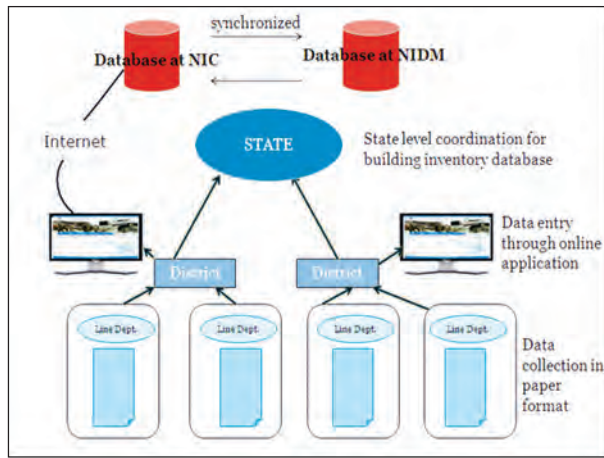
विवरण एवं संचार प्रौद्योगिकी

- इसके स्थान और अन्य विवरण के साथ-साथ विद्यमान मानव संसाधनों एवं उपकरणों की पहचान करना।
- जिला तथा राज्य स्तर पर आकस्मिक योजनाओं तथा आपदा प्रबंधन योजनाओं हेतु संसाधन मानचित्रण करना।
- तैयारी के स्तर का आंकलन करना।

विवरण एवं संचार प्रौद्योगिकी

आई.डी.आर.एन. पोर्टल का केन्द्रीय स्तर पर वर्तमान में अनुवीक्षण तथा अनुरक्षण एन.आई.डी.एम. द्वारा किया जाता है। एन.आई.डी.एम. की भूमिका प्रयोगकर्ता के प्रशासन तक सीमित है। सहायता/राजस्व/आपदा प्रबंधन के राज्य विभाग तथा एस.डी.एम.ए. जिलाधीशों/जिला

कलेक्टरों के साथ आई.डी.आर.एन. पोर्टल में आंकड़ों को अद्यतन करने के संबंध में समन्वय करते हैं। जिलाधीश/कलेक्टर जिला स्तर पर आंकड़ा संग्रहण और अद्यतन की सुविधा प्रदान करने के प्राधिकृत अधिकारी होते हैं। आंकड़ा संग्रहण प्रपत्रों का वितरण जिला कलेक्टर कार्यालय से संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को किया जाता है। एन.आई.डी.एम. के जिला सूचना अधिकारियों की तकनीकी सेवाओं को प्राप्त करके जिला स्तर पर आंकड़ों को दर्ज किया जाता है।

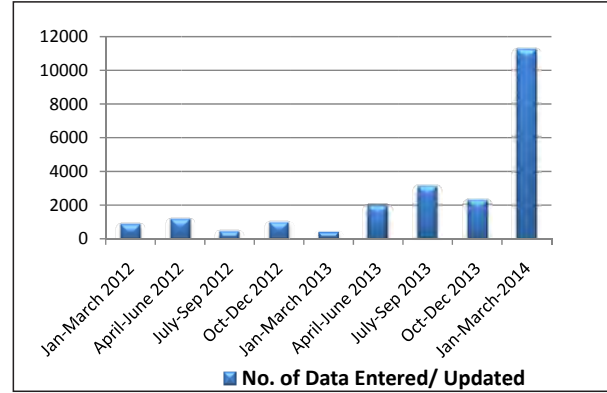


चित्र 4.2 आई.डी.आर.एन. के कार्यों को दर्शाते हुए योजनात्मक रेखाचित्र

2013&14 d nkjku vkb-Mh-vkj-,u- ixfr

आई.डी.आर.एन. पोर्टल ने वर्ष 2013 में तकनीकी विकास के संदर्भ में, जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आंकड़ा अद्यतन करने की स्थिति के बारे में एक नया संवेग प्राप्त किया था। एन.आई.डी.एम. में अप्रैल, 2013 से भारतीय आपदा संसाधन तंत्र पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने लगे थे तथा वर्ष 2013-14 के दौरान 4 क्षेत्रीय पाठ्यक्रम आयोजित किये गये। राहत आयुक्तों के वार्षिक सम्मेलन जैसे राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण मंच में आई.डी.आर.एन. द्वारा स्थान बना लिया था। इसका आयोजन मई, 2013 में राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंच (एन.पी.डी.आर.आर.) के दौरान किया गया था। आई.डी.आर.एन. लोक प्रशासन (ए.पी.पी.पी.ए.) के प्रगतिशील व्यवसायिक कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए और वर्ष 2013

में वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन के दौरान भी प्रस्तुत किया गया है। आई.डी.आर.एन., एन.आई.डी.एम. के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का हिस्सा बन गया है।



चित्र 4.3 मार्च 2.14 तक आंकड़ा अद्यतन की स्थिति दर्शाते हुए बार चार्ट

ie[k miyfc/k;k

- आंकड़ा वृद्धि तथा आंकड़ा अद्यतन के पृथक अंतरा पृष्ठ सहित आई.डी.आर.एन. पोर्टल सृजित किया गया था। पोर्टल में सुधार किया गया है तथा गूगल क्रोम, मोज़िला इंटरनेट अन्वेषक के उच्चतर परिवर्तन आदि जैसे ब्रोशरों के प्रयोग से बढ़ाया जा सकता है। पोर्टल के होम पेज को पुनः डिजाइन करके और अधिक यूज़र फ्रेंडली बनाया गया है। सभी 640 जिलों के लिए जिला पेज बनाये गये हैं।
- सभी राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों से मिलकर इसे पूरा किया गया है तथा यूज़र नाम, पासवर्ड, पेजों के सृजन आदि यूज़र प्रशासनिक मुद्दों का समाधान संभावित श्रेष्ठ सीमा तक किया गया था। सभी राज्य एवं संघ शासित प्रदेश आई.डी.आर.एन. में आंकड़े दर्ज कर रहे हैं। पंजाब, त्रिपुरा, राजस्थान, जैसे राज्यों और पुद्दुचेरी जैसे संघ शासित प्रदेश में सभी जिलों के स्तर आंकड़े अद्यतन किये जा रहे हैं।
- चार आई.डी.आर.एन. क्षेत्रीय कार्यक्रम आयोजित किये गये थे और 129 प्रतिभागियों को यह प्रशिक्षण दिया गया था। इसके अलावा एन.आई.डी.एम. में आयोजित सभी संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आई.डी.आर.एन. पर सत्रों को शामिल किया गया था।

- आई.डी.आर.एन. के भावी विकास के लिए रोड़मैप विकसित किया गया है।

4-2 Hkkjrh; vkink Kku r= %vkb-Mh-d-,u-%

सहयोग, नेटवर्किंग, मानचित्रों, आपात संपर्क सूचना प्रणाली और प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित अन्य बहुत-सी बहुमूल्य सूचनाओं जैसे : संसाधनों और सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। यह ज्ञान का आदान-प्रदान करने और पारस्परिक प्रक्रिया के माध्यम से आपदा प्रबंधन के बारे में सीखने का वातावरण तैयार करने का मंच प्रदान करता है।

4-2-1 mÍ';

आई.डी.के.एन. का लक्ष्य आपदा प्रबंधन ज्ञान और सेवाओं तक पहुँच का सहज उपयोग वाला एकीकृत बिन्दु तैयार करना है। जिससे प्रतिक्रिया त्वरित और उन्नत गुणवत्ता युक्त हो जाये। पोर्टल के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं :-

- आपदा संबंधी सूचना एवं सेवाओं का समेकित स्रोत प्रदान करना। सूचना के विभिन्न खतरों की परिभाषा भौगोलिक फैलाव। भारत की घातकता (राज्य स्तर) तैयारी तथा न्यूनीकरण के उपाय आदि शामिल है।
- आपदा प्रबंधन के बारे में सभी स्तरों पर जागरूकता पैदा करना।



चित्र 4.4 आई.डी. के.एन. के कार्यों को दर्शाते हुए योजनात्मक रेखाचित्र

- ज्ञान साझा करने तथा परस्पर विचार-विमर्श के जरिये आपदा प्रबंधन के बारे में सीखने हेतु वातावरण सृजित करने के लिए मंच प्रदान करना।

4-2-2 vkb-Mh- d-,u- dh orleku fLFkr

ज्ञान तंत्र का प्रारंभ भारत सरकार – यू.एन.डी.पी. आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2004 में हुआ था। गृह मंत्रालय ने वर्ष 2008 में औपचारिक तौर पर पोर्टल को एन.आई.डी.एम. में स्थानांतरित किया था। इसे दक्षिण एशियाई आपदा ज्ञान तंत्र (एस.ए.डी.के.एन.) के क्षेत्रीय ज्ञान तंत्र के साथ जोड़ा गया। जो आपदा जोखिम न्यूनीकरण का वैश्विक मंच मई, 2011 के दौरान किये गये। सार्क आपदा प्रबंधन केन्द्र और आपदा न्यूनीकरण हेतु संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय की संयुक्त पहल है। एस.ए.डी.के.एन. के अंतर्गत भारत के पोर्टल आई.डी.के.एन. के लिए एन.आई.डी.एम. राष्ट्रीय केन्द्रीय बिन्दु है। अब संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर आपदा जोखिम न्यूनीकरण ज्ञान पोर्टल की विकसित करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। स्थल मानचित्र और प्रस्तावित विषय वस्तुओं तथा ज्ञान साझा करने वाले साधनों सहित विस्तृत प्रस्ताव फरवरी, 2014 तक विकसित किया गया। एक बार पूर्ण रूप से कार्यरत पोर्टल संस्थान के विभिन्न विद्यमान आई.सी.टी. पहलों को एकीकृत करेगा।



चित्र 4.5 राष्ट्रीय स्तर आपदा जोखिम न्यूनीकरण ज्ञान पोर्टल कार्यों को दर्शाते हुए योजनात्मक रेखाचित्र

4-3- Hkkjrh; vrfj{k vu|l/kku lxBu %bljk% d; vkink çc/ku lg;kx dk;Øe d; vrxir çrh;eku futh uVofdix

आईएसआरओ का आपदा प्रबंधन सहयोग (डीएमएस) कार्यक्रम देश में आपदाओं के कुशल प्रबंधन के लिए प्रतिविबन और संप्रेषण दोनों ऐरो-स्पेस प्रणालियों से यथा समय सहयोग और सेवाएं प्रदान करता है। डीएमएस कार्यक्रम बाढ़, चक्रवात, सूखा, जंगल की आग, भूस्खलन और भूकंप जैसी आपदाओं को संबोधित करता है। इनमें खतरे के क्षेत्रीकरण, हानि के मूल्यांकन आदि को एरियल डाटा के उपयोग से बड़ी प्राकृतिक आपदाओं की मानीटरिंग; निर्णय सहयोग हेतु समुचित तकनीकों और उपकरणों का विकास उपग्रह आधारित विश्वसनीय संप्रेषण तंत्र स्थापित करना, आपदाओं की पूर्व चेतावनी के लिए आपात संप्रेषण उपस्करों को लगाना तथा आर एंड डी।

आपात प्रबंधन गतिविधियों के लिए आपात संप्रेषण प्रदान करने, तथा गृह मंत्रालय के आदेश पर आईएसआरओ ने गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय नियंत्रण कक्ष को एनआरएससी



चित्र 4.6 एन आर एस सी के डी एम एस के साथ में
विडियोकॉन्फ्रेंसिंग

के डीएमएस-डीएमसी, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एजेन्सियों, दिल्ली में प्रमुख सरकारी कार्यालयों और 22 बहु-खतरा संभावित राज्यों नियंत्रण कक्षों के साथ जोड़ते हुए उपग्रह आधारित प्रतीयमान निजी तंत्र (वीपीएन) स्थापित किया है। एनआईडीएम में वीपीएन का प्रशिक्षण केन्द्र 2006 से स्थापित किया गया है तथा एनआईडीएम में पिछले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान एनआरएससी, जीएसआई, आईएनसीओआईएस आदि जैसी एजेन्सियों से मेल-जोल के लिए सुविधाओं का उपयोग किया गया है।

अध्याय 5

प्रलेखन और प्रकाशन

सूचना को संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोग करने वाला संसाधन माना जाता है। सूचना का महत्व इसके प्रभावी प्रबंधन के जरिये एक परिसंपत्ति के रूप में अधिकतम हो जाता है। एन.आई.डी.एम. का एक अर्थ यह है कि संस्थान की प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों के समर्थन के लिए आपदा प्रबंधन और विकास संबंधित सूचना का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए अनवरत आधार पर समन्वित प्रयास किया जाए। एन.आई.डी.एम. पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सेवायें इस प्रकार हैं –

- अधिग्रहण कार्य
- संदर्भ और संदर्भित कार्य
- परिचालन कार्य
- पत्रिका कार्य
- पुस्तकालय स्वचालन
- फोटो कापी कार्य

5-1 निम्नलिखित कार्य

एन.आई.डी.एम. के पुस्तकालय का विस्तार हो रहा है। यह संस्थान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सरकार, अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आपदा और विकास तथा संबंधित पहलुओं पर प्रकाशित साहित्य तथा व्यवसायिक रूप से प्रकाशित साहित्य का संग्रह करने के लिए विशेष प्रयास करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय में कुल 1897 पुस्तकें और अन्य दस्तावेज प्राप्त किये गये थे। अधिकांश पुस्तकें डी.ई.एल. एन.ई.टी. (दिल्ली पुस्तकालय नेटवर्क) पर अपलोड की गयी हैं।

कुल= 1897

समीक्षाधीन अवधि के दौरान एन.आई.डी.एम. ने आपदा, पर्यावरण एवं विकास और संबद्ध पहलुओं से संबंधित,

भारतीय और विदेशी दोनों तरह की 18 पत्रिकाओं की सदस्यता ली है। एन.आई.डी.एम. विनिमय तथा सम्मानार्थ आधार पर एक जर्नल प्राप्त करता है तथा भिन्न प्रकारों के 9 समाचार पत्रों के लिए अंशदान किया है।

1. निम्नलिखित कार्य

एन.आई.डी.एम. दृश्य-श्रव्य सामग्री की महत्ता को ई-सूचना के स्रोत के रूप में समझ रहा है तथा सी. डी. रॉम तथा विडियो कैसेट्स के संग्रहण को बढ़ा रहा है। इस मौजूदा वर्ष में एन.आई.डी.एम. ने पुस्तकालय के संग्रहण में 6 सी.डी. रॉम जोड़ी है।

तालिका 5.1 अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014 तक पुस्तकालय के सांख्यिकी आंकड़ें

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1	31.3.2014 की कुल स्थिति (पुस्तकें, बच्चों की पुस्तकें, सजिल्द पत्रिकाएँ, विडियो तथा सी.डी. सहित)	2014
2	वर्ष की समाप्ति के दौरान पुस्तकों का कुल ग्रहण	143
3	पत्रिकाओं को अंशदान	05
4	विनिमय आधार पर प्राप्त पत्रिकाएँ	02
5	मुफ्त सूचना पत्र	10
6	अंशदायी समाचार पत्रों की संख्या	09
7	अंशदायी प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या	12
8	अंतर्पुस्तकालय ऋण	03
9	अनुसंधान अध्येताओं द्वारा पुस्तकालय में आगमन	180
10	डी.ई.एल.एन.ई.टी. (दिल्ली पुस्तकालय नेटवर्क) पर अपलोड की गयी पुस्तकों की संख्या	1800

5-2 1puk dk i1kj

संस्थान का अधिदेश है कि आपदा एवं विकास संबंधी सूचना का प्रसार किया जाए। अधिदेश पूरा करने के लिए यह संस्थान नियमित रूप से द्विवार्षिक पत्रिका, तिमाही सूचना पत्र अनुसंधान की महत्वपूर्ण खबरें तथा पाठ्यक्रम मॉड्यूल, सेमिनारों और कार्यशालाओं की सिफारिशों तथा आपदा विकास आंकड़े प्रकाशित करता है। ये प्रकाशन ठोस सत्यों पर फीडबैक प्रदान करने में नीति निर्धारण करने वालों की सहायता करते हैं। आपदा विकास कार्यक्रमों को बेहतर आयोजन और प्रबंध के लिए सुझाव और दिशा-निर्देश देते हैं।

5-2-1 if'k{k.k ekM;y vkj iLrd

वर्ष 2013-14 के दौरान 13 प्रशिक्षण मॉड्यूल तथा पुस्तकें प्रकाशित की गयी। मॉड्यूलों, पुस्तकों तथा अन्य विकसित प्रकाशनों का विस्तृत विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

5-2-1-1 ,uvkbMh,e }kjk idkf'kr if'k{k.k ekM;y

1- ?kVuk vufØ;k i.kkyyh % ykfttLVd vufkkx

,u-vkb-Mh-,e/ 2014

प्रभावकारी अनुक्रिया प्रबंधन के लिए लॉजिस्टिक अनुभाग सभी लॉजिस्टिक मदद प्रदान करता है। एल.एस. की विभिन्न शाखाओं के तहत ईकाइयाँ न केवल विभिन्न "प्रकार" और "तरह" के संसाधनों की आपूर्ति करने के लिए उत्तरदायी है बल्कि घटना आधार, कैम्प, आई.सी.पी. और सहायता कैम्प आदि जैसी विभिन्न सुविधाओं को स्थापित करने के लिए भी उत्तरदायी है। यह अनेक संबंधित सरकारी विभागों और अन्य एजेंसियों के शामिल होने को आवश्यक बनाता है। इसे प्रशासन के उच्चतम स्तर पर उचित तथा सुचारु समन्वय की आवश्यकता होगी। वित्तीय कार्यों में शामिल है— एक घटना के सभी वित्तीय पहलुओं की व्यवस्था, यथा अनुरोधित वित्तीय और लागत विश्लेषण प्रदान करना, वित्तीय भाखा के लिए परिचालक योजना विकसित करना, आपूर्ति तथा सहायक आवश्यकताओं को भरना, एजेंसी प्रशासन मुख्यालयों के साथ वित्त/प्रशासन मामलों पर

प्रतिदिन संपर्क स्थापित करना, यह सुनिश्चित करना कि सभी कार्मिक द्वारा समय अभिलेखों को सही-सही पूर्ण किया जाता है तथा नीति के अनुसार गृह एजेंसियों को अंतरित किया जाता है तथा सैन्य-विनियोजन योजना के लिए वित्तीय निवेश प्रदान करता है।

2- ?kVuk vufØ;k vufkkx % ifjpkyy vufkkx

,u-vkb-Mh-,e- 2014

परिचालन अनुभाग प्रधान की स्थापित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सुरक्षित एवं प्रभावकारी ढंग से घटना कार्य योजना को कुशलतापूर्वक कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी होती है। रणनीतियों के संपादन में ओ.एस.सी. आपात स्थिति को कम करता है अथवा नियंत्रित करता है और आपातकालीन अनुक्रिया के प्राथमिक मिशन को पूरा कर रहे हैं। परिचालन अनुभाग प्रधान को नेता, प्रबंधक, समन्वयक तथा इन सभी से अत्यधिक महत्वपूर्ण उसे उत्कृष्ट योजनाकार होना चाहिए। आपातकालीन कार्यकर्ताओं की प्रभावकारी और सम्माननीय नेतृत्वता ही ओ.एस.सी. की प्रमुख भूमिका होती है। सर्वश्रेष्ठ ओ.एस.सी.ज सकारात्मक उदाहरण तथा दल खिलाड़ी होने के अंतर्गत नेतृत्व करेंगे। कार्यकर्ताओं द्वारा अपने ओ.एस.सी. के उदाहरणों का अनुसरण किया जाता है तथा अपने प्रधान द्वारा प्रेरणा प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त ओ.एस.सी. को सभी प्रकार के संसाधनों की प्रभावकारी ढंग से व्यवस्था तथा समन्वय करना चाहिए। भले ही उनकी संख्या सैकड़ों में हो। ओ.एस.सी. न केवल आपातकालीन कार्यकर्ताओं का पर्यवेक्षण अथवा नेतृत्व करता है बल्कि भावी परिचालनात्मक अवधि के लिए युक्तिपूर्ण गतिविधियों के लिए भी योजना बनानी चाहिए। यह कार्य बड़ा ही जटिल तथा लगे रहने वाला है। इसके अलावा ओ.एस.सी. को मितव्ययी, मंहगे करदाता — समर्थित संसाधनों का लागत प्रभावी प्रबंधक भी होना चाहिए।

3- ?kVuk vufØ;k i.kkyyh % ,dhdr ;ktuk vufkkx i/kku

,u-vkb-Mh-,e- 2014

योजना घटना अनुक्रिया प्रणाली में बहुत महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्य होता है चूंकि प्रभावकारी परिचालन और

समग्र अनुक्रिया के लिए उचित आयोजन प्रक्रिया अत्यंत अनिवार्य होती है। यह घटना उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए घटना प्रबंधन दल को सहायता करती है। अपनी अनुक्रिया प्रणाली के भीतर इसके एकीकरण के लिए घटना समादेश प्रणाली का विश्लेषण करते समय, उचित अनुकूलन के साथ योजना अनुभाग परम हित के साथ लिया गया था चूंकि घटनाओं की हमारी अनेक अनुक्रिया में, विस्तृत योजना तंत्र सभी उदाहरणों में विद्यमान नहीं होता है तथा यह जटिल घटनाओं के मामलों में विशेष रूप से बहुत क्रांतिक हो जाती है। आई.आर.एस. हेतु पाठ्यक्रमों तथा प्रशिक्षण रणनीतियों को विकसित करते समय अनुकूलन का प्रथम स्तर ऐसे एकीकृत पाठ्यक्रम का स्वयं विकास होता है। सामान्य तौर पर, मौलिक प्रणाली में, योजना अनुभाग में चारों ईकाइयों जैसे – संसाधन इकाई, स्थिति इकाई, सैन्य विनियोजन इकाई एवं प्रलेखन इकाई के लिए अलग पाठ्यक्रम होते हैं तथा उनके पूरा होने पर, एक योजना अनुभाग पाठ्यक्रम को ग्रहण करता है। हमारी अवस्थाओं तथा व्यवहारिक समय-सीमा को प्राप्त करने हेतु इन पाठ्यक्रमों का लम्बाई को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय किया गया है कि सामग्रियों को पुनर्व्यवस्थित किया जाए, अतिछादन को कम करना (यदि इन पाठ्यक्रमों को समय के विभिन्न केन्द्रों में पृथक रूप से चलाया जाता है तो यह अनिवार्य होगा) तथा एक एकीकृत पाठ्यक्रम को विकसित किया जाए। इस प्रकार, इसे एकीकृत योजना अनुभाग पाठ्यक्रम कहा जाता है जिसमें I. योजना अनुभाग प्रधान, II. संसाधन इकाई नेता, III. स्थिति इकाई अगुवा, IV. सैन्य विनियोजन इकाई अगुवा, V. प्रलेखन इकाई अगुवा। नेता जैसे उप-पाठ्यक्रमों को शामिल किया जायेगा।

4- ?kVuk vufØ;k i.kkyyh % ikFkfed vkj ek/;fed

y/[kd% , u-vkb:Mh-, e- 2014

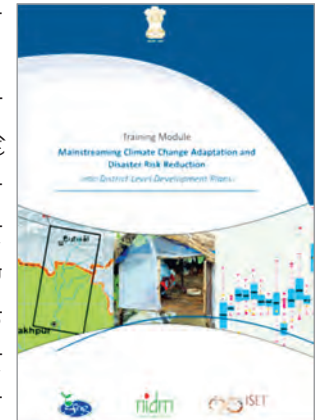
आई.आर.एस. मोटे तौर पर एक प्रबंधन प्रणाली है जिसका उपयोग भूकंपों, बाढ़ों, चक्रवातों, भूस्खलनों आदि अथवा रेल दुर्घटनाओं तथा महामारियों के कारण हुई आपात स्थिति जैसी विभिन्न प्रकारों तथा आकारों की घटनाओं के लिए किया जाता है। यह प्रणाली विभिन्न कार्यों, कामों और स्टाफों को समग्र अनुक्रिया प्रक्रिया के भीतर आयोजित

करने हेतु अवसर देती है। जब शामिल विभिन्न संगठनों के बीच बेहतर समन्वय और संप्रेषण पर जोर देती है। एक प्रणाली के रूप में आई.सी.एस. प्राकृतिक और मानव-सृजित आपात स्थितियों/घटनाओं के किसी भी पैमाने के माफिक होने के लिए लोचदार एवं अनुकूलनीय है। यह सड़क और रेल दुर्घटनाओं जैसी नेमी आपातस्थितियों के लिए और दीर्घ, जटिल, बहुअधिकार क्षेत्रीय आपदाओं के लिए लाभदायक हो सकती है।

5 tyok;/ ifjorü vudyu vkj vkink tkf[ke U;uhdj.k dk ftyk Lrj fodkl ;ktukvk d; Hkhrj e[; /kkjk e; ykukA

लेखक: अनिल कुमार गुप्ता, श्रीजा एस. नायर, शिराज ए वजीह, भाशिकांत चोपडे, गौतम गुप्ता एवं गरिमा अग्रवाल – 2014

यह मॉड्यूल जिला विकास योजनाओं के भीतर सी.सी.ए. तथा डी.आर.आर. को एकीकृत के जरिये ओर अधिक समग्र लोचदार निर्माण प्रक्रिया से राहत और आपदा केन्द्रित दृष्टिकोणों से दूरी बनाये रखने के लिए व्यवहारिक अवसर प्रदान करता है। यह प्रशिक्षण संहिता प्रशिक्षक

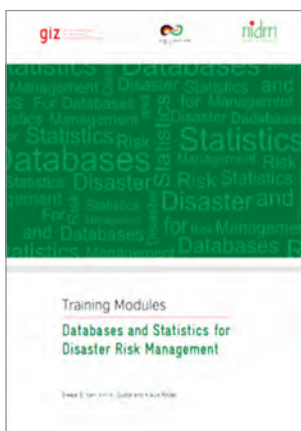


को सक्षमता अंतरालों को दूर करने में निरंतर प्रक्रिया के द्वारा दिशानिर्देश दे सकेगी। यह डी.आर.आर. और सी.सी.ए. के क्षेत्र में प्रमुख और उद्गामी संकल्पनाओं का स्वच्छ रूप में उल्लेख करता है जिनमें एशियाई शहरों की जलवायु परिवर्तन लचीला तंत्र (ए.सी.सी.सी.आर.एन.) कार्यक्रम एवं सी.डी.के.एन. स्टार्ट के तहत 10 शहरों से प्राप्त साक्ष्यों और अनुभवों पर आधारित जलवायु लोचदार ढाँचा शामिल है। विशिष्ट तौर पर, संहिता गोरखपुर जिले के व्यवहारिक संदर्भ में घातकता के मुख्य तत्वों को प्रथम वृद्धि समक्ष हेतु विभिन्न विभागों के साथ साझी शिक्षार्जन के पुनर्वृत्तीय प्रक्रिया का सावधानीपूर्वक प्रयोग के द्वारा सी.आर.एफ. को प्रयोग में लाने को प्रस्तुत करती है।

6 *vkink tkf[ke ic/ku d fy, MkVkc1 vkj l kf[; dh*

लेखक : श्रीजा एस. नायर, अनिल कुमार गुप्ता, क्लोस रॉडर 2013

इस मॉड्यूल को एन.आई.डी.एम. तथा जी.आई.जैड, जर्मनी के एन.आई.डी.एम.—जी.आई.जैड.ई.के.डी.आर.एम. परियोजना के अंतर्गत विकसित किया गया है। मॉड्यूल विस्तृत रूप से खतरों, आपदा और संसाधन डाटाबेसों के विभिन्न पहलुओं पर और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के



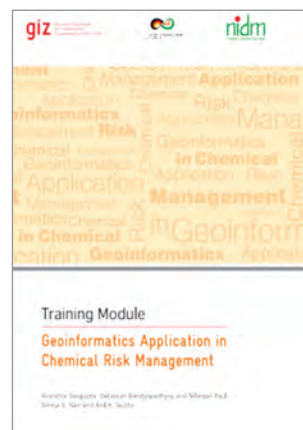
विभिन्न चरणों हेतु सूचनाओं की पहुँच, मिलान और उपयोग हेतु अपनाये जाने वाले तरीकों को शामिल करता है। इस मॉड्यूलों का उद्देश्य डाटा उत्पादकों तथा उपभोक्ता समुदायों के बीच सहक्रिया को बढ़ाना है। एन.आई.डी.एम. में 2010-13 के दौरान प्रत्यक्ष प्रशिक्षण, समिश्रित प्रशिक्षण तथा टी.ओ.टीज कार्यक्रमों के दौरान प्रशिक्षण मॉड्यूलों की परख की गई है। इस प्रलेख में चार मॉड्यूल तथा 13 शिक्षार्जन इकाइयों में शामिल है। मॉड्यूल "ए" आपदा डाटा और सांख्यिकी संकल्पनाओं और आपदा जोखिम प्रबंधन में इसके अनुप्रयोग की प्रस्तावना प्रदान करता है। मॉड्यूल "बी" सांख्यिकीय परिभाषिक शब्दावली एवं तरीकों जैसे— केन्द्रीय प्रवृत्ति विसर्जन के उपायों आदि से परिचय कराता है। मॉड्यूल "सी" आपदा जोखिम प्रबंधन हेतु पिछली और प्राचीन आपदाओं की सांख्यिकीय सूचना के उपयोग के लिए है। मॉड्यूल "डी" आपदाओं के कारणों एवं प्रभावों को समझने के लिए है।

7 *jl k;fud vkink ic/ku e Hk&lpuk foKkuh; vuji; kx*

लेखक : आनन्दिता सेनगुप्ता, देबंजय भट्टाचार्य, निलंजन पॉल, श्रीजा एस. नायर और अनिल कुमार गुप्ता 2013

रसायनिक जोखिम प्रबंधन हेतु "भू-सूचना विज्ञानीय अनुप्रयोग" विषयक प्रशिक्षण मॉड्यूल का उद्देश्य खतरनाक

रसायनिक उद्योगों तथा भंडारण सुविधाओं से प्रोद्भूत (मूलरूप से) जोखिमों के प्रबंधन के लिए भौगोलिक सूचना विज्ञान (जी.आई.एस.) तथा दूर संवेदी (आर.एस.) के अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करने हेतु सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक निवेशों को प्रदान करना है। "रसायनिक आपदा प्रबंधन



न पर भू-सूचना विज्ञानीय अनुप्रयोग" विषयक मॉड्यूल का विकास एन.आई.डी.एम. की संकाय द्वारा किया गया है, इसमें एस.ई.एन.ई.एस. परामर्शी इंडिया और भू-सूचना विज्ञान एवं भू-पर्यवेक्षण, इंडो-जर्मन सहयोग परियोजना ई.के.डी.आर.एम. के तहत ट्वन्टे विश्वविद्यालय नीदरलैंड भी शामिल थे। इस मॉड्यूल को 6 शिक्षार्जन इकाइयों में संगठित किया गया है। शिक्षार्जन इकाई—1 में भू-सूचना विज्ञान के अनुप्रयोग तथा रसायनिक आपदा प्रबंधन से परिचय कराना है; शिक्षार्जन इकाई—2 भू-सूचना विज्ञान के बुनियादों से संबंधित, शिक्षार्जन इकाई—3 भू-सूचना विज्ञानीय के उपयोग पर बल देते हुए रसायनिक जोखिम प्रबंधन के लिए विनियामक तथा संस्थागत ढाँचा पर केन्द्रित है, शिक्षार्जन इकाई—4 भारत तथा यूरोप से उदाहरणों सहित रसायनिक जोखिम प्रबंधन का विवरण प्रदान करती है, शिक्षार्जन इकाई—5 रसायनिक आपातस्थिति प्रबंधन और भू-सूचना विज्ञानीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर केन्द्रित है तथा शिक्षार्जन इकाई—6 जोखिम भावुक भूमि उपयोग योजना के बारे में है। इस मॉड्यूल में रसायनिक जोखिम प्रबंधन में उपयोग आने वाले विभिन्न भू-सूचना विज्ञानीय उपकरणों का समय-समय पर नजारा दिखाने के साथ प्रशिक्षण संहिता पर विस्तृत प्रभाव रखता है। यह मॉड्यूल तब से अत्यधिक लाभदायक रहा है जब से प्रयोग मैत्रीपूर्ण का उपयोग करके सभी कौशल युक्त प्रशिक्षण संहिता विकसित किये गये हैं इसमें खुला स्रोत एवं क्वांटस सी.आई.एस., एलोहा, मारक्लोट तथा गूगल अर्थ जैसे व्यापक प्रयोग किये सॉफ्टवेयर भी शामिल है।

8 f0fVdy bYkLVDpj rFkk vkink tkf[ke U;uhdj.k

लेखक : क्लोडिया बैच, अनिल कुमार गुप्ता, श्रीजा एस. नायर तथा जॉर्न बर्कमान 2013

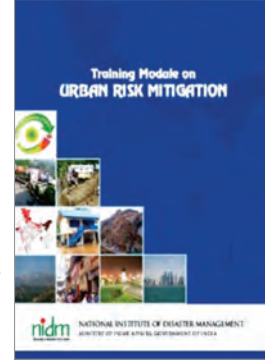
यह मॉड्यूल एन.आई.डी.एम. – जी.आई.जैड, एन.आई.डी.एम. के ई.के.डी.आर.एम. परियोजना के तहत विकसित किया गया है। इसमें संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय एवं इफेनॉस जर्मनी के पर्यावरण तथा मानव सुरक्षा संस्थान भी शामिल रहा है। यह मॉड्यूल क्रांतिक संरचना (सी.आई.ज) के आपदा जोखिम न्यूनीकरण से परिचय कराता है तथा सी.आई. घातकता के प्रमुख मुद्दों का सिंहावलोकन करता है। मॉड्यूल की संरचना तीन शिक्षार्जन इकाइयों में की गयी है – (1) शिक्षार्जन इकाई “क” : क्रांतिक संरचना को समझना (2) शिक्षार्जन इकाई “ख” : आपदाओं हेतु क्रांतिक संरचना की घातकता तथा (3) शिक्षार्जन इकाई “ग” : सी.आई. घातकता आंकलन की विधियाँ। शिक्षार्जन इकाई क क्रांतिक संरचनाओं की परिभाषाओं से संबंधित है। इस क्षेत्र की ससंगतता को रेखांकित करता है तथा सी.आई. घातकता हेतु संकेतकों के प्रथम उदाहरण प्रदान करता है। शिक्षार्जन इकाई ख प्राकृतिक जोखिम तथा सी.आई.ज या विशिष्ट प्रभावों पर निकट दृष्टि प्रदान करता है, शिक्षार्जन इकाई ग में घातकता आंकलन हेतु संकल्पना प्रस्तुत की जाती है तथा उस पर चर्चा की जाती है। इसके अलावा भारत हेतु सी. आई. घातकता की संगतता विशेष रूप से परिप्रेक्ष्य में लायी गयी है। मॉड्यूल में क्रांतिक संरचना के महत्वपूर्ण घटकों की विविधता को शामिल किया गया है जो संकट विशिष्ट आंकलन उदाहरणों सहित विभिन्न क्षेत्रों की अंतर्निर्भरताओं के कारण स्वतः ही जटिल विषय हो गया है तथा कुछ संभावित अनुकूलन रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इस सबके ऊपर इस प्रकाशन से तात्पर्य संरचना सेवाओं तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में उनका विचार की महत्ता का प्रथम सिंहावलोकन प्रदान करना है। ऐसा संभावित आंकलन विधियों तथा ढाँचों को प्रस्तुत करते समय होता है।



9 'kgjh tkf[ke U;uhdj.k

लेखक : चन्द्राणी बंधोपाध्याय

शहरी जोखिम न्यूनीकरण पर प्रशिक्षण मॉड्यूल शहरी क्षेत्रों में आपदा जोखिमों के विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित है। शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का संकेन्द्रीकरण, आर्थिक गतिविधियों, निर्माण गतिविधियों तथा नेटवर्कों जैसे घटकों से आपदाओं से जोखिम में बढ़ोतरी होती है और उस समय ये घटक आपदाओं को बढ़ाने में सहायक होते हैं। प्रशिक्षण मॉड्यूल का उद्देश्य शहरी जोखिम तथा उनके न्यूनीकरण में विशिष्ट मुद्दों पर ध्यान देना है। पाँच दिवसीय पूर्णकालिक कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शहरी जोखिम तथा उनके न्यूनीकरण के प्रमुख कारकों की ओर उन्मुख किया जाता है।



5-2-1-2 ,u-vkb:Mh-,e- }kjk idkf'kr iLrdi

Hkkjr ei vk/k in'k vkj rfeyukM ei vkink tkf[ke U;uhdj.k nf'Vdk.k d t f j ; t y o k ; y k p d r k d k l n < d j u k & v u h k o r F k k l c d

लेखक : अनिल कुमार गुप्ता, श्रीजा एस. नायर, स्वाति सिंह, आशिश चतुर्वेदी, रचना अरोड़ा, मनजीत सिंह सलुजा, निकिता मुंद्रा तथा हैक मेवास 2014

यह तकनीकी दस्तावेज आपदा प्रबंधन तथा एडेप्ट कैम्प का जोखिम न्यूनीकरण योजना ढाँचा सहित सी.सी.ए. एकीकरण के प्रायोगिक कार्यान्वयन पर आधारित है जो एन.आई.डी.एम. के साथ संयुक्त रूप से तैयार किया गया है। राष्ट्रीय तथा स्थानीय विकास नीतियों तथा योजनाओं के भीतर जलवायु एकीकृत करने के मुद्दे, जो



स्थानीय, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तरों पर गतिविधियों को जोड़ते हैं और ऊपर से नीचे एवं नीचे से ऊपर गति विज्ञान का प्रयोग करते हैं।

4- Hkj r vkink fjikVI 2012

लेखक: के.जे. आनंद कुमार और अजिन्दर वालिया

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम) ने भारत आपदा रिपोर्ट शीर्षक के तहत 2011 में प्रमुख आपदाओं पर प्रलेखन करने की प्रक्रिया प्रारंभ की थी। भारत आपदा रिपोर्ट, 2012 के प्रलेखन समय-समय पर संग्रहित किये गये ऐसे प्राथमिक तथा माध्यमिक आंकड़ों पर आधारित है।



आई.डी.आर. 2012 में आपदाओं के कारणों तथा प्रभावों, प्रभावित क्षेत्रों का विश्लेषण अनुक्रिया तथा पुनर्वास तथा इन आपदाओं से अर्जित सबक शामिल है। 6 जनवरी, 2014 को इसके जारी होने से यह अपेक्षा की जाती है कि आपदा तथा इसके विश्लेषण के संकलन के इन प्रयासों से मूल्यवान सूचना तथा आपदा के घटित होने के सुझावों तथा समाज पर उनके प्रभावों के संबंध में जानकारी प्राप्त होगी जिसका भविष्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए उपयोग किया जा सके।

5-2-2 lpuk i= %U;t yVj½

एन.आई.डी.एम. सूचना पत्र “टाइडिंग्स” तैमासिक प्रकाशन है। इसमें विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, समेनारों तथा कार्यशालाओं की अनुशंसाओं पर प्रकाश डाला जाता है जिनका आयोजन एन.आई.डी.एम. द्वारा नियमित रूप से किया



जाता है। अगले दो माह के लिए अनुसूचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अग्रिम प्रचार करने के अलावा, सूचना पत्र में संकाय विकास, सफल कहानियां, दौरों तथा प्रतिनिधि मण्डलों आदि की सूचनाएं शामिल होती है। इस माध्यम के जरिये, एन.आई.डी.एम. नियमित रूप से राज्य एटी आईन, शैक्षणिक संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों तथा एन.जी.ओं. के साथ सम्पर्क में रहता है। 2004 में सूचना पत्र के प्रथम संस्करण के जारी होने से लेकर अब तक 41 संस्करण प्रकाशित हो गये हैं। सूचना पत्र के चार संस्करण अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014 तक वर्ष के दौरान प्रकाशित किये गये।

5-2-3 tuly rFkk if=dk,½

इस संस्थान द्वारा द्विवार्षिक जर्नल आपदा एवं विकास शीर्ष से प्रकाशित किया जाता है। इस जर्नल के प्रथम संस्करण का विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 29 नवम्बर, 2006 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री, डा. मनमोहन सिंह द्वारा प्रथम भारतीय आपदा प्रबंधन कांग्रेस के उद्घाटन समारोह के दौरान विमोचन किया गया था। तब से लेकर, यह जर्नल एन.आई.डी.एम को अग्रणी शैक्षणिक प्रकाशनों में से एक बन गया है। भारत के साथ अन्य देशों से संबंधित आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुये एन.आई.डी.एम. ने नौ अंक पहले ही प्रकाशित कर दिये गये हैं।

5-2-4 ekfld if=dk %viMVI½

एन.आई.डी.एम. पिछली गतिविधियों को अद्यतन करता रहता है जिसमें मासिक पत्रिका के जरिये नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यशाला, सेमिनार, क्षेत्रीय दौरे तथा सभी अन्य गतिविधियां शामिल हैं। अगले महीने के लिए अनुसूचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अग्रिम प्रचार करने के अलावा मासिक पत्रिका में संकाय विकास, सफल कहानियां, दौरों तथा प्रतिनिधि मण्डलों आदि की सूचनाएं अद्यतन करता है। इस माध्यम के जरिये एन.आई.डी.



एम. राज्य एटी आईज, शैक्षणिक संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों तथा एन.जी.ओज के साथ नियमित सम्पर्क रखता है। यह गतिविधियों अक्टूबर, 2013 में प्रारंभ की गयी थी तथा वर्ष के दौरान एन.आई.डी.एम. ने 6 मासिक पत्रिकाओं को प्रकाशित किया। वेबसाइट को नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है तथा <http://nidm.gov.in/mupdate.asp> से अपलोड किया जा सकता है।

5-3 1puk f'k{kk vkj lii"r.k.k %vkb| b| l h% l kexh

संस्थान को आपदा तथा विकास पर सूचना का प्रसार करने का अधिदेश है। अधिदेश के पालन में संस्थान नियमित रूप से द्विभाषी जर्नल निकालता है, एक त्रैमासिक समाचार पत्र, अनुसंधान प्रकाशन तथा पाठ्यक्रम मॉड्यूल, सेमिनारों तथा कार्यशालाओं की अनुशंसाओं को भी निकालता है। इन प्रकाशनों से नीति निर्माताओं को सच्चाईयों पर प्रतिक्रिया प्रदान करने में आपदा और विकास कार्यक्रमों के बेहतर आयोजन और प्रबंधन हेतु सुझाव तथा दिशा निर्देश प्रदान करने में सहायता करता है। विभिन्न आपदाओं एवं उनके प्रबंधन पर सूचना तथा जागरूकता पैदा करने के लिए एन.आई.डी.एम. नियमित रूप से विभिन्न जागरूकता पैदा करने वाली गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के साथ-साथ आई ई सी सामग्रियों के साथ आगे बढ़ता है। ये उपकरण एन.आई.डी.एम. की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा <http://nidm.gov.in/iec.asp> पर किया जा सकता है। एन.आई.डी.एम. द्वारा विकसित आई.ई.सी. सामग्री का उपयोग स्वतंत्रता पूर्वक आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न हितधारकों द्वारा किया जा सकता है तथा व्यापक प्रचार के लिए विभिन्न भाषाओं में उसका अनुवाद किया जा सकता है। एन.आई.डी.एम. द्वारा विकसित जागरूकता सामग्री का विवरण निम्नानुसार है:

5-3-1 foKflr

1- ,u-vkb-Mh-,e foKflr %fgUnh e%

ईशितहार में संस्थान के बारे में संक्षिप्त सूचना इसका प्रबंधन ढांचा, लक्ष्य एवं संस्थान का मिशन इसके कार्य

प्रशिक्षण के प्रकार तथा एन.आई.डी.एम. की विभिन्न अन्य गतिविधियों के संबंध में सूचना शामिल है। विज्ञप्ति हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है।

2- y& l j{kk @ l |>ko %vixith vkj fgUnh e%

ईशितहार में लू के दौरान करने तथा न करने वाले सुरक्षा उपाय शामिल है। विज्ञप्ति हिन्दी या अंग्रेजी में चित्र सहित उपलब्ध है। समय – समय पर एन.आई.



डी.एम. द्वारा आयोजित विभिन्न जागरूकता अभियान में प्रचारित तथा कभी – कभी देशी भाषा में प्रकाशित समाचार पत्रों में भी प्रचारित।

3- 'khr ygj: %l j{kk l |>ko%

ईशितहार में शीतलहर के संबंध में करने तथा न करने संबंधी सुरक्षा सुझाव शामिल है। हिन्दी व अंग्रेजी के साथ – साथ चित्र भी उपलब्ध है। समय – समय पर



एन.आई.डी.एम. द्वारा आयोजित विभिन्न चेतना अभियान के दौरान तथा कभी कभी प्रकाशित होने वाले देशी भाषा के समाचार पत्रों में प्रचार किया जाता है।

4- ck< l j{kk l |>ko

ईशितहार में बाढ़ सुरक्षा से संबंधित करने और न करने संबंधी सुरक्षा सुझावों के साथ ही चित्र भी दिये जाते हैं। व्यापक प्रचार के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध है। एन. आई डी एम द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न चेतना अभियान में तथा देशी भाषा में कभी – कभी प्रकाशित समाचार पत्रों में भी प्रचार किया जाता है।



5- Hkdi l j {kk l |>ko 1 ,o 2

हिन्दी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध ईशितहार में चित्र के साथ – साथ हिन्दी एवं अंग्रेजी में करने तथा न करने संबंधी सुरक्षा सुझाव दिये गये हैं। ईशितहार को दो भागों में विस्तृत रूप में भूकंप से पहले भूकंप के दौरान तथा आपदा के बाद तैयार किया गया है। एन.आई.डी.एम द्वारा समय – समय पर आयोजित चेतना अभियान तथा देशी भाषाओं में कभी – कभी प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों में भी प्रचार किया जाता है। इस ईशितहार को स्कूल सुरक्षा के लिए विशेष तौर पर तैयार किया गया है तथा स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्कूलों में इसे वितरित किया जाता है।



6- vkx l l j {kk l |>ko

हिन्दी एवं अंग्रेजी में उपलब्ध ईशितहार में आग के खतरों से बेहतर ढंग से अवगत कराने के लिए करने तथा न करने संबंधी सुरक्षा सुझावों को शामिल किया गया है। एन.आई.डी.एम द्वारा आयोजित विभिन्न चेतना अभियान में तथा कभी-कभी देशी भाषाओं में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों में प्रचार किया जाता है।



7- Ldy ei vkx l l j {kk gr dju vFkk u dju d ckj ei

स्कूल में आग रूपी आपदा से बचाव के लिए करने तथा न करने संबंधी विस्तृत सूचना दर्शाने वाला इशितहार हिन्दी में चित्र सहित उपलब्ध होता है। एन.आई.डी.एम. द्वारा आयोजित विभिन्न चेतना अभियान में तथा कभी – कभी देशी भाषाओं में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों में भी प्रचारित किया जाता है।



8- vkb-Mh-vkj-,u- bf' rgkj

भारतीय आपदा संसाधन नेटवर्क (आई.डी.आर.एन.), वैब आधारित सूचना प्रणाली उपकरणों की वस्तु सूची, कुशल मानव संसाधनों और आपातकालीन अनुक्रिया हेतु क्रान्तिक आपूर्ति का प्रबंधन करने के लिए एक मंच है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से जूझने हेतु अपेक्षित उपकरणों तथा मानव संसाधनों की उपलब्धियों पर उत्तर जानने के लिए निर्णयकर्त्ताओं को समर्पित करने पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया जाता है। इस डाटा बेस से उन्हें विशिष्ट धातकता हेतु तैयारी के स्तर को आंकलित करने में सहायता प्राप्त होगी। ईशितहार में नेटवर्क, आवश्यकता तथा उद्देश्यों ढांचा और उपयोग के संबंध में विवरण शामिल है।



9- Ldy d Nk=kk gr vkink ic/ku ij f0;k dyki ifLrdk

इस प्रलेख में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के घातकता मानचित्रों तथा छात्रों में आपदा तथा उसके प्रबंधन के बारे में चेतना सृजित करने के उद्देश्य से छात्रों के लिए व्यवहारिक कार्य क्रिया किलाप जैसी प्रमुख विशशताओं पर प्रकाश डाला जाता है। एन.आई.डी.एम द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न चेतना अभियान में तथा व्यापक प्रचार हेतु स्कूलों में किये जाने इसके वितरण में प्रचार किया जाता है।



10- Ldy l j {kk l |>ko

देश भर में स्कूल सुरक्षा के सृजन की आवश्यकताओं तथा स्कूली छात्रों को आपदा लोचकता पर्यावरण के प्रति प्रेरित करने को इशितहार में दर्शाता है। समाचार पत्रों में समय-समय पर रंगीन तथा आकर्षक विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं तथा एन.आई.



डी.एम. द्वारा आयोजित विभिन्न चेतना अभियान के दौरान स्कूलों में इसका वितरण किया जाता है।

11- Hkdi lki o lh<h [ky %yMk%

सांप और सीढ़ी (लूडो) मनोरंजक खेल के जरिये छात्रों को भूकंप हेतु करने तथा न करने के बारे में जागरूक बनाने के लिए यह बहुखेलीय नवीनतम खेल है।



एन.आई.डी.एम. द्वारा आयोजित विभिन्न चेतना अभियानों में तथा व्यापक प्रचार हेतु स्कूलों में इसके वितरण के जरिये प्रचार किया जाता है। एन.आई.डी.एम. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी इसका वितरण किया जाता है।

12- dy|.Mj %MLd rFkk nhokj%

एन.आई.डी.एम. के बारे में एवं इसके लक्ष्य तथा मिशन की चर्चा करता है। यह विभिन्न सामान्य आपदाओं (मौसम वार) पर प्रकाश डालता है। जीवनो, सम्पत्तियों तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए करने तथा न करने के लिए सुझाव भी देता है।

13- vkink U;uhdj.k fnol

एन.आई.डी.एम. द्वारा प्रेषित एक वार्षिक उत्सव के रूप में आपदा न्यूनीकरण दिवस के लिए ईशितहार में भारत भर में विभिन्न समुदायों के बीच आपदा न्यूनीकरण क्रियाकलापों को बढ़ाना दर्शाया गया है। संयुक्त राष्ट्र (यू एन) अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रत्येक वर्ष आपदाओं के न्यूनीकरण हेतु आपदा जोखिम न्यूनीकरण के बारे में चेतना जाग्रत करने के लिए मनाया जाता है। इसे लोगों तथा सरकारों को ओर अधिक लोचदार समुदायों तथा राष्ट्र के भी निर्माण में भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्रों के बीच आपदा तैयारी तथा न्यूनीकरण उपायों के बारे में चेतना सृजित करना आवश्यक है ताकि वे आपदा स्थिति से मुकाबला करने के लिए अच्छी प्रकार तैयार हो सकें।

14- lkekU; vkinkvk d lc/k ei dj rFkk u dj%

सामान्य आपदाओं जैसे – भूकंप, बाढ़ आदि के बारे में आपदा से पूर्व आपदा के दौरान तथा आपदा के बाद किये

जाने तथा न किये जाने कृत्य 16 पेजों के ईशितहार दिये गये हैं। एन.आई.डी.एम. द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न चेतना अभियानों का प्रचार किया जाता है तथा व्यापक वितरण एन.आई.डी.एम. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी किया जाता है।

5-3-2 i.y|kh %oRr fp=

वृत्त चित्र चेतना जागृत का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन है तथा बड़े हित धारकों में परिवर्तन लाता है। एन.आई.डी.एम. ने विभिन्न आपदाओं तथा कार्यशाला कार्यवाहियों पर छः वृत्तचित्र विकसित किये हैं। व्यापक प्रचार के लिए इन वृत्त चित्रों को यूट्यूब पर भी अपलोड किया गया है। वृत्त चित्रों का विवरण निम्नानुसार है:-

1- ,u-vkb|Mh-,e- oRr fp=

यह एन.आई.डी.एम. एक वृत्त चित्र है जिसमें संस्थान के उत्पत्ति ग्रंथ इसके लक्ष्य, मिशन, कार्यो तथा



आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में संस्थान की भूमिका को दर्शाता है। संस्थान की ओर से आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण तथा क्षमता विकास को सुसाध्य बनाने हेतु किये जा रहे प्रयासों का कार्यालयीन सुविधाओं जैसे-कक्षा, सेमिनार हाल, एक जी. आई. एस. प्रयोगशाला तथा विडियो कांफ्रेंसिंग सुविधाएं आदि पर विशेष बल देती हैं। संस्थान में एक अच्छा पुस्तकालय है जिसमें आपदा प्रबंधन तथा न्यूनीकरण विषय पर अलग से पुस्तकों का काफी भण्डार है। इस वृत्त चित्र में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों, जैसे –प्रत्यक्ष, ऑनलाइन तथा स्व. शिक्षार्जन तरीके एवं उपग्रह आधारित प्रशिक्षण ले लिये गये हैं। इस चित्र में एन.आई.डी.एम. द्वारा चलायी जा रही परियोजनाओं एन.आई.डी.एम. द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं तथा सेमिनाएं व विभिन्न चेतना जागरूकता गतिविधियों पर भी विशेष बल देती है।

2- Hkdi r;kjh gr x'g ekfydk gr ul[kk /recipe)

इस वृत्त चित्र में भूकंप, विभिन्न संरचनात्मक प्रणालियों, भूकंप के प्रभावों से पूर्व, भूकंप के दौरान तथा भूकंप के बाद किये जाने वाले एवं न किये जाने कार्यों आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाती है। यह एक गृह निर्वासियों के लिए अनुगणक हैं जो भूकंप के लिए तैयारी उपाय संबंधी मुद्दों के बारे में नागरिकों को सुग्राह्य बनाने के लिए एक संदर्भ उपकरण के रूप में काम आता है। इस चित्र में देश के भूकंपीय अंचलों पर प्रकाश डाला जाता है। जिसमें क्षति की गहनता तथा भूतकाल में भूकंपीय देशों द्वारा शैली जाने वाली बारंबारता को दर्शाया जाता है। इस चित्र में तैयारी और न्यूनीकरण उपायों पर बल दिया जाता है जिसमें जीवन रेखा पुर्नस्थापना भवनों हेतु न केवल बल्कि आपदाओं के लिए शीघ्र तथा दक्ष अनुक्रिया को भी सुनिश्चित करना है। गृह स्थान पर लिया गया छोटा कदम भी आपदा को कम कर सकता है तथा लाखों जीवन बचा सकता है।



3- Ldiyh cPpk }kjk vkink ic/ku [ky

आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चेतना जागरण एन.आई.डी.एम. के अधिदेशों में से हैं तथा स्कूली बच्चे प्रचार के उत्कृष्ट माध्यम हैं। इस वृत्त चित्र में आपदाओं और इसके प्रबंधनों के विभिन्न पक्षों पर स्कूली बच्चों द्वारा दिखाये गये खेल को शामिल किया जाता है। इस चित्र में बड़े अच्छे ढंग से बाढ़, भूकंप, सूनामी, चक्रवात



जैसी आपदाओं की विषय वस्तु को सुबोध तथा सुन्दर ढंग से दिखाया जाता है।

4- >hy idki rFkk vkdfLed ck< % mRrjk[k.M 2013

एन.आई.डी.एम. द्वारा विभिन्न स्रोतों से संकलित वृत्तचित्र 16 एवं 17 जून, 2013 के दौरान उत्तराखण्ड आपदा के कारणों तथा प्रभावों को दर्शाता है। इन आपदाओं में भारी वर्षा, भूस्खलन, शील प्रकोप तथा आकस्मिक बाढ़ में शामिल है। जिनके कारण स्थानीय समुदायों तथा तीर्थ यात्रियों सहित सैकड़ों लोग मारे गये थे, भवनों सडकों, संरचनाओं उपयोगी वस्तुओं की क्षति हुई तथा क्षेत्र में जीवन यापन आर्थिक तथा पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हुये थे।



5- p0okr Qk;fyu 2013

एन.आई.डी.एम. द्वारा विभिन्न स्रोतों से संकलित वृत्त चित्र चक्रवात फायलिन के कारणों तथा प्रभावों पर प्रकाश डालता है जिन्होंने अक्टूबर, 2013 के दूसरे सप्ताह के दौरान उड़ीसा तथा आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित किया था। यद्यपि चक्रवात बहुत अधिक प्रबलता वाला था लेकिन समय पर पूर्व चेतावनी के जरिये समुद्र तट के निकट रहने वाले बहुत से लोगों की जान बचायी गयी थी।



6- ,u-vkb-Mh-,e- Lo v/; ;u dk;Øe

एन.आई.डी.एम. आम जनता तथा सरकारी सेवकों और अन्य हितधारकों के लिए स्व अध्ययन पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है जिन्हें आपदा प्रबंध करने की भूमिका तथा उत्तर दायित्व प्राप्त है। कार्यक्रमों के तहत पाठ्यक्रमों का देश में कोई भी व्यक्ति अपनी सुविधानुसार कहीं पर

किसी भी समय मुफ्त में
आंकलित कर सकेगा।
इन पाठ्यक्रमों का
उद्देश्य आपदा प्रबंधन
रुचि पैदा करना तथा
ज्ञान, कौशल तथा



चेतना के स्तर को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के तहत 10
स्व अध्ययन पाठ्यक्रमों का विकास किया गया है। सभी
पाठ्यक्रमों का आंशिक विकास किया जा चुका है तथा
तीन पाठ्यक्रम स्लाइडशो और ऑडिओ विडियो इंटरैक्शन
सहित आनलाइन पर उपलब्ध है।

5-4 ;kt ukvk gr fuo'k

5-4-1 vkink ic/ku d fy, jk"Vh; ;kt uk ¼,u Mh ,e ih½

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में राष्ट्रीय, राज्य जिला
तथा स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन की तैयारी के
लिए प्रावधान है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति (2009)
में उल्लेखानुसार आपदा प्रबंधन योजनाओं में प्राकृतिक
तथा मानव सृजित आपदाओं, रोकथामों एवं न्यूनीकरण,
आपातकालीन अनुक्रिया तथा मानव संसाधन क्षमता निर्माण
के लिए खतरा जोखिम तथा घातकता पार्श्वकी को
शामिल करना है। आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी
समिति (एन ई सी), जिसकी अध्यक्षता गृह सचिव द्वारा
की जाती है का उत्तरदायित्व है कि वह सभी संबंधित
मंत्रालयों, राज्य सरकारों तथा अन्य संस्थानों/एजेंसियों
से सहयोग लेकर भागीदारी तरीके से राष्ट्रीय योजना
तैयार करें और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को
इसके अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करें। 2013 के उत्तराखण्ड
आपदा के बाद केन्द्रीय सरकार ने आपदा प्रबंधन के
लिए राष्ट्रीय योजना तैयार करने का निर्णय लिया गया
था। डा. अनिल कुमार गुप्ता, एसोसियेट प्रोफेसर एवं
नीति योजना प्रभाग के अध्यक्ष और श्रीमति श्रीजा एस
नायर, सहायक प्रोफेसर को एन ई सी ने योजना प्रलेख
विकसित करने के लिए लगाया गया है। इन्हें संयुक्त
सचिव (डी एम) तथा विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों के आपदा
प्रबंधन हेतु नॉडल अधिकारियों तथा गृह मंत्रालय आपदा

प्रबंधन प्रभाग, ई डी एन आई डी एम अन्य अधिकारियों
के साथ समन्वय करके इस कार्य को करना है। योजना
में शामिल है (i) राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण योजना (ii)
आपदा अनुक्रिया योजना (iii) मानव संसाधन क्षमता
विकास योजना। राष्ट्रीय आपदा का अन्तिम प्रारूप
प्रलेख श्री अनिल गोस्वामी, गृह सचिव की अध्यक्षता
में अक्टूबर, 2013 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय आपदा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में अनुमोदित किया
गया तथा एन डी एम ए को अनुमोदन हेतु भेजा गया
था। योजना देश में सभी स्तरों पर विभिन्न स्कीमों और
कार्यक्रमों एवं विकास के सभी क्षेत्रों के परे डी आर आर
को मुख्य धारा में लाने के दृष्टिकोण पर बल देती है।
आपात कालीन अनुक्रिया योजना में आपदाओं के दौरान
बचाव और राहतों और तैयारी के लिए समन्वित की जाने
वाली विभिन्न गतिविधियों, विभिन्न विभागों, मंत्रालयों तथा
संगठनों की भूमिकाएँ तथा उत्तरदायित्वों सहित इनके
दखल को ध्यान में रखा गया तथा योजना प्रलेख सभी
महत्वपूर्ण हित धारकों के बीच परिचालित किया गया था
और टिप्पणियों एवं निवेशों को अंतिम प्रलेख में शामिल
किया गया था। राज्य सरकारों के सुझावों पर आपदा
पश्चात पुर्नप्राप्ति ढांचा विषयक घटक को भी शामिल
किया गया था।

5-4-2 ,u- vkb-Mh-,e dk l'n< dju rFkk foLrkj inku dju gr lki{k ;kt uk

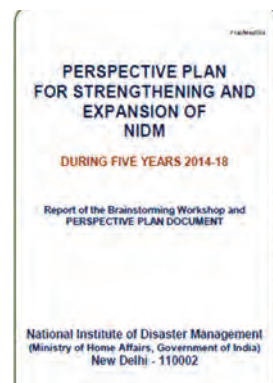
देश में आपदा प्रबंधन तथा
जोखिम न्यूनीकरण के
विभिन्न पहलुओं से संबंधि
त क्षमता निर्माण प्रशिक्षण
एवं अनुसंधान कार्रवाईयों
हेतु बढ़ती आवश्यकता
तथा मांग को देखते हुये
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन
संस्थान को सुदृढ़ करने
के लिए माननीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में एन. आई.
डी.एम की प्रथम जनरल बॉडी बैठक के दौरान विशेष



बल दिया गया है जिसमें आगामी 5 वर्षों के भीतर सुदृढ़ करने तथा विस्तार प्रदान करने के लिए सापेक्ष योजना तैयार करने के लिए निदेश दिये गये। इसके लिए एन. आई.डी.एम एवं अन्य हित धारकों से परामर्श ले लिया जाए। तकनीकी सलाहकार समिति, एन. आई.डी.एम के समन्वयक, डा. अनिल कुमार गुप्ता, नीति नियोजन एवं प्रशिक्षण प्रभागध्यक्ष को एन. आई.डी.एम की सापेक्ष योजना विकसित करने का कार्य सौंपा गया है। प्रारूप योजना इस संबंध में राष्ट्रीय मानव संसाधन योजना 2012 और एन. आई.डी.एम ए की अन्य राष्ट्रीय दिशा निर्देशों, राष्ट्रीय नीतियों, विश्वविद्यालय और व्यवसायिक शिक्षा प्रणाली केन्द्रीय सिविल सेवा प्रशिक्षणों तथा देश में विभिन्न स्तरों पर संस्थागत ढांचा के दिशा निर्देशों पर नीति अनुसंधान के आधार पर तैयार की गयी है। प्रारूप योजना समीक्षा तथा टिप्पणी हेतु सभी महत्वपूर्ण हितधारकों में परिचालित की गयी है और एन. आई.डी.एम की सापेक्ष योजना के बारे में चर्चा करने तथा निर्णयों को अन्तिम रूप देने के लिए 17 जनवरी, 2014 को एन. आई.डी.एम के भीतर एक राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला आयोजित की गयी है। परामर्श कार्यशाला के सत्रों के दौरान एन.आई.डी.एम की टी ए सी के अध्यक्ष डा. हर्ष कुमार गुप्ता, एन.डी.एम.ए. के माननीय सदस्य तथा डा. मुजफ्फर अहमद, एन.डी.एम.ए. के माननीय सदस्य ने अध्यक्षता की। विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों, संगठनों, संस्थानों यू.एन. एजेंसियों आदि के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया और योजना में दिये गये प्रावधानों को अन्तिम रूप देने में अपना योगदान दिया। वर्ष 2014 – 18 के दौरान कार्यान्वित किये जाने वाले तीन चरणों जैसे – तत्काल (एन.आई.डी.एम संकाय का पुनर्संगठन) अल्पकालीन (संकाय की जीविका प्रगति तथा पदों का सृजन और क्रिया किलापों का विस्तार) तथा मध्य कालीन दीर्घकालीन (रिक्तियों का भरा जाना नये केन्द्रों की स्थापना करना और क्रिया किलापों तथा संस्थागत नेटवर्क) को दर्शाते हुये कार्य योजना के साथ इस योजना को संलग्न किया गया है।

5-4-3 विकल्पिक/कुल 2012 में दिये, एक विकल्पिक/कुल

मानव संसाधन विकास आपदा जोखिम न्यूनीकरण का बहुत ही महत्वपूर्ण पहलु है। पेशेवरों, शिक्षकों, क्षेत्र कार्मिकों तथा समुदाय सदस्यों के बीच ज्ञान एवं कौशल का विकास आपदा जोखिम न्यूनीकरण को मुख्य धारा में लाने और आपदाओं तथा आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयारी में सुधार लाने का कार्य कठिन है। विभिन्न स्तरों पर शिक्षा, प्रशिक्षण तथा चेतना तथा क्रमबद्ध तथा योजनाबद्ध तरीके से समाज के विभिन्न सेक्टरों से परे विश्लेषण, नियोजन, अनुवीक्षण तथा आपदा प्रबंधन चक्र के भीतर विभिन्न कार्यों के समग्र समन्वय में सुधारों को पूरा करता है। आपदा भारतीय प्रबंधन अधिनियम 2005 ने एन.आई.डी.एम के लिए आपदा प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय मानव संसाधन योजना विकसित करने तथा कार्यान्वित करने का दायित्व सौंपा है।



एक ढांचा जिसमें भारत सरकार और इसके आपदा प्रबंध संस्थानों ने भारत के लिए सुसंगत संभावित खतरों हेतु देश की घातकता को कम करने के लिए कार्य योजना तैयार की है। जिसमें भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, सूखा, चक्रवात, शीत लहर, लू, रसायनिक आपदा, आग, महामारी अथवा आक्रमण, तकनीकी तथा क्षेत्रीय आपदाएँ व नागरिक, युद्ध तथा त्र्यौहार संबंधी आपदाएँ शामिल हैं जिसमें राष्ट्रीय मानव संसाधन नियोजन को आधार प्रदान किया है।

राष्ट्रीय, राज्य तथा जिला स्तरों पर शैक्षणिक तथा प्रशिक्षण के इस राष्ट्रीय ढांचे के जरिये विकास प्रक्रिया के भीतर आपदा प्रबंधन को मुख्य धारा में लाना तथा जलवायु परिवर्तन चेतना विषय पर जोर देना, संस्थागत तंत्र, आपदा रोक रणनीतियों, पूर्व चेतावनी प्रणाली, आपदा न्यूनीकरण, तैयारी तथा अनुक्रिया

तथा मानव संसाधन विकास को शामिल करना है। योजना में निम्नलिखित उपायों पर विशेष बल दिया जाता है:— (i) वर्तमान आपदा जोखिम न्यूनीकरण अभ्यास को आंकलित करना (ii) वर्तमान अभ्यास द्वारा प्राप्त न होने वाली आवश्यकताओं की पहचान करना (iii) खतरे के चरण में उनकी घातकता का आंकलन करने के लिए संस्थानों का विश्लेषण करना (iv) क्षमता निर्माण में आवश्यकताओं की पहचान करना (v) प्रशिक्षण और भौक्षिनिक आवश्यकताओं का प्राथमिकीकरण करना (vi) संशोधित आपदा प्रबंधन अभ्यासों के लिए बजट तैयार करना (vii) शिक्षण तथा प्रशिक्षण के जरिये जोखिम न्यूनीकरण में सुधारों के लिए समय सीमा तय करना। मानव संसाधन योजना वर्ष 2011-12 में डा. अनिल कुमार गुप्ता, एसोसियेट प्रोफेसर, एन. आई डी एम द्वारा निवेशों/समीक्षाओं के साथ/केन्द्रीय तथा राज्य सरकार स्तरों पर अन्य संस्थानों एवं एजेंसियों के अतिरिक्त तथा यू.एन.डी. पी. आर आर प्रोग्राम, संकट रोक तथा पुर्नप्राप्ति ब्यूरो, ईडी, एन.आई.डी.एम., डा0 सतेन्द्र, प्रोफेसर श्री संतोश कुमार तथा अन्य संकाय सदस्यों के साथ परामर्श करके विकसित की गयी है।

5-5 {k=h; nkj rFkk i;y[ku

5-5-1 ,u-vkb-Mh-,e ny u mRrjk[k.M d vkdfLed ck< xLr {k=k dk nkjk fd;k

एन.आई.डी.एम ने इस आपदा के कारणों, प्रभावों तथा अर्जित सबकों को समझने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड आपदा की प्रलेखन प्रक्रिया की शुरुआत की है। आपदा के बारे में विभिन्न हित धारकों के दृष्टिकोण सहित प्राथमिक सूचना संकलित करने के लिए, एन.आई.डी.एम के दल ने दो बार उत्तराखण्ड में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। प्रथम बार डा0 सूर्य प्रकाश, एसोसियेट प्रोफेसर ने 22-24 जून, 2013 के दौरान दौरा किया। दौरे के दौरान डा0 प्रकाश ने आपदा के कारणों तथा प्रभावों का

जायजा लिया जिसमें सेना, अर्धसैनिक बलों, एन.डी. आर.एफ., स्थानीय प्रशासन आदि द्वारा चलाये गये बचाव तथा राहत प्रचालन शामिल थे। दूसरी बार डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर श्री चन्दन घोष, एसोसियेट प्रोफेसर डा0 सूर्य कुमार तथा परामर्शदाता, श्री अशोक कुमार शर्मा सहित विशेषज्ञ दल द्वारा 10-14 जुलाई, 2013 के दौरान दौरा किया गया था। इस दल ने विस्तार पूर्वक प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया, विभिन्न हितधारकों, भूमिका अदा करने वालों जिसमें नीति निर्माता, प्रशासक शिक्षावेत्ता उत्तरदाता आदि शामिल थे, से परस्पर विचार विमर्श किया था। विभिन्न हित धारकों/भूमिका अदा करने वालों मौलिक प्राथमिक सूचना एकत्र करने के लिए श्री अशोक कुमार शर्मा, परामर्शदाता, एन.आई.डी.एम के नेतृत्व में 7 श्रेणियों की प्रश्नावली विकसित की गयी तथा विस्तृत सर्वेक्षण भी किया गया था।

एन.आई.डी.एम द्वारा विकसित किया जाने वाले अन्तिम प्रलेख में विभिन्न श्रेणियों से प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों को विश्लेषण करने के बाद शामिल किया जायेगा। 12-21 अक्टूबर, 2013 के दौरान एन.आई.डी.एम के कनिष्ठ परामर्शदाता, श्री मानस द्विवेदी ने रुद्रप्रयाग, सोन प्रयाग एवं चमोली एवं रुद्र प्रयाग जिले के केदारनाथ के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। दौरे का उद्देश्य आपदा पश्चात सामाजिक विश्लेषण करना था जिसमें प्रभावित जनसंख्या का मनोसामाजिक प्रभाव आंकलन शामिल था। श्री द्विवेदी ने दौरे के दौरान आपदा के प्रत्यक्षदर्शियों (आराम गृह मालिकों, प्रबंधकों तथा समुदायों) से केदारनाथ क्षेत्र, त्रियुगनाराण गांव, गुप्तकाशी, उखीमठ, सोनप्रयाग भीमबली, गोपेश्वर, जोशीमठ एवं बद्रीनाथ अनेकों साक्षात्कार किये थे। जीवनयापन पुर्नप्राप्ति, स्थानीय आर्थिक ढांचा, गृह सामग्री शिखर रणनीतियों, सामाजिक संबंध एवं साहचर्य राहत, पुनर्प्राप्ति आदि पर प्रभावों को मिलाकर विभिन्न पहलुओं के सामाजिक विश्लेषण पी आर आर के जरिये किये गये थे। एन.आई.डी.एम ने उत्तराखण्ड आपदा प्रभावों तथा सीखे सबकों पर विस्तृत प्रलेखन विकसित किया है।

5-5-2 pØokr Qkfyu iHkkfor {k=k dk {k=h; fujh{k.k

डा० सूर्य प्रकाश एसोसियेट प्रोफेसर, एन.आई.डी.एम ने उड़ीसा समुद्र तट के चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का 28-30 अक्टूबर, 2013 के दौरान निरीक्षण किया था जिससे कि घटना (फालिन चक्रवात के साथ बाढ़ आना) का सूक्ष्म अध्ययन करना, इसके प्रभावों आपदा से पूर्व में आपदा के दौरान तथा आपदा के बाद में विभिन्न हितधारकों द्वारा की गई कार्रवाईयों तथा इससे सीखे सबक आदि शामिल था। क्षेत्रीय निरीक्षण समुद्र तटीय क्षेत्रों के कुछ क्षेत्र तक सीमित था। इस निरीक्षण द्वारा भूमि चक्रवात द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से

प्रभावित हुये विभिन्न व्यक्तियों के साथ विचार-विमर्श करना था। डा० प्रकाश ने भुवनेश्वर छतरपुर, बहरामपुर, गोपालपुर, नौगांव, खुर्द, पूरी, दक्षिण पाटल नगर, जगतसिंहपुर तथा कटक का दौरा किया था। ओ.एस. डी.एम.ए. राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, जिला प्रशासन के अधिकारियों, जिनमें स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र महिला तथा बाल कल्याण विभाग, अन्तर एजेंसी समूह (आई ए जी), भारतीय रेडक्रास, एन जी ओज, सी बी ओज, ग्रामीण समितियों, मछुआरों तथा महिला समूहों, स्कूल अध्यक्षों/छात्रों, प्रभावित जनसंख्या आदि के साथ बैठकें की गयी थी। एन.आई.डी.एम चक्रवात फालिन पर विस्तृत रिपोर्ट विकसित करने की प्रक्रियाधीन है जिसमें इस चक्रवात से सीखे सबक भी शामिल है।



5.2 भुवनेश्वर में अंतर्एजेंसी सदस्यों के परस्पर विचार विमर्श करते हुए डा. सूर्य प्रकाश

अध्याय 6

प्रमुख घटनाएँ, कार्यशालाएँ/सम्मेलनों/सेमिनारों तथा अन्य (आउट रीच) आगामी गतिविधियाँ

6-1- वृत्तगत विकास प्रक्रिया

6-1-1- विकास तंत्रिका; उद्देश्य; विकास की प्रक्रिया; एन.पी.डी.आर. का विकास

भारत सरकार ने बहुल हितधारक राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंच सरकारी संकल्प सं. 47-31/2012 डी.एम. -।।। तारीख 26 फरवरी, 2013 के अधीन गठित किया है। एन.पी.डी.आर. आर. का प्रथम सत्र 13-14 मई, 2013 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विकास डी.आर. आर. को मुख्य धारा में लाना : जोखिम से लोचकता को विषय वस्तु पर आयोजित किया गया था। इस सत्र का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री, डा. मनमोहन सिंह द्वारा किया गया था तथा इसे श्री सुशील कुमार शिंदे, माननीय गृह मंत्री, श्री एम भाशिधर रेड्डी, माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री एम. रामचन्द्रन, माननीय, गृह राज्य मंत्री द्वारा सम्बोधित किया गया था। इस सत्र में केन्द्रीय और राज्य सरकारों, एन.जी.ओज, सार्वजनिक क्षेत्र, सी.बी. ओज, तथा अन्य हित धारकों के 1000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। सत्र का अनुसरण 'विकास में डी.आर. आर. को मुख्य धारा में लाना: उपलब्धियों तथा दूर आगे (वे-अहिडी)' विषय वस्तु के साथ पूर्ण सत्र के जरिये किया गया था।

पूर्ण सत्र का अनुसरण 6 विषयक सत्रों के जरिये किया था (i) डी आर आर हेतु साज प्रौद्योगिकी (ii) अपने शहरों को सुरक्षित बनाना (iii) जोखिम वित्तपोषण तंत्र (iv) दीर्घकालीन पुनर्प्राप्ति तथा पुनर्वास (v) जन नीति तथा अधिशासन और (vi) बहुत हितधारक परामर्श। पूर्ण



चित्र 6.1 आपदा प्रबंधन के राष्ट्रीय मंच के प्रथम सत्र का उद्घाटन करते हुए माननीय प्रधानमंत्री डा० मनमोहन सिंह

तथा विषयक सत्रों के दौरान आपदा जोखिम न्यूनीकरण विकास में मुख्यधारा लाना से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी और विभिन्न हित धारकों ने विचारों में हिस्सा लिया। विज्ञान भवन परिसर में फिक्की के सहयोग से आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं को दर्शाते हुये एक विशाल प्रदर्शनी आयोजित की गयी थी जिसमें एन डी आर एफ, एन आई डी एम, जी एस डी एम ए, बी एस डी एम ए आदि सहित विभिन्न हित धारकों ने डी आर आर से संबंधित विभिन्न उपकरणों प्रकाशनों तथा आई ई सी सामग्री को प्रदर्शित किया था। एन आई डी एम ने दर्शकों को आई ई सी सामग्री सैंकड़ों की संख्या में वितरित की थी जिसकी प्रशंसा दर्शकों तथा माननीय गृह मंत्री, श्री सुशील कुमार शिंदे द्वारा की गयी थी। प्रदर्शनी में श्रेष्ठ निष्पादन के लिए एन आई डी एम के साथ-साथ तीन स्टालों को पुरस्कृत किया गया था। एन पी डी आर आर की प्रथम सत्र तथा प्रदर्शनी के अतिरिक्त विभिन्न विषयों पर चार घटना-पूर्व भी आयोजित की गयी थी तथा मुख्य विषयक

सत्रों के भाग के रूप में इन घटना पूर्व के परिणामों को भी एकीकृत किया गया था।

प्रथम बार देश में राष्ट्र से परे सभी हित धारकों को सामान्य मंच पर उपस्थिति भारत सरकार का महान प्रयास था। 18 प्रमुख सिफारिशों अर्थात कार्य बिन्दुओं के प्रथम सत्र के परिणाम के रूप में प्रकट किया गया एनपीडीआरआर का सचिवालय एन आई डी एम में कार्य करते रहने के लिए जारी रखा जाना चाहिए और सूचना के भण्डार को विकसित करने के साथ ही एन पी डी आर आर की सिफारिशों पर तथा उन पर की गयी कार्यवाहियों पर अनुसरण करने के लिए सुविधा प्रदान करेगा। एन पी डी आर आर के प्रथम सत्र की कार्यवाही <http://niddm.gov.in/npdrr/> पर उपलब्ध है।

6-1-2 वन रोपण

एन आई डी एम ने आई आई पी ए, नई दिल्ली के सहयोग से 30 जुलाई, 2013 को वन महोत्सव मनाया था। वन महोत्सव भारत में एक वार्षिक वृक्ष रोपण उत्सव है जिसे जुलाई माह में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वन और डी आर आर से इसके जटिल संयोजनों के बारे में लोगों को संग्राह्य बनाना है तथा पर्यावरण संवेदी डी आर आर नियोजन की ओर अग्रणी बनाना है। इस अवसर पर वृक्ष रोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था जिसमें एन आई डी एम के कार्यकारी निदेशक, संकाय एवं स्टाफ सदस्यों ने अनेक बाल वृक्षों का रोपण किया था।



चित्र 6.2 वृक्षरोपण कार्यक्रम के दौरान पौधा रोपण करते हुए एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक

6-1-3 राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन डी एम ए) तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) ने संयुक्त रूप से इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 9 अक्टूबर, 2013 को आपदा न्यूनीकरण दिवस के रूप में मनाया। यह एक ऐसा अवसर था जिस पर स्कूल सुरक्षा के महत्वपूर्ण विषय पर राष्ट्रीय ध्यान केन्द्रित किया गया था। चूंकि आपदाओं के दौरान छात्र बुरी तरह प्रभावित होते हैं। इस अवसर पर डा० बी. भट्टाचार्य, माननीय सदस्य, एन.डी. एम ए, मानद प्रोफेसर ए.एस. आर्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री कृष्ण चौधरी, एन.डी.आर.एफ के महानिदेशक श्री संदीप राय राठौर, एन डी आर एफ के महा निरीक्षक तथा अन्य अनेक सम्मानित व्यक्तियों, अधिकारियों एवं बच्चों ने भाग लिया था। ए एस एन स्कूल मयूर विहार, नई दिल्ली के छात्रों द्वारा स्कूल सुरक्षा पर व्यंग्य नाटक प्रस्तुत किया गया था। आपदा न्यूनीकरण दिवस पर, विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने उत्तराखण्ड में नवीनतम आपदा के बारे में तथा शिक्षा पर इसके प्रभाव अपने अनुभवों को भी साझा किया था।

एन आई डी एम ने देश भर के स्कूलों में ईशितहार तैयार करने एवं नारे लिखने की प्रतियोगिता आयोजित की थी तथा आपदा न्यूनीकरण दिवस के दौरान प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। एन आई डी एम द्वारा छात्रों के लिए विकसित आपदा प्रबंधन विषयक चेतना सामग्री का कार्यक्रम के दौरान विमोचन भी किया गया था।



चित्र 6.3 आपदा निवारण दिवस के अवसर पर सांप एवं सीढ़ी खेल लूडो का विमोचन करते हुए

6-1-4 ,u vkb! Mh ,e dyMj 2014 rFkk Hkkjr vkink fjikVI 2012 dk idk'ku %foekpu%

एन आई डी एम कलेण्डर 2014 तथा भारत आपदा रिपोर्ट 2012 के विमोचन हेतु एन आई डी एम स्थित सम्मेलन किया गया था। विमोचन कार्यक्रम में कुछ वी आई पी लोगों ने भाग लिया था जिनमें श्री के. एम. सिंह, माननीय सदस्य, एन.डी.एम.ए., प्रोफेसर वी के शर्मा, माननीय उपाध्यक्ष, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्रीमती स्नेह लता कुमार (आई. ए. एस.) सचिव (बी एम), गृह मंत्रालय, डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक आदि तथा डा. के.जे. आनंद कुमार, एसोसियेट प्रोफेसर, एन.आई.डी.एम. शामिल थे। विमोचन समारोह के मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने एन आई डी एम को कलेण्डर 2014 तथा भारत आपदा रिपोर्ट 2012 के सफलता पूर्वक प्रकाशन पर भुभकामनाएँ प्रदान की।



चित्र 6.4 मंचासीन अतिथियों द्वारा कलेण्डर का विमोचन

डा. के.जे. आनंद कुमार ने बताया कि आपदा आंकड़ा बेस की आवश्यकता को महसूस किया गया और इसलिए एन आई डी एम द्वारा पहली बार 2011 में भारत आपदा रिपोर्ट (आई डी आर) विकसित किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि दिये गये वर्ष की आपदाओं का प्रलेखन न केवल इसके द्वारा सबक सीखने में मदद करता है बल्कि हमारे वर्तमान आपदा प्रबंधन प्रणाली में सुधार भी करता है। सचिव (बी एम), गृह मंत्रालय, श्रीमती स्नेह लता कुमार (आई ए एस) ने उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित किया तथा कहा कि उत्तराखण्ड आपदा तथा फालिन चक्रवात को देखते हुये आपदाओं में कमी आई

है। उन्होंने यह भी बताया कि आपदाओं में बेहतर तरीके से आपदा को संभालने में भी मदद मिलेगी। प्रोफेसर श्री वी.के. शर्मा ने एन आई डी एम के आई डी आर के प्रलेखन और क्षमता निर्माण के प्रयासों की सराहना की और कहा कि एन आई डी एम ने शुरुआत की और यह सबसे अच्छा कार्य किया। प्रोफेसर शर्मा ने यह भी बताया कि इसका सबक सिखाने की भूमिका के अलावा आई डी आर एक अच्छी अध्ययन सामग्री है। उन छात्रों के लिए जो आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अध्ययन/अनुसंधान कर रहे हैं। श्री के.एम. सिंह, माननीय सदस्य, एन डी एम ए ने एन आई डी एम के आपदा प्रलेखन कार्य के लिए किये गये प्रयासों को सराहा और यह भी बताया कि एन आई डी एम द्वारा तैयार किया गया कलेण्डर आम व्यक्ति के लिए बहुत ही लाभदायक हो सकता है चूंकि वह स्वयं भी प्रथम उत्तरकर्ता (Responder) है। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण लोगों के जीवन में पशु भी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है और इन पशुओं पर आपदा के प्रभाव को प्रलेखन में सम्मानित किया जाना चाहिए। डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने आश्वासन दिया कि वे पशु आपदा प्रबंधन की ओर आवश्यक कदम उठाएंगे तथा उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया।

6-2 lEeyu] lfeukj vkj dk;'kkyk

6-2-1 jk"Vh; mRrjk[k.M vkink dk;'kkyk 2013 lcd lh[k x;

एन आई डी एम ने उत्तराखण्ड आपदा 2013 सबक सीखे गये पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सोमवार, 19 अगस्त, 2013 को अपने ही परिसर में आयोजित की थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य बचाव राहत तथा पुर्नवास के कार्यों में संलग्न सभी संगठनों शिक्षा अर्जन अनुभवों को साझा करने का था। इस अवसर पर श्री शशिधर रेड्डी, माननीय उपाध्यक्ष, एन डी एम ए, पदम् भूशण, श्री चंडी प्रसाद भट्ट, श्री वी.के. दुग्गल, माननीय सदस्य, एन डी एम ए , श्री एस.के. मुट्टु, आयुक्त, उत्तराखण्ड सरकार, श्री पी पी श्रीवास्तव, माननीय सदस्य उत्तर पूर्व परिषद (एन ई सी), श्री टी नन्दकुमार, माननीय सदस्य एन डी एम ए, श्री अनिल

सिन्हा, माननीय उपाध्यक्ष, बिहार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डा. मुजफ्फर अहमद, माननीय सदस्य, एन डी एम ए, श्री पी.के. मिश्र, अध्यक्ष जी ई आर सी, प्रोफेसर श्री वी.के. शर्मा, माननीय उपाध्यक्ष, सिविकम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण उपस्थित थे। अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में डा. आर के भण्डारी और डा. के वी एन कृष्णामूर्ति ने भी इस समारोह में भाग लिया था। 130 से अधिक प्रतिभागी जो कि विभिन्न सरकारों तथा एन जी ओ से ने कार्यशाला में भाग लिया। उद्घाटन सत्र/समारोह का प्रारंभ उत्तराखण्ड आपदा में मारे गये व्यक्तियों के लिए 2 मिनट का मौन रखकर किया गया। डा० सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने अपने स्वागत भाषण में एन आई डी एम के अधिदेशों के बारे में संक्षेप में बताया तथा उत्तराखण्ड जल प्रलय के प्रलेखन की महत्ता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एन आई डी एम दल दो बार उत्तराखण्ड गया और गम्भीर रूप से प्रभावित जिलों में विस्तृत सर्वेक्षण कार्य पर आधारित सूचनाओं का संग्रह किया। उन्होंने सभी से यह अपील की कि प्रलेखन में शामिल करने के लिए उनकी ओर से अलग लेख/प्रलेख के तौर पर उनके मूल्यवान सुझाव प्रदान किये जायें। श्री एस. के. मट्टु, मुख्य आवास आयुक्त, उत्तराखण्ड सरकार ने व्यक्त किया कि एन आई डी एम उनकी गलतियों के संबंध में स्पष्ट रूप से सभी को महसूस कराने के लिए सभी तथ्यों एवं आंकड़ों को ध्यान में लाए तथा बेहतर ढंग से पुनर्विकसित करें। पदमभूषण श्री चंडी प्रसाद भट्ट, प्रख्यात पर्यावरणीयविद को मुख्य अतिथि बताया गया था। उन्होंने 1960 के चिपको आन्दोलन की याद दिलाई और मात्र प्रकृति के साथ सौहार्द बनाकर उत्तराखण्ड के पुनर्विकास करने के लिए प्रत्येक का आह्वान किया। श्री शशिधर रेड्डी, माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्घाटन भाषण में एन आई डी एम के उत्तराखण्ड आपदा के लिए प्रलेखन हेतु किये जा रहे प्रयासों पर विशेष बल दिया तथा दिन भर चली कार्यशाला में तय किये गये उद्देश्यों के लिए तैयार

रहने के लिए प्रत्येक का आह्वान किया। उन्होंने सभी राष्ट्रीय संगठनों/एजेंसियों के समन्वय और एकीकरण के जरिये उत्तराखण्ड के पुनर्निर्माण तथा पुनर्वास की ओर अधिक ध्यान देने पर बल दिया।

6-2-2 {kerk fuek.k vunku fo"k; ij jkT; d jkgr vk;Drk d fy, jk"Vh; dk;l'kkyk

एन डी एम ए तथा एन आई डी एम ने एन आई डी एम परिसर में 26 अगस्त, 2013 को "क्षमता निर्माण अनुदान" विषय पर राज्य राहत आयुक्तों के लिए राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की थी। विभिन्न राज्यों द्वारा उपयोग संबंधी प्रगति, एस डी एम पीज के निर्माण की स्थिति प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण आदि से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर इस कार्यशाला के दौरान विभिन्न राज्यों के 32 प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई थी। इस कार्यशाला की अध्यक्षता श्री टी. नन्द कुमार, माननीय सदस्य, एन डी एम ए ने की तथा डा. मुजफ्फर अहमद, माननीय सदस्य, एन डी एम ए श्रीमती गौरी कुमार, सचिव (बी एम), एम. एच. ए., डा० श्याम अग्रवाल, सचिव, एन डी एम ए, श्री जी.वी. शर्मा, संयुक्त सचिव (डी एम) श्रीमती नील कमल दरबारी, संयुक्त सचिव (प्रशा.), एन डी एम ए श्रीमती अनीता भटनागर जैन, जे एस (पीपी) एन डी एम ए तथा श्रीमती अर्चना जी. गुलाटी, वित्तीय सलाहकार, एन डी एम ए आदि अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया था। डा० सतेन्द्र, ई डी , एन आई डी एम



चित्र 6.6 कार्यशाला के दौरान श्री टी० नंद कुमार प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए

के स्वागत भाषण से उद्घाटन सत्र प्रारम्भ हुआ, इसके उपरान्त श्री टी. नन्दकुमार, माननीय सदस्य, एन डी एम ए द्वारा आरम्भिक टिप्पणी की गयी। श्रीमती गौरी कुमार, सचिव (बी एम), एम एच ए तथा डा० श्याम अग्रवाल, सचिव, एन डी एम ए ने भी उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला के दौरान चर्चित रहे मुख्य विषय थे:— (i) 13वें वित्तीय आयोग के तहत अनुशंसित विशिष्ट अनुदान का उपयोग जैसे कि क्षमता निर्माण अनुदान (ii) अग्नि शमन सेवाओं के नवीनीकरण हेतु अनुदान (iii) 14वें वित्तीय आयोग के तहत डी आर आर हेतु अनुदान (iv) राज्य आपदा प्रबंधन योजनाओं / जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं के निर्माण तथा अनुमोदन की स्थिति (v) भारतीय आपदा संसाधन नेटवर्क (आई डी आर एन) (vi) राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण (vii) प्रशिक्षणार्थियों के लिए डाटाबेस और आपदा प्रबंधन संसाधन व्यक्तियों की निर्देशिका, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण पोर्टल और ए टी आईज के लिए वित्तीय सहायता से संबंधित मुद्दे सहित एन आई डी एम के नवीनतम पहले। कार्यशाला का समापन श्रीमती अनीता भटनागर जैन, जे.एस. (पीपी), एन डी एम ए की टिप्पणियों द्वारा तथा डा० सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के जरिये किया गया।

6-2-3 lk;koj.kh; ;ktuk rFkk vkink
tkf[ke ic/ku %b ih Mh vkj ,e%
fo"k; ij fu"d"k pppk ,o j.kuhfr
dk;l'kkyk

इंडो-जर्मन “पर्यावरण भागीदारी कार्यक्रम (आई जी ई पी) के साथ डियूश्चे गेसेल्सकाफ्ट फ्लूर इंटरनेशनल जुसम्मेनरबेट’ ने आपदा जोखिम प्रबंधन में मानव क्षमता विकास हेतु भारत का राष्ट्रीय प्रयासों, जिसमें पर्यावरण पीय योजना तथा आपदा जोखिम प्रबंधन (ई पी डी आर एम) परियोजना शामिल है, योगदान दिया। परियोजना की सम्पूर्णता पर, एन आई डी एम, नई दिल्ली में 22 अक्टूबर, 2013 को निष्कर्ष तथा रणनीति कार्यशाला आयोजित की गयी।



चित्र 6.7 डा० सतेन्द्र कुमार, कार्यकारी निदेशक उद्घाटन सत्र के दौरान सम्बोधित करते हुए

श्री जी.वी.वी. शर्मा, संयुक्त सचिव (डी एम), एम एच ए, श्रीमती नील कमल दरबारी, संयुक्त सचिव (प्रशा० तथा समन्वय) एन डी एम ए, डा० डाईटर मुन्ज, निदेशक आई जी ईपी – जी आई जैड ए श्री फ्लोरिअन, बी. लक्स, सलाहकार जीआई जे कार्यशाला के दौरान प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। एन आई डी एम, डी एम आई एन डी सी, एन डी एम ए, एम एच ए तथा जी आई जैड से 24 प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया था। डा सतेन्द्र, ई डी, एन आई डी एम ने स्वागत भाषण दिया। डा. अनिल कुमार गुप्ता, कार्यक्रम निदेशक – ई के डी आर एम ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। श्री फ्लोरिअन, जी आई जे जैड ने ई पी डी आर एम के सिंहावलोकन, घटकों के प्रमुख उपलब्धियों तथा चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

ई पी डी आर एम के सभी तीनों भागीदारों के प्रतिनिधियों : डा० राकेश दूबे, निदेशक, आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल (डी एम आई) (उप-परियोजना आई डी आर एम: (औद्योगिक आपदा जोखिम प्रबंधन-2008-2010), श्रीमती श्रीजा एस नायर, सहायक प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) (उपरियोजना ई के डी आर एम): आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए पर्यावरण ज्ञान –2010-13), श्री जी.एस. सैनी, राष्ट्रीय सिविल डिफेंस कालेज (एन.सी.डी.सी.) नागपुर (उप परियोजना सी डी डी आर एम सिविल डिफेंस तथा आपदा जोखिम प्रबंधन- 2010-2013) ने संबंधित उप घर को कार्यान्वित करने के अपने – अपने अनुभवों को साझा किया। इसके अलावा, डा. आशीष चतुर्वेदी, कार्यक्रम निदेशक,

एडेप्ट केप परियोजना, आई जी.ई पी. ने तमिलनाडू और आंध्र प्रदेश में सी सी सी ए तथा डी आर आर को एकीकृत करने के लिए एन आई डी एम के साथ किये गये संयुक्त पहलों के अनुभव को बताया।

डा. डाईटर मुन्ज ने भागीदार संगठनों को उनकी उपलब्धियों के लिए मुबारकबाद किया तथा कार्यक्रम को सहायता प्रदान करने के लिए मंत्रालयों को धन्यवाद दिया। डा0 मुन्ज ने आगे बताया कि जर्मनी सरकार सहयोग देने तथा अन्तर क्षेत्रों प्रस्तावों पर साथ करने की उत्सुक होगी जिसको राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा विकसित किये जाने की आवश्यकता है तथा डी ई ए के जरिये जर्मन सरकार को भेजे जाने की आवश्यकता है। श्रीमती दरबारी जे. एस.एन.डी.एम.ए. को समापनीय टिप्पणी के साथ सत्र सम्पन्न हुआ। श्रीमती दरबारी ने बताया कि एन डी एम ए आवश्यक सहायता का विस्तार करेगा, तथापि भागीदार एजेंसियों को पहलों को सुग्राह्य बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए तथा विस्तृत आवश्यकता तथा अन्तर क्षेत्र विश्लेषण को भी बनाये रखें। उन्हीं के आधार पर प्रस्तावों को विकसित किये जाने की आवश्यकता है। डा0 अनिल कुमार गुप्ता, एसोसियेट प्रोफेसर, एन आई डी एम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के जरिये सत्र सम्पन्न हुआ।

6-2-4 jk"Vh; pØokr tkf[ke U;uhdj.k ifj;ktuk d rgr dk;'kkyk@ijke'k] rkjh[k 3 vDVcj] 2013

प्रशिक्षण आवश्यक, प्रशिक्षण अन्तराल विश्लेषण, प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मात्राकरण तथा अग्रताकरण



चित्र 6.8 डा0 सतेन्द्र कुमार, कार्यकारी निदेशक राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण परियोजना के तहत कार्यशाला उद्घाटन सत्र के दौरान सम्बोधित करते हुए

अल्पकालीन डी एम प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण नीति तथा प्रत्यापन हेतु रणनीति विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला/परामर्श 3 अक्टूबर, 2013 को एन आई डी एम में आयोजित की गयी थी। इसमें विषय विशेषज्ञों तथा परियोजना भागीदारी राज्यों से हित धारकों ने भाग लिया था। यह कार्यशाला को मूल रूप से अध्ययन के तहत तीन लक्ष्यों (Deliverables)जैसे – (i) jk"Vh; pØokr tkf[ke U;uhdj.k ifj;ktuk d rgr dk;'kkykस्वोट विश्लेषण रिपोर्ट (ii) प्रशिक्षण कार्यान्वित करने के लिए रणनीतिक ढांचा (iii) अल्प कालीन आपदा प्रबंधन प्रशिक्षणों के प्रत्यापन प्रक्रिया, गुणवत्ता प्रबंधन और प्रमाणन तरीकों पर रिपोर्ट को अन्तिम रूप देना था। प्रस्तावों को भागीदारों के साथ भी साझा किया गया तथा उनसे निवेश भी आयोजित किये गये।

प्रथम आठ लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल के पांच पैकेजों के डिजाइन ब्रीफ पर चर्चा हुई थी। ये मॉड्यूल सेक्टर विशिष्ट होते हैं तथा अध्ययन में किये गये सर्वेक्षण उपलब्धियों पर आधारित होते हैं। अध्ययन हेतु पहचाने गये क्षेत्र-स्वास्थ्य, शिक्षा, पी आर आई, यू एल बी तथा ग्रामीण विकास हैं। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण मॉड्यूलों के दो पैकेजों को भी पत्रकारों के लिए अर्थात एक प्रवेश स्तर पर तथा दूसरा वरिष्ठ पत्रकारों के स्तर पर विकसित किया जाना है।

6-2-5 ykd i'kklu e vxorh 0;olkf;d dk;Øe d ifrHkkfx;k d fy, mUe[kh dk;Øe (APPPA)

आपा पाठ्यक्रम आम तौर पर वरिष्ठ सिविल अधिकारियों के लिए उनकी रुचि के क्षेत्र में उच्चतर अध्ययन करने



चित्र 6.9रूलोक प्रशासन में अग्रवर्ती व्यवसायिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए उन्मुखी कार्यक्रमका गुरुप फोटो

हेतु व्यवस्थित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम की अवधि 10 माह होती है। आपदा प्रबंधन से प्रतिभागियों को परिचित कराने के लिए एन आई डी एम में 8 नवम्बर, 2013 को एक उन्मुखी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अनिल कुमार सिन्हा, माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पटना द्वारा की गयी थी। डा० सतेन्द्र, ई डी, एन आई डी एम ने गणमान्य व्यक्तियों तथा अप्पा (APPPA) प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा पाठ्यक्रम अनुसूची के बारे में जानकारी दी। उसमें कुल चार सत्र आपदा प्रबंधन के मौलिक विचारों के संबंध में थे। प्रतिभागियों में शामिल थे— श्री के. एम सिंह, माननीय सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, प्रो. वी. के. शर्मा, परामर्शदाता आई आई पीए तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष, सिविकम आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डा० सूर्य प्रकाश एवं डा. के.जे. आनंद कुमार, एसोसियेट प्रोफेसर, एन आई डी एम। इस कार्यक्रम का समापन श्री के.एम. सिंह, माननीय सदस्य, एन डी एम ए के विदाई सम्बोधन से हुआ।

6-2-6 dUn@jKT; ljdkjk d l;Dr
lfpok@fun'kd d fy, vkink
tkf[ke U;uhdj.k rFkk fodkl
ifØ;k d Hkhrj e[;?kkjk e ykuk
fo"k; ij jk"Vh; if'k{k.k rFkk
dk;l'kkyk

एन आई डी एम ने 11-12 नवम्बर, 2013 को नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्रालयों/राज्य सरकारों के संयुक्त सचिवों एवं निदेशकों के अधिकारियों के लिए “आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा विकास प्रक्रिया के भीतर मुख्यधारा में लाना विषय पर एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजन



चित्र 6ण10: आपदा जोखिम निवारण मुख्याधिकरण पर कार्यशाला का उद्घाटन सत्र

की थी। कार्यशाला का उद्देश्य मंत्रालय/विभागों तथा केन्द्रीय और राज्य सरकारों की एजेंसियों की आपदा प्रबंधन योजना तथा स्कीमों, जिसमें न्यूनीकरण, अनुक्रिया और क्षमता निर्माण के सभी पहलु शामिल हैं, को बनाने में उनकी क्षमता के विकास में सहायता पहुंचाना था।

पाठ्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार थे:

- प्रतिभागियों को विकास तथा संदधतता पक्षों पर आपदाओं की उलझनों से सुग्राह्य तथा उन्मुखी बनाना।
- एन आर एम/पर्यावरणीय क्षेत्रों कार्यक्रमों/कार्यवाइयों संरचना योजना, सामाजिक कल्याण, आर्थिक तथा औद्योगिक विकास योजना के भीतर डी आर आर को मुख्यधारा में लाने के लिए आवश्यकता अभिगम उपकरणों और रणनीतियों पर चर्चा करना।
- विभिन्न कार्यक्रम/स्कीमों तथा क्षेत्रों के पार कार्यवाइयों के भीतर डी आर आर और डी एम कार्य (न्यूनीकरण, तैयारी, क्षमता निर्माण) एकीकृत करने के उद्देश्यों, क्षेत्रों तथा तरीकों से परिचित कराना।

दघाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री वी.के. दुग्गल द्वारा की गयी थी तथा मुख्य नोट का पाठन श्री अनिल सिन्हा, माननीय उपाध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किया गया। एन डी एम ए के सचिव, श्री श्याम एस अग्रवाल ने विदाई सत्र की अध्यक्षता की। विशेष पैनल चर्चा की अध्यक्षता डा. बी.एन. सतपथी, वरिष्ठ सलाहकार, योजना आयोग द्वारा की गयी थी। जिसमें प्रतिभागियों ने चार क्षेत्र समूहों के लिए रणनीतियों को मुख्य धारा में लाना विषय पर अपनी सामूहिक कार्य सिफारिशों को प्रस्तुत किया था (ये चार क्षेत्र हैं – क) पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र, ख) सामाजिक कल्याण कार्यक्रम, ग) संसाधन क्षेत्र, घ) उद्योग तथा वाणिज्य क्षेत्र। डा० अनिल कुमार गुप्ता एसोसियेट प्रोफेसर तथा श्रीमती चन्द्राणी बंधोपाध्याय, सहायक प्रोफेसर इस कार्यशाला के समन्वयक थे।

6-2-7 नवीन शिक्षा विभाग (डी एस ई एल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम एच आर डी), भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम साक्षर भारत को आरंभ किया था। इसका उद्देश्य प्रौढ शिक्षा को बढ़ाना तथा सुदृढ़ करना हैं विशेषकर महिलाओं में जिन प्रौढों ने औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर खो दिया हों और ऐसी शिक्षा प्राप्त करने की मानक आयु पार कर ली हो, ऐसे भी इस स्कीम का लक्ष्य है। बाद की स्थितियों में, मौलिक साक्षरता के अलावा पांच नये कार्य साक्षरता पहलु (आपदा प्रबंधन भी उनमें से एक है) इस कार्यक्रम में जोड़े गये हैं। इस संदर्भ में, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण ने एन आई डी एम से आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विषय पर उनके प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुरोध किया था। एन आई डी एम ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (TOT) कार्यक्रम 11-14 नवम्बर, 2013 को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, भारत सरकार के साथ मिलकर आयोजित किया था। 23 राज्यों के 32 राज्य संसाधन केन्द्रों से समन्वयकों/सहायक समन्वयकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। पाठ्यक्रम मॉड्यूल में मौलिक संकल्पनाओं सहित आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर तथा आपदा प्रबंधन में नागरिक सुरक्षा की भूमिका पर भी सत्रों का समावेश किया गया था। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन तथा नागरिक सुरक्षा के संबंध में मुख्य तौर पर एन आई डी एम संकाय द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रतिभागियों ने सत्रों की अच्छी सराहना की थी। इस प्रकार प्रशिक्षित के आरपीज मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। मास्टर प्रशिक्षक प्रेरकों (साक्षरता मिशन की श्रृंखला में अंतिम कार्यकर्ता) को समुदायों को ऐसी शिक्षा का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे।

मननीय प्रधान मंत्री, भारत ने स्कूल शिक्षा तथा साक्षरता विभाग (डी एस ई एल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम एच आर डी), भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम साक्षर भारत को आरंभ किया था। इसका उद्देश्य प्रौढ शिक्षा को बढ़ाना तथा सुदृढ़ करना हैं विशेषकर महिलाओं में जिन प्रौढों ने औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर खो दिया हों और ऐसी शिक्षा प्राप्त करने की मानक आयु पार कर ली हो, ऐसे भी इस स्कीम का लक्ष्य है। बाद की स्थितियों में, मौलिक साक्षरता के अलावा पांच नये कार्य साक्षरता पहलु (आपदा प्रबंधन भी उनमें से एक है) इस कार्यक्रम में जोड़े गये हैं। इस संदर्भ में, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण ने एन आई डी एम से आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विषय पर उनके प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुरोध किया था। एन आई डी एम ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (TOT) कार्यक्रम 11-14 नवम्बर, 2013 को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, भारत सरकार के साथ मिलकर आयोजित किया था। 23 राज्यों के 32 राज्य संसाधन केन्द्रों से समन्वयकों/सहायक समन्वयकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। पाठ्यक्रम मॉड्यूल में मौलिक संकल्पनाओं सहित आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर तथा आपदा प्रबंधन में नागरिक सुरक्षा की भूमिका पर भी सत्रों का समावेश किया गया था। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन तथा नागरिक सुरक्षा के संबंध में मुख्य तौर पर एन आई डी एम संकाय द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रतिभागियों ने सत्रों की अच्छी सराहना की थी। इस प्रकार प्रशिक्षित के आरपीज मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। मास्टर प्रशिक्षक प्रेरकों (साक्षरता मिशन की श्रृंखला में अंतिम कार्यकर्ता) को समुदायों को ऐसी शिक्षा का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे।

6-2-8 नवीन शिक्षा विभाग (डी एस ई एल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम एच आर डी), भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम साक्षर भारत को आरंभ किया था। इसका उद्देश्य प्रौढ शिक्षा को बढ़ाना तथा सुदृढ़ करना हैं विशेषकर महिलाओं में जिन प्रौढों ने औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर खो दिया हों और ऐसी शिक्षा प्राप्त करने की मानक आयु पार कर ली हो, ऐसे भी इस स्कीम का लक्ष्य है। बाद की स्थितियों में, मौलिक साक्षरता के अलावा पांच नये कार्य साक्षरता पहलु (आपदा प्रबंधन भी उनमें से एक है) इस कार्यक्रम में जोड़े गये हैं। इस संदर्भ में, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण ने एन आई डी एम से आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विषय पर उनके प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुरोध किया था। एन आई डी एम ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण (TOT) कार्यक्रम 11-14 नवम्बर, 2013 को राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, भारत सरकार के साथ मिलकर आयोजित किया था। 23 राज्यों के 32 राज्य संसाधन केन्द्रों से समन्वयकों/सहायक समन्वयकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। पाठ्यक्रम मॉड्यूल में मौलिक संकल्पनाओं सहित आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर तथा आपदा प्रबंधन में नागरिक सुरक्षा की भूमिका पर भी सत्रों का समावेश किया गया था। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन तथा नागरिक सुरक्षा के संबंध में मुख्य तौर पर एन आई डी एम संकाय द्वारा व्याख्यान दिये गये। प्रतिभागियों ने सत्रों की अच्छी सराहना की थी। इस प्रकार प्रशिक्षित के आरपीज मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। मास्टर प्रशिक्षक प्रेरकों (साक्षरता मिशन की श्रृंखला में अंतिम कार्यकर्ता) को समुदायों को ऐसी शिक्षा का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे।

अन्ना प्रबंधन संस्थान, चेन्नई में तारीख 13 नवम्बर, 2013 को राजस्व विभाग प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से “राज्य आपदा प्रबंधन योजना निर्माण” विषय पर राज्य स्तर की एक कार्यशाला आयोजित की गयी थी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थानों सहित राज्य सरकार विभागों के विभिन्न अधिकारियों को किसी भी प्रकार की आपदाओं के कारण जोखिमों के प्रभावी रोकथाम तथा न्यूनीकरण के लिए आपदा प्रबंधन योजना विकास विषय पर ज्ञान प्रदान करना था। राजस्व, कृषि, जल संसाधन, औद्योगिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य, वाणिज्य और उद्योग, स्वास्थ्य, पुलिस अग्नि शमन, वायुसेवा, एन डी आर एफ विश्व विद्यालयों और संस्थानों और एन आई सी तथा अनेको अन्य विभागों से 55 प्रतिभागियों ने इसी प्रशिक्षण में भाग लिया था। कार्यशाला का समन्वय डा. अनिल कुमार गुप्ता (योजना नियोजन प्रभाग के अध्यक्ष, (एन आई डी एम) श्रीमती श्रीजा एस नायर, सहायक प्रोफेसर एन आई डी एम तथा श्री आशीश चटर्जी (अतिरिक्त आयुक्त, आपदा न्यूनीकरण तथा प्रबंधन, तमिलनाडू सरकार) द्वारा किया गया। स्थानीय समन्वय श्री आरसु सुन्दरम एसोसियेट प्रोफेसर एवं डी एम सी अध्यक्ष अन्न प्रबंधन संस्था द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री टी एस श्रीधर, अपर मुख्य



चित्र: 6.11 कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राजस्व प्रशासन आयुक्त थिरुदा टी. एस श्रीधर

सचिव एवं राजस्व प्रशासन आयुक्त) द्वारा किया गया था। श्री आशीश चटर्जी ने राज्य योजना विधि अधिदेश तथा संबंधित विभागों की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला। डा. जे. राधाकृष्णन, सचिव, स्वास्थ्य, तमिलनाडु सरकार ने भी एकीकृत डा. एम नियोजन के मुद्दों पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यशाला के विषयों में डी आर आर संकल्पनाएँ तथा क्षेत्र, विधि मुद्दे को मुख्य धारा में लाना, एस डी एम पी के दिशानिर्देश तथा ढांचा नियोजन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता तथा विभिन्न विभागों की भूमिका शामिल थे।

6-2-9 “jlk;fud vk|kfxd vkink, vkQ lkbV vkikrdkyhu ic/ku rFkk ftyk ic/ku ;ktukvk d l kFk ,dhdj.k’

एन आई डी एम ने संरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण हेतु बहुल शिक्षण केन्द्र (एस एच ई हेतु एम डी सी) उडीसा के सहयोग से 18-20 दिसम्बर, 2013 के दौरान एम डी सी-एस एच ई भुवनेश्वर के परिसर में तीन दिवस की एक सेमिनार रसायनिक (औद्योगिक) आपदाएँ-ऑफ साइट आपात कालीन प्रबंधन तथा जिला प्रबंधन योजनाओं के साथ एकीकरण “विषय आयोजित की थी। इस राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन डा. तारादत्त, आई ए एस, अपर मुख्य सचिव, उडीसा और सी एम डी, ओ एस डी एम ए द्वारा किया गया था। श्री जी. एस. खुंतिया, उपाध्यक्ष एम डी सी ऑन एस एच ई ने प्रतिनिधियों तथा संसाधन व्यक्तियों का हृदय से स्वागत किया। रसायनिक आपदा प्रबंधन



चित्र: 6.12 राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में संदर्भ पुस्तक का विमोचन

के क्षेत्रों को शामिल करते हुये विभिन्न विषय वस्तुओं पर विशेषज्ञों द्वारा विचार विमर्श किया गया जिनमें रसायनिक आपदा प्रबंधन से परिचय, संस्थागत तथा विधिक ढांचा, ऑफ साइट तथा आन साइट योजना, खतरनाक रसायनों का यातायात, चिकित्सा तैयारी एवं अनुक्रिया। इस सेमिनार के सत्रों में 12 सत्र तकनीकी थे।

आई ओ सी एल चेतनी में 19 दिसम्बर को औद्योगिक निरीक्षण दौरा किया गया था इस दौरे के दौरान अग्नि शमन मॉकड्रिल आयोजित की गयी थी। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ राज्य सरकारी अधिकारियों एन आई डी एम के संकाय सदस्यों तथा उद्योग के कर्मचारियों सहित 38 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। विदाई सत्र की अध्यक्षता श्री पूर्ण चन्द्र दाश फैक्टरी मुख्य निरीक्षण उडीसा द्वारा की गयी थी। श्री दास ने एन आई डी एम तथा एम डी सी द्वारा रसायनिक आपदा प्रबंधन के बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर किये जा रहे अनवरत, प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

6-2-10 “lenk; vk/kkfjr vkink tkf[ke ic/ku fo"i; ij if'k{kdk d fy, if'k{k.k dk;Øe

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम गृह मंत्रालय) गोरखपुर पर्यावरण कार्य समूह (जी ई ए जी) तथा सामाजिक तथा पर्यावरणीय परिवर्तन संस्थान (आई एस ई टी) ने संयुक्त रूप से एन आई डी एम में 28 जनवरी 2014 को “लोचकता को जोखिम : विकास योजनाओं के भीतर जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा आपदा जोखिम



चित्र 6.13 समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का ग्रुप फोटो

न्यूनीकरण उपायों को मुख्य धारा में लाना' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यशाला का उद्घाटन श्री टी. नन्दकुमार माननीय सदस्य एन डी एम ए द्वारा किया गया तथा मेजर जनरल डा. जे.के. बंसल, माननीय सदस्य, एन डी एम ए, डा. मुजफ्फर अहमद, माननीय सदस्य, एन डी एम ए, डा. माक्रस मोनेच, अध्यक्ष, आई एस ई टी, डा. कुश वर्मा, महानिदेशक, एन आई ए आर, श्री बी.एन. सतपथी, वरिष्ठ सलाहकार योजना आयोग, प्रोफेसर भयामला मनी एन आई यू ए, डा. के जे. रमेश, सलाहकार, एम ओ ई एस, डा. कृष्ण वत्स, सलाहकार, बी.सी. पी आर, तथा डा. टी. चटर्जी, निदेशक, आई आई पी ए ने कार्यशाला की गरिमा को बढ़ाया। कार्यशाला के दौरान विकेंद्रीकृत योजना तथा भारत आवासीय विषय वस्तु के लिए जलीय मौसम विज्ञानीय आपदाओं तथा जलवायु परिवर्तन की उलझन विषय पर विशेष रूप से तथा सरकार, यू एन एजेंसियों, एन जी ओ तथा दान दाताओं से लगभग 60 नीति निर्माताओं तथा व्यवसायिकों को साथ लाने पर ध्यान दिया गया था। कार्यशाला के दौरान "जिला स्तर विकासीय योजनाओं के भीतर जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण को मुख्यधारा में लाना' विषयक मॉड्यूल का विमोचन किया गया था।

6-2-11mÜkjk[kM vkink &2013% lcd
lh[k rFkk l/kkj fd; foFk; ij
jk"Vh; dk;l'kkyk rFkk in'kuh

राष्ट्रीय आपदा प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली द्वारा 13-14 मार्च 2014 को एनआईडीएम में उत्तराखंड आपदा परियोजना पर संबंधित एजेंसियों, संस्थान व्यक्तियों तथा



चित्र: 6.14 परादर्शनी में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माननीय सदस्य डा. जे के बंसल

विशेषज्ञों से उनकी टिप्पणियों, सुझावों तथा क्रासकटिंग मुद्दों पर उनसे चर्चा करने के उद्देश्य से उत्तराखंड आपदा -2013: सबक सीखे तथा सुधार किये विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यशाला के तहत (1) उत्तराखंड आपदा रिपोर्ट -2013 तथा (2) आपदा एवं विकास को दो पैनल पर चर्चा हुई थी। क्षतिग्रस्त सड़कों केदारनाथ मन्दिर परिसर, एसएसबी श्रीनगर परिसर नदी किनारे स्थापनाओं, पुलों, बांधों आदि के संवेदनशील पुनर्निर्माण के संबंध में विभिन्न तकनीकी मुद्दों/समाधानों को कार्यशाला का उद्घाटन मेयर जनरल डा. जे.के बंसल, वी एस एम, माननीय सदस्य, एन डी एम ए द्वारा किया गया और इसमें अन्य गणमान्य व्यक्ति जैसे— डा. पी.के मिश्रा, डी जी एम, डा.टी चटर्जी निदेशक, आई आई पी ए, प्रोफेसर वी के शर्मा माननीय उपध्यक्ष सिक्किम एस डी एम ए, श्री जी वी वी शर्मा, जे एस (डीएम), एमएचए, डा. सतेन्द्र कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम, डा. आर के भंडारी पूर्व निदेशक, सी बी आर आई तथा विभिन्न सरकारों (एन जी ओ) अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों अर्थात एम एच ए एन डी एम ए, एन जी आर एफ, आई टी बी पी निमहांस, एच आई एच टी, टी सी पी ओ, सी आई एफ एफ, हुडकों, सीडब्ल्यू सी, आई एम डी यू एन डी पी, आई आई टी रुड़की, आई आई टी दिल्ली, प्रश्न, हेल्पपेज इंडिया के प्रतिनिधियों तथा एन आई डी एम के संकल्प/संस्थान सदस्यों ने भाग लिया था। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में कई संगठनों ने जो पर्वतीय सड़कों के निर्माण की विभिन्न प्रौद्योगिकियों से संबंध रखते हैं अपने अत्यक्षों का प्रदर्शन किया तथा ढाल के टूटने की चुनौती के लिए विशिष्ट समाधानों को भी प्रस्तुत किया।

6-2-12 ykpDÜkk gr| t kf[ke fodk l
;k t ukvk ei euLVhfex vuokn
ifjorlu vuodyu rFkk vkink t kf[ke
U;uhdj.k ij jk"Vh; dk;l'kkyk

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम गृह मंत्रालय), गोरखपुर पर्यावरणीय कार्य समूह (जी ई ए जी) तथा सामाजिक तथा पर्यावरणीय परिवर्तन (आई एस ई टी) संस्थान ने संयुक्त रूप से लोचक्ता के लिए जोखिम: विकास योजनाओं में मैनस्ट्रीमिंग जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला



चित्र: 6.15 कार्यशाला में धन्यवाद ग्यापित करते हुए सह
अचार्य डा. अनिल के गुप्ता

आयोजित की थी। इस कार्यशाला का उद्घाटन मेजर जनरल डा. जे के बंसल, माननीय सदस्य एन डी एम ए द्वारा किया गया था तथा डा. मुज्जफर अहमद, माननीय सदस्य, एन डी एम ए, डा. मरकुस मौनेच, अध्यक्ष आई एस ई टी डा. कुश वर्मा महानिदेशक एन आई ए आर, श्री बी एन सतयापी, वरिष्ठ सलाहकार, एम ओ ई एस डा. कृष्ण वत्स सलाहकार बी सी पी आर तथा डा. टी चटर्जी, निर्देशक आई आई पी ए, आदि गणमान्य व्यक्ति इस कार्यशाला में उपस्थित थे। इस कार्यशाला में भारत में विकेन्द्रित योजनाओं तथा आवासीय विषय वस्तुओं हेतु जलीय मौसम विज्ञानीय आपदाओं तथा जलवायु परिवर्तन की उलझनों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया था तथा सरकार यू.एन एजेंसियों एन जी ओ, तथा दानदाताओं से लगभग 60 नीति निर्माताओं तथा प्रैक्टिसनरों को एक साथ लाया गया था।

इस मॉड्यूल को जिला स्तरयी विकास योजनाओं के भीतर मैनस्ट्रीमिंग जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण नामक शीर्ष से कार्यशाला के दौरान विमोचन किया गया था।

6-2-13, u vkb! Mh ,e dk ln< rFkk
foLrkj dju d fy, lki{k
egRo ;ktuk fo"k; ij mueknd
%ciuLVkfex% egklHkk

एन आई डी एम में 17 जनवरी, 2014 को एन आई डी एम को सुदृढ़ तथा विस्तार करने के लिए सापेक्ष महत्व योजना पर एक उन्मादक कार्यशाला आयोजित हुई थी।

डा. सतेन्द्र, ई डी, एन आई डी एम ने स्वागत भाषण देते समय इस बात पर बल दिया कि भारत में आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर क्षमता विकास की बृहत मांग को मद्देनजर रखते हुये एन आई डी एम के विस्तार की आवश्यकता है। मानद अतिथि के रूप में, डा. कबीर शेख, निदेशक महत्मा गांधी संदधृत विकास तथा भााति संस्थान (यूनेस्को), नई दिल्ली ने अपने संबोधन के दौरान इस पर बल दिया कि विषय के बहुल शिक्षण प्रकृति पर ध्यान देने के अलावा संस्थागत संदधृतता तथा विकास हेतु प्रमुख पहलुओं के रूप में संकाय सदस्यों के मानव संसाधन विकास तथा प्रोन्नति मार्ग पर ध्यान दिया जाये। कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य थे:

- ❖ एन आई डी एम द्वारा शैक्षणिक गतिविधियों को पूरा करने के लिए ढांचा पर चर्चा तथा रूप रेखा प्रस्तुत करना तथा एन आई डी एम की क्षमता आवश्यकताओं तथा अन्तरों का परीक्षण करना।
- ❖ एन आई डी एम संकाय की वर्तमान संरचना का पुनरीक्षण करना तथा प्रभावकारी तथा अपेक्षाकृत अधिक लाभदायक शैक्षणिक संरचना के लिए सुझाव देना।
- ❖ शैक्षणिक रिक्तियों को भरने के संबंध में विस्तार के लिए सुझाव देना तथा इंजीनियरिंग अनुभाग सहित संकाय तथा प्रशासन विंग में पदों के सृजन के लिए प्रस्ताव तैयार करना।
- ❖ एन आई डी एम के प्रस्तावित परिसर को ध्यान में रखकर इसके लिए ले आउट तथा डिजाइन हेतु योजना तथा ढांचे का सुझाव देना।



चित्र: 6.16 कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते
राष्ट्रीय आपदा प्रबंध संस्थान कार्यकारी निदेशक

6-2-14 if'k{k.k vko'; drk fo'y'k.k vkj okf'kid if'k{k.k lEeyu

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान को प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण (एटीसी) तथा वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन (एटीसी) 6-7 फरवरी, 2014 को एन आई डी एम, नई दिल्ली में आयोजित हुआ था। सम्मेलन के प्रथम दिन प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण तथा दूसरे दिन वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन पर विचार किया गया। चालू वर्ष के लिए आवश्यकता पर आधारित पाठ्यक्रमों, आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा संबंधित विभागों/एजेंसियों के कार्यक्रमों में इसकी मेनस्ट्रीमिंग के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पहलों का संस्थागतीकरण पर और अधिक बल दिया जाना था। श्री अनिल कुमार सिंह, माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। प्रोफेसर विनोद कुमार शर्मा, माननीय उपाध्यक्ष, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा श्रीमती नीलकमल दरबारी, संयुक्त सचिव (प्रशासन) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ-साथ अन्य प्रतिभागियों में महानिदेशक/निदेशक, राज्य ए.टी.आई, अध्यक्ष, संकाय, केन्द्रीय आपदा प्राधिकरण केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रशिक्षण संस्थानों ने सम्मेलन में भाग लिया था। दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन प्रशिक्षण आवश्यकता आंकलन प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया गया। सम्मेलन के दौरान बहुतों ने क्षमता निर्माण तथा चेतना स्तर के अन्तर पर विशेष बल दिया गया था। इस पर भी बल दिया गया था कि प्रायः टी एन ए कर लिया



चित्र: 6.17 वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिंह

जाता है तथा फीडबैक ले लिया जाता है परन्तु फीड बैक को अद्यतन तथा विश्लेषित नहीं किया जाता है। जिन क्षेत्रों पर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है, उन नये क्षेत्रों पर विशेष बल दिया गया था जिनमें पशुओं की देखभाल संकट के समय आई डी आर एन का उपयोग, बचाव में लगे कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य मुद्दे आदि शामिल हैं। दूसरे दिन, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने वर्ष 2013-14 की एन आई डी एम की उपलब्धियों तथा 2014-15 के लिए रणनीति पर चर्चा की।

6-2-15 l[kk U;ukdj.k rFkk ic/ku ij jk"Vh; if'k{k.k dktjh ei vk;kft r fd;k x;kA

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) ने सेंट्रल अरिड जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट (काजरी), जोधपुर के सहयोग से 24-28 मार्च, 2014 के दौरान काजरी, जोधपुर, राजस्थान में “सूखा न्यूनीकरण तथा प्रबंधन” पर सफलतापूर्वक एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। डा. के. जे. आनंद कुमार, एसोसियेट प्रोफेसर, एन आई डी एम तथा डा. सुरेश कुमार, प्रभागाध्यक्ष, काजरी ने पाठ्यक्रम को डिजाइन तथा आयोजित किया था। श्री राहुल गानहेन, कनिष्ठ परामर्शदाता ने भी एन आई डी एम का प्रतिनिधित्व किया था। गुजरात उत्तराखण्ड तथा राजस्थान के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों के वी के तथा एन जी ओ से 25 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया। विषय के विशेषज्ञों द्वारा सूखा आंकलन, अनुवीक्षण तथा घोषणा पर व्याख्यान दिये गये जिनमें विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित न्यूनीकरण उपायों, भूमि उपयोग तथा फसलें शामिल थे। जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से भविष्यानुकूल सूख प्रबंधन, सूखा सहन सीमा प्रजनन तथा जीविका सुनिश्चित पर भी विशेष बल दिया गया था। प्रतिभागियों को जोधपुर के आस पास काजरी फार्म में खेती स्थलों तथा भूमि एवं जल संरक्षण स्थलों पर भी ले जाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा० ए. टी. जयशीलन, महाबंधक, क्षेत्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र, जोधपुर द्वारा किया गया था। डा० एम.एम. रॉय, निदेशक, काजरी ने उद्घाटन एवं विदाई सत्र में भाग लेने के अलावा एक व्याख्यान भी दिया था।



चित्र 6.19 डा0 एम0एम0 राय, निदेशक काजरी सूखा न्यूनोकरण तथा प्रबंधन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए

6-2-16 vkikr dky ic/ku grj jk"Vh; MkVkc1% ukMy vf/kdkfj;k dh cBd

देश में आपात काल प्रबंधन के संबंध में डिजाइन विकास तथा आपातकाल प्रबंधन (एन डी ई एम) हेतु राष्ट्रीय डाटाबेस कार्यान्वित करने का कार्य अंतरिक्ष विभाग (डि यू एस) को सचिवों की समिति ने सौंपा था। डी ओ एस की ओर से, राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केन्द्र (एन आर एस सी) एन डी ई एम को कार्यान्वित तथा प्रचालनीकृत करने के लिए अग्रणी एजेंसी हैं। एन आर एस सी ने, की सहायता से 19 फरवरी, 2014 को एन आई डी एम में एन डी ई एम के नोडल अधिकारियों के लिए एक बैठक आयोजित की थी। बैठक का उद्देश्य नोडल मंत्रालयों तथा एजेंसियों के पास उपलब्ध डाटा तथा सूचना के बारे में तथा लाभदायक सहयोग एवं तंत्र स्थापित करने के बारे में परिचित कराना था। केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के राज्य प्रतिनिधि, एन आर एस सी, डी ओ एस तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान से 26 अधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिया था। श्री बी. भानुमूर्ति परियोजना निदेशक, एन डी ई एम ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा आपदा प्रबंधन सहायता (डी एम एस) कार्यक्रम तथा एन डी ई एम के विभिन्न घटकों के बारे में जानकारी प्रदान की। डा0 सतेन्द्र कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने एन आर एस सी के प्रयासों की सराहना की तथा

आश्वासन दिया कि एन आई डी एम अपातकालीन प्रबंधन को के उपयोग के लिए एन डी ई एम के साथ आई डी आर एन डाटाबेस को एकीकृत करने में इच्छुक रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि एन आई डी एम अधिकारियों के क्षमता निर्माण में बड़ी भूमिका अदा कर सकता है ताकि वे एन डी ई एम को प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कर सकें। श्री विनोद कुमार शर्मा, वैज्ञानिक ने पोर्टल के प्रदर्शन के साथ एन डी ई एम स्थिति की विस्तृत प्रस्तुती दी। डा0 मूर्ति रेमिला ने वर्ष 2012-13 के दौरान एन डी ई एम की 6 क्षेत्रीय बैठकों के संबंध में संक्षेप में जानकारी प्रदान की। विभिन्न भागीदार विभाग तथा एन आई डी एम के नोडल अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, डाटा की उपलब्धता, वांछित प्रारूपों में साझा तथा साझा करने की चुनौतियों के बारे में चर्चा की तथा आपातकाल के दौरान इनके उपयोग पर भी विचार किया। भागीदारों ने भी वास्तविक समय दृश्यलेख में उपयोग करने में सुधार करने के लिए सुझाव दिये। बैठक का समापन श्री भानुमूर्ति के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।



चित्र 6.19 डा0 एम0एम0 राय, निदेशक काजरी सूखा न्यूनोकरण तथा प्रबंधन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए

6-2-17 {k=h; fof'k"Vh d'r ek1e foKkuh; dUn1 %vkj ,l ,e lh% d1 if'k{k.kkfFk;k; d1 mUe[kh dk;Øe

26 फरवरी, 2014 को क्षेत्रीय विशिष्टीकृत मौसम विज्ञापन केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों को एन आई डी एम में “क्षमता निर्माण के जरिये चक्रवात आपदा प्रबंधन” विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों में

श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के चक्रवात चेतावनी केन्द्रों से थे। इस उन्मुखी कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन ढांचे के बारे में सुग्राह्य बनाना था। डा सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक ने अपने स्वागत भाषण में एन आर डी एम को आपदा प्रबंधन योजना तथा गतिविधियों/कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को बताया। डा. के. जे आनंद कुमार, एसोसियेट प्रोफेसर द्वारा “भारत में आपदा प्रबंधन का प्रारंभ तथा संस्थागत ढांचों” तथा “चक्रवातों का अनुभव: मुद्दे तथा सीखे सबक पर प्रस्तुति पेश की गयी थी। कार्यक्रम का समापन समूह चर्चा के साथ हुआ।

6-2-18 iR;kiu ifØ;k vkj uhfr ij dk;l'kkyk rFkk jk"Vh; pØokr tkf[ke U;uhdj.k ifj;ktuk d fy, if'k{k.k ekM;y

एन सी आर एम पी के तहत “आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए दीर्घकालीन प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण रणनीति तैयार करने” के अध्ययन हेतु एक कार्यशाला 5 फरवरी 2014 को एन आई डी एम में परामर्शी फर्म सीडस टेक्निकल सर्विसेज तथा नोलिज लिंक के जरिये एन आई डी एम की ओर से कार्यशाला आयोजित की गयी थी। इस परामर्शी कार्यशाला का उद्देश्य चर्चा करना तथा गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्यों तथा अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रत्यापन प्रक्रिया पर तथा इस अध्ययन के एक भाग के रूप में प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने में अनुसरित दृष्टिकोण पर निवेश प्राप्त करना था। इन निवेशों से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रत्यापन प्रक्रिया और नीति को अन्तिम रूप देने में सहायता करेंगे जो कि इस अध्ययन की प्रमुख उपलब्धि होगी। डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने उद्घाटन भाषण दिया तथा डा के जे आनंद कुमार परियोजना समन्वयक, एन सी आर एम पी ने अध्ययन के प्रस्तावना का संक्षेप में वर्णन किया।



चित्र: 6.20 एनआईडीएम अधिशासी निकाय की सातवीं बैठक

प्रत्यापन प्रक्रिया तथा उनके द्वारा अनुसरित दृष्टिकोण पर अध्ययन हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूलों को विकसित करने के लिए परामर्शदाताओं की ओर से दी गई प्रस्तुतियों के जरिये इसका अनुसरण किया गया था। अध्ययन के लक्ष्यों तथा रिजल्ट के लिए चर्चा से कुछ सर्वोच्च स्तर पर मूल्यवान सुझावों के रूप में परिणाम सामने आये। कुल मिलाकर 26 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया जिसमें श्री अनिल कुमार सिन्हा, माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डा0 विनोद कुमार शर्मा, माननीय उपाध्यक्ष, सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधक प्राधिकरण, श्री अमित चौधरी, संयुक्त सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री एस एस जैन, उप परियोजना निदेशक, एन सी आर एम पी, एन डी एम ए, प्रोफेसर नजमा अख्तर, एच ओ डी, परियोजन एवं क्षमता निर्माण विभाग, एन यू ई पी ए, नई दिल्ली, प्रोफेसर संयुक्ता भादुडी, एच ओ डी भाहरी योजना विभाग, एस पी ए, नई दिल्ली, श्रीमती तनुश्री वर्मा, परामर्शदाता, गृह मंत्रालय, श्री अनुज तिवारी, वरिष्ठ सलाहकार बी एस डी एम ए, प्रोफेसर निर्मिता मेहरोत्रा, एच ओ डी, वास्तुकार एवं क्षेत्रीय योजना गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा, श्रीमती रेशमी चेकेती, यू एन पी डी, श्री वी श्रीनिवास, संप्रेषण विशेषज्ञ, राजस्व डी एम विभाग, आंध्र प्रदेश, श्री दुर्गा प्रसाद महापात्र, एस एम एस, पी एम यू, एन डी एम ए तथा श्री विनीत किशोर, परामर्शदाता सी डी डी एम ए एस एस शामिल थे।

6-2-19 “tyok; ifjoru vudyu d
fy, thfodk d :lk e okfudh’ fo”k; ij
if’k{k.k dk;Øe

एन आई डी एम द्वारा प्रथम बार एफ आर आई देहरादून में एफ आर आई के सहयोग से 3-7 मार्च, 2014 के दौरान एक राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलापूर्वक आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डा. पी पी भोजवैद्य, निदेशक, एफ आर आई, देहरादून द्वारा किया गया था। श्री ए एस रावत अध्यक्ष वन्य संस्कृति प्रभाग तथा पाठ्यक्रम निदेशक तथा श्री वी के धवन, एफ आर आई, देहरादून एन आई डी एम के संकाय सदस्यों (समन्वयक के रूप में) श्रीमती चन्द्राणी बन्धोपाध्याय, तथा डा. ए डी कौशिक उद्घाटन सत्र के दौरान उपस्थित थे। देश के आठ राज्यों से, राज्यों के विभिन्न वन विभागों के प्रतिनिधियों, एन जी ओ तथा विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों में से कुल 14 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा की घटना में न्यूनीकरण तैयारी, अनुक्रिया आपदा के पुर्नप्राप्ति में शामिल प्रतिभागियों की प्रशिक्षण क्षमता को बढ़ाना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दिये गये अधिकांश व्याख्यानों की प्रतिभागियों द्वारा काफी सराहना की गयी थी। श्री दीपक मिश्र, आई एफ एस, आई जी एन एफ ए द्वारा संदधुत क्षेत्रों में वृक्षा रोपण तथा स्थानीय समुदायों को भोगाधिकार लाभ देना विषय पर दिये गये व्याख्यान की प्रतिभागियों ने प्रशंसा की थी। इसके अलावा जलवायु के परिवर्तित परिप्रेक्ष्य में वन आधारित जीविका: मुददे तथा विकल्प पर श्रीमती चन्द्राणी बंधोपाध्याय एन आई डी एम द्वारा वन आधारित जीविका पर जलवायु परिवर्तन से प्रेरित प्राकृतिक जोखिम तथा अनुकूलन विषय पर डा ए डी कौशिक, एम आई डी एम द्वारा व्याख्यान दिया। मशरूम की जीविका सहयता के लिए खेती विषय पर एफ आर आई के डा० हर्ष ने व्याख्यान दिया। एक दिन का क्षेत्रीय दौरा भी प्रतिभागियों के लिए रखा गया था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर, श्रीमति जयश्री अर्दे, कार्यकारी निदेशक,

एफ आर आई देहरादून ने मजबूती से इस बात पर बल दिया की भविष्य में इसका प्रयास किया जाए कि विभिन्न संगठनों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी हिस्सा लें तथा लाभ उठायें।

6-2-20 eu LVhfex vkink tkf[ke
U;uhdj.k rFkk tyok; ifjoru vudyu
fo”k; ij if’k{k.k dk;’kkyk

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) ने गोरखपुर पर्यावरणीय समूह (जी ई ए जी), सामाजिक तथा पर्यावरणीय (आई एस ई टी) के साथ मिलकर संयुक्त रूप से जलवायु विकास ज्ञापन नेटवर्क (सी डी के एन) के तहत मेनस्ट्रीमिंग आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन विषय पर तारीख 7 मार्च, 2014 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला स्कूल ऑफ पर्यावरणीय विज्ञान (एस ई एस), बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित की थी। सी ए जी उत्तर प्रदेश की सी सी ए तथा डी आर आर आर की एक अग्रणी एजेंसी है जिसने सरकारी विभागों, स्वैच्छिक एजेंसियों तथा व्यक्तिगत अनुसंधान कर्त्ताओं/छात्रों को शामिल करके विभिन्न हित धारकों को योग्य बनाने हेतु गोरखपुर में, तथा लागू करने की दिशा में दक्ष बनाने के लिए प्रक्रिया प्रारंभ की थी। एन आई डी एम, नई दिल्ली तथा सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तन संस्थान (आई एस ई टी) यू एस ए इस परियोजना में जी ई ए जी के साथ भागीदारी कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण



चित्र: 6.21 रूराष्ट्रीय चक्रवात जोखिम शमन प्रयोजना कार्यशाला के प्रतिभागी

कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय के युवा अध्येताओं एवं अनुसंधानकर्ताओं को क्षमता को डी आर आर तथा सी सी ए को बढ़ाने के लिए निर्मित करना था जिसे वे ज्ञान के लिए योगदान तथा ज्ञान विकास, में साक्षा होकर पूरा कर सकते थे। शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं तथा छात्रों को आपदा प्रबंधन तथा जलवायु परिवर्तन सकल्पनाओं तथा भाव्दावलियों, विकासशील योजनाओं के भीतर डी आर आर तथा सी सी ए एकीकरण हेतु प्रचालनीय ढांचा खतरा, घातकता तथा जोखिम मान चित्रण तथा विभिन्न स्तरों पर डी आर आर तथा डी एम योजना के लिए सूचना प्रबंधन तथा विकास योजना में मेनस्ट्रीमिंग तथा राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश द्वारा ली गयी पहल से परिचित कराया गया था। मुख्य अनुशंसाओं के समूह को कार्यशाला में उजागर किया गया था। पर्यावरणीय अध्ययनों से संबंधित केन्द्रीय तथा राज्य विश्वविद्यालयों तथा केन्द्रों को सी सी ए तथा डी आर आर के संयोजन को बढ़ावा देने के लिए अन्तर शिक्षणीय केन्द्रों को स्थापना के जरिये नेतृत्व करना चाहिए।

6-3 cBd@ifrfuf/kRo

6-3-1 ,uvkbMh,e dh vf/k'kk1h fudk; dh lkroh cBd

एन आई डी एम की अधिशासी निकाय की 7वीं बैठक तारीख 23 अगस्त, 2013 को श्री एम शशिधर रेड्डी, माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन डी एम ए) की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी। कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने अधिशासी निकाय की 6वीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई प्रस्तुत की। उन्होंने यह भी सूचित किया कि एन डी एम ए के परामर्श से प्रशिक्षण कलेण्डर तैयार करने के लिए गतिविधियों चार्ट को अंतिम रूप दिया जायेगा और उस चार्ट को 2014-15 के लिए अनुसरित किया जायेगा। एन आई डी एम अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से 25% कार्यक्रम प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (टी ओ टी) के रूप में आयोजित कर रहा है। अधिशासी निकाय ने निर्णय किया कि एन आई डी एम को प्रशिक्षण आवश्यकता आंकलन (टी एन ए) पर आधारित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों



चित्र: 6.22रूआपदा जोखिम निर्वाण एवं जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के मुख्याधिकरण पर प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन

पर और अधिक ध्यान देना चाहिए। अधिशासी निकाय ने यह भी निर्णय लिया था कि एन आई डी एम को केन्द्रीय मंत्रालयों तथा राज्य सरकारों सहित हितधारकों से पराशर्म करके प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करना तथा प्रशिक्षण मॉड्यूलों को विकसित करना चाहिए। एन आई डी एम को ख्याति प्राप्त एजेंसियों जैसे—आई आई एम, आई आई टी तथा अन्य उनके साथ साझा करके संस्थानों की पहचान करके सहयोगी कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए ताकि उन्हें एन आई डी एम आयोजित प्रशिक्षण तथा अनुसंधान प्रलेखन कार्यक्रमों में भी सम्मिलित किया जा सके। अधिशासी निकाय ने एन आई डी एम के डाटाबेस की सलाहना की तथा संस्थान को सलाह दी कि संस्थान को प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षणार्थियों के डाटाबेस को नियमित रूप से अद्यतन बनाते रहना चाहिए तथा सरल एवं आशानुरूप उपयोग के लिए संकाय चुनने हेतु तलाश पत्र के साथ उन्नत बनाते रहना चाहिए। यह भी निर्णय लिया गया कि एन आई डी एम को दो माह के भीतर वार्षिक रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। अधिशासी निकाय ने नवम्बर 2012 के दौरान पूर्व एशिया समझौते की स्थिति तथा मई, 2013 के दौरान राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंच के आयोजन के बारे में ध्यान प्रदान किया। इस बैठक में श्रीमती गौरी कुमार, सचिव (बीएम), गृह मंत्रालय, डा. श्याम एस अग्रवाल, सचिव, एन डी एम ए, श्री विमल कुमार, अध्यक्ष, सी डब्ल्यू सी, श्री सुरेश चन्द्र पांडा, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, श्री जी वी वी शर्मा, संयुक्त सचिव (डी एम) गृह मंत्रालय, श्रीमती नील कमल दरबारी, संयुक्त सचिव

(प्रशासन) एन डी एम ए, श्री संदीप सरकार, निदेशक (वित्त) गृह मंत्रालय, श्रीमती प्रीति बनजाल जे ए (क्षमता निर्माण तथा प्रशिक्षण) एन डी एम ए, श्री दीनानाथ, जे डी व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, प्रोफेसर सैबल चट्टोपाध्याय, निदेशक, आई आई एम, कोलकाता, प्रोफेसर एम एल शर्मा, विभागाध्यक्ष, भूकंप इंजिनियरी विभाग, आई आई टी, रूडकी, डा० श्री नागेश, मुख्य वैज्ञानिक, एन जी आर राव, श्री टी विश्वनाथ, उपाध्यक्ष, एन डी एम ए के विशेष कार्यकारी उपस्थिति हुये थे। अधिशासी निकाय ने विभिन्न कार्य सूची मदों पर विचार किया और अनुमोदित किया तथा प्रस्तावों पर कार्यान्वयन के लिए निदेश भी दिये।

6-3-2 रदुहध; ल्यगदक लफेर ४व, १ह ध इफेे cBd

तकनीकीय सलाहकार समिति (टी ए सी) की पहली बैठक एन आई डी एम में 19 नवम्बर, 2013 को आयोजित हुई थी। एन आई डी एम की अधिशासी निकाय की 7वीं बैठक 23 अगस्त, 2013 को माननीय उपाध्यक्ष, एन डी एम ए की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी जिसके दौरान तकनीकीय सलाहकार समिति (टी ए सी) का गठन, एन आई डी एम के शैक्षणिक तकनीकीय तथा सापेक्ष योजना संबंधी मामलों पर चर्चा करने तथा अनुशंसा प्रदान करने के लिए किया गया था। अनेक तकनीकी तथा शैक्षणिक मामले जैसे अनेक नीतियों प्रशिक्षणार्थी तथा प्रशिक्षक डाटाबेस, सहयोगी तथा एन आई डी एम सापेक्ष योजनाओं पर चर्चा हुई थी। बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर



चित्र: 6.23 एनआईडीएम की अधिशासी निकाय की सातवीं बैठक

हर्ष के गुप्ता, माननीय सदस्य, एन डी एम ए ने की तथा प्रोफेसर श्री अश्वनी कुमार, डीन, भूकंप इंजीनियरिंग, आई आई टी, रूडकी, डा सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक एन आई डी एम (सदस्य सचिव) तथा डा. अनिल कुमार गुप्ता, एसोसियेट प्रोफेसर तथा अध्यक्ष पीपी सी सी आई प्रभाग, एन आई डी एम (समन्वयक) उपस्थित हुये थे। इस समिति के निर्णयों को एन आई डी एम की अधिशासी निकाय को प्रस्तुत किये जायेगा।

6-3-3 jk"Vh; pØokrh; tkf[ke U;uhdj.k ifj;ktuk dh dUnh; iujh{k.k lfefr dh cBd

केन्द्रीय पुनरीक्षण समिति की दूसरी बैठक 23 दिसम्बर, 2013 को एन डी एम ए में अध्ययन की स्थिति तथा लक्ष्यों (डेलीवरेबिल) का अनुवीक्षण करने के लिए हुई थी। बैठक की कार्यसूची में 1 से 8 तक लक्ष्यों की प्राप्ति 2013 हुई पिछली बैठक के कार्यवृत्त पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई का पुनरीक्षण करना शामिल था। पी आई यू दल के लिए एन आई डी एम की ओर से प्रतिनिधित्व में डा० सतेन्द्र कार्यकारी निदेशक एवं परियोजन निदेशक, एन आई डी एम डा० के.जे. आनंद कुमार, परियोजना समन्वयक एन सी आर एम पी, श्रीमती प्रियंका चौधरी, विशेषज्ञ तथा श्रीमती रानी धनकड, परियोजना एसोसियेट शामिल थे। अध्ययन की वर्तमान स्थिति के बारे में प्रस्तुती अनुमोदित लक्ष्यों तथा अध्ययन की पूर्णतः हेतु भविष्य की योजना पर विशेष बल एन आई डी एम पी आई यू की ओर से श्रीमती प्रियंका चौधरी द्वारा दिया गया था। इसके परिणाम स्वरूप समिति सदस्यों के बीच अध्ययन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई तथा कुछ मूल्यवान निवेश इस प्रक्रिया में प्राप्त हुये थे। बैठक का समापन सलाहकार द्वारा प्रमुख भावी लक्ष्यों के घटकों पर जो प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण पर श्वेत पत्र होगा, प्रस्तुति के साथ हुआ।

6-3-4 LFkk;h l ykgdkj lfefr ४, १, १ह ध इफेे cBd

स्थायी सलाहकार समिति (एस ए सी) की प्रथम बैठक एन आई डी एम में 25 फरवरी, 2014 को हुई थी। एन आई डी एम की अधिशासी निकाय की माननीय उपाध्यक्ष,

एन डी एम ए की अध्यक्षता में 23 अगस्त, 2013 को हुई 7वीं बैठक में एस ए सी का गठन एन आई डी एम के प्रशासकीय वित्तीय तथा स्थापना मामलों से संबंधित प्रस्तावों पर विचार करने तथा अपनी अनुशंसा प्रदान करने के लिए किया गया था। इस बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर एच के गुप्ता, माननीय सदस्य, एन डी एम ए द्वारा की गयी थी तथा इस बैठक में श्रीमती नील कमल दरबारी, संयुक्त सचिव (प्रशासन), एन डी एम ए श्री प्रदीप कुमार महापात्र, उड़ीसा सरकार के प्रधान सचिव, राजस्व आपदा प्रबंधन तथा विशेष राहत आयुक्त, डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम, डा0 भूप सिंह, सलाहकार/वैज्ञानिक “जी” एन आर डी एम एस प्रभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, श्री आशीश पांडा, अवर सचिव, गृह मंत्रालय तथा श्री ब्रिजेश सिक्का, अवर सचिव (वित्त –iv) गृह मंत्रालय उपस्थित थे। इसके लक्ष्यों/निर्णयों को एन आई डी एम अगले अधिशासी निकाय को प्रस्तुत किया जायेगा।



चित्र: 6.24 रूतकनीकी परामर्श समिती की बैठक में अध्यक्षता करते हुए एनडीएमए के माननीय सदस्य प्रो. हर्ष कुमार गुप्ता

6-3-5 jk"Vh; rFkk virjk"Vh; d;l v/;;uk
d; tfj; f'k{kk ei t kf[ke rFkk vkikrfLFkfr
ij ic/k dju gr dk; 'kkyk' gr virjk"Vh;
fMiykek ifrHkkfx; k gr mUe[kh dk; Øe

एन आई डी एम में 20 मार्च, 2014 को “राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय केस अध्ययनों के जरिये शिक्षा में जोखिम तथा आपातस्थिति पर प्रबंधन करने हेतु कार्यशाला’ हेतु अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा प्रतिभागियों का आगमन हुआ था जिसमें 17 राष्ट्रों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। कार्यशाला का ध्यान प्रतिभागियों को शिक्षा प्रणाली के



चित्र: 6.25 बैठक में प्रो. हर्ष कुमार गुप्ता, माननीय सदस्य एनडीएमए श्रीमती नीलकमल दरबारी, संयुक्त सचिव (प्रशासन) के साथ

क्षेत्र में आपदा प्रबंधन हेतु आवश्यकता के बारे में विशेष रूप से स्कूलों पर सुग्राह्य बनाने पर था। डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम ने प्रतिभागियों के स्वागत के साथ-साथ उनसे परस्पर विचार विमर्श किया तथा एन आई डी एम की ओर से चलाये जा रहे ऑन लाईन कार्यक्रमों की जानकारी भी उन्हें दी गयी थी। डा0 के जे आनंद कुमार तथा डा0 सुषमा गुलेरिया ने क्रमशः आपदा प्रबंधन तथा संस्थागत ढांचा और स्कूल सुरक्षा पर मौलिक संकल्प पर प्रस्तुतियों प्रस्तुत की डा0 आनंद कुमार ने संक्षेप में विभिन्न खतरों आपदाओं, सहयोजित जोखिमों, धातकताएँ, क्षमताओं की पहचान तथा वृद्धि करना के बारे में स्पष्ट किया और जोखिम प्रबंधन की ओर संकट प्रबंधन को प्रतिमान शिफ्ट करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आपदा जोखिम प्रबंधन में तैयार, न्यूनीकरण तथा रोकथाम रणनीतियां तथा पहलें शामिल होती हैं। उन्होंने आपदा प्रबंधन में एन आई डी एम द्वारा अदा की गयी भूमिका के बारे में भी संक्षेप में पूरी जानकारी दी।

6-4 virjk"Vh; ep ei ,u vkb| Mh ,e
6-4-1 ,u vkb| Mh ,e u vkin k t kf[ke
ic/ku ij of'od ep d; 4o; l= ei Hkkx
fy; k

आपदा जोखिम प्रबंधन पर वैश्विक मंच का चौथा सत्र 19-23 मई, 2013 के दौरान सैन्टर इन्टरनेशनल डे

कॉन्फ्रेंस जिनेवा (सी आई सी जी), जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित हुआ था। इस उत्सव का आयोजन यू एन आई एस डी आर द्वारा किया गया था। भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व श्री ए के मंगोत्रा, सचिव (बी एम), गृह मंत्रालय द्वारा किया गया था तथा इस प्रतिनिधि मण्डल में डा० श्याम एस. अग्रवाल, सचिव, एन डी एम ए, डा पी एम नायर, डी जी, एन डी आर एफ, प्रोफेसर संतोष कुमार एन आई एम, श्री संजय अग्रवाल, निदेशक, गृह मंत्रालय, श्री शेखर चतुर्वेदी, एन आई डी एम तथा श्री एस के तिवारी एन आई डी एम शामिल थे जिन्होंने विभिन्न सत्रों में भाग लिया था। एन आई डी एम के श्री शेखर चतुर्वेदी तथा श्री संतोष कुमार तिवारी ने उत्सव के बाजार स्थान पर एन आई डी एम बूथ का प्रबंध करके एन आई डी एम, एन डी एम ए एवं एन डी आर एफ द्वारा विकसित किये गये डी आर आर प्रलेखों तथा आई ई सी सामग्रियों का वितरण उन प्रतिभागियों में किया जो एन आई डी एम बूथ पर आये थे। उत्सव के दौरान, विभिन्न देशों के सैकड़ों प्रतिनिधि बूथ पर आये थे तथा उन्होंने संस्थान देश में आपदा प्रबंधन के ढांचे तथा देश में डी आर आर की पहलों के बारे में पूछ ताछ की थी। इन प्रश्नों के उत्तर बूथ को देख रहे एन आई डी एम के अधिकारियों ने दिये। यह पहला मौका था जब भारत ने वैश्विक आपदा जोखिम न्यूनीकरण मंच की प्रदर्शनी में भाग लिया था।

6-4-2 18 & 22 uoEcj] 2013 d nkjku D;kVk] tkiku e vk;kftr vkb l h ,y&vkb ih ,y] D;kVk d kUÝl 2013 e ,u vkb Mh ,e u Hkx fy;kA

भूस्खलन (आई सी एल) पर अंतर्राष्ट्रीय संघ ने क्योटो, जापान में 18-22 नवम्बर, 2013 के दौरान एक सम्मेलन आयोजित किया था इसमें वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी नेटवर्क को सुदृढ़ करने हेतु तथा सुरक्षित भू-पर्यावरण सृजित करने हेतु साझीदारी बढ़ाने के रणनीतिक चर्चा के आयोजन के लिए किया गया था। सम्मेलन के दौरान, बेजिंग, चीन में 2-6 जून, 2014 के दौरान-कार्यान्वयन योजना विश्व भूस्खलन संघ-3 के आयोजन पर भी आई सी एल के प्रतिनिधि बोर्ड (बी ओ आर) के नियमित 12वें सत्र तथा भूस्खलन पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आई पी



चित्र: 6.25 अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा प्रतिभागियों हेतु उन्मुखी कार्यक्रम

एल) वैश्विक प्रोत्साहन समिति तथा आई पी एल संगोष्ठी 2013 के 8वें सत्र के अलावा विचार किया गया था। डा० सूर्य प्रकाश, एसोसियेट प्रोफेसर तथा नेता, भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण श्रेष्ठता विश्व केन्द्र (आई सी एल एवं आई पी एल -आई एस डी आर), एन आई डी एम को आई सी एल द्वारा सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया था। एन आई डी एम प्रलेखन, प्रशिक्षण तथा भूस्खलन जोखिम प्रबंधन हेतु क्षमता विकास विषय पर आई पी एल परियोजना-172 पर कार्य कर रहा है तथा भूस्खलन जोखिम प्रबंधन पर आई सी एल के विषयक नेटवर्क का समन्वय कर रहा है।

6-5 vU; xfrfof/k;k

6-5-1 ,u vkb Mh ,e dh vkb vkb Vh ,Q 2013] 14 & 27 uoEcj] 2013 e Hkxhnhkj h

एन आई डी एम ने एन डी एम ए तथा एन डी आर एफ के सहयोजन में अपनी सामग्रियों तथा मॉडलों को लोगों



चित्र: 6.27: सूचना शिक्षा संचार विषयों पर परदर्शनी-आपदा जोखिम निर्वाण के विश्व मंच पर

के बीच आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए भारतीय अन्तराष्ट्रीय व्यापार मेले में दर्शाया था। एन आई डी एम ने दर्शकों, द्रवीकरण परीक्षण हेतु प्रदर्शित कम्पीय मेज प्रदर्शित भूकंप अवरोध भवन मॉडलों आपदा प्रबंधन पर गली नाटक (नुक्कड़ नाटक) स्कूल सुरक्षा पर स्कूल बच्चों का लघु नाटिका का आयोजन किया विभिन्न आपदा संबंधी विषयों, पर सामग्रियों में साझा किया था।

माननीय सदस्यगण, एन डी एम ए, सचिव/संयुक्त सचिव/निदेशकगण, एन डी एम ए, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम तथा एन डी एम ए, एन डी आर एफ तथा एन आई डी एम के कर्मचारीगण की उपस्थिति में तारीख 14.11.2013 को श्री एम शशिधर रेड्डी, माननीय उपाध्यक्ष, एन डी एम ए की अध्यक्षता में स्टॉल का उदघाटन किया गया था। एन आई डी एम ने अपने उत्पादों तथा गतिविधियों को कालेज के रूप में प्रदर्शित किया था तथा संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न प्रशिक्षण, सम्मेलनों तथा माड्यूलों को भी दर्शाया था। इसके अलावा, एन आई डी एम ने वितरण के लिए अपने विभिन्न आई ई सी सामग्रियों को तथा अनेक अन्य प्रकाशनों को प्रदर्शन के लिए रखा था। श्री एम. शशिधर रेड्डी माननीय उपाध्यक्ष, एन डी एम ए द्वारा उदघाटन समारोह के दौरान विभिन्न आपदाओं को दर्शाते हुये कलैण्डर का भी विमोचन किया गया था। विस्तृत रिपोर्ट <http://nidm.gov.in/d1/report iitf% 20 2013.pdf> से प्राप्त की जा सकती है।

6-5-2 ,u vkb! Mh ,e ifjlj e! vfxu 'keu udyh vH;k! Mockdrill

एन आई डी एम 20 दिसम्बर, 2013 को अग्नि शमन का नकली अभ्यास का आयोजन किया था। इस अभ्यास के जरिये अग्नि भामको के सही उपयोग को बताया गया। प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा प्रदर्शन को संचालित किया गया। उन्होंने A,B, तथा C प्रकार अर्थात कुल 3 प्रकारों से अग्नि शमन को प्रदर्शित किया था। उन्होंने आग लगने के विभिन्न प्रकारों में इन तीन प्रकार के आग बुझाने के तरीकों को बताया। कार्यकारी निदेशक सहित एन आई डी एम के सभी संकाय सदस्यगण तथा कर्मचारीगण उस अभ्यास के दौरान उपस्थित थे।



चित्र: 6.28: आईआईटीएफ 2013 के दौरान आपदा प्रबंधन पर नुक्कड़ नाटक

6-5-3 ,u vkb! Mh ,e u! Hkkjr e! iokl ,o of'od lk;koj.kh; ifjor!u fo"K; d jk"Vh; dk;!kkyk e! Hkkx fy;kA

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा विज्ञान हेतु सरकारी कार्यालय (जी ओ एस, यूके) तथा अन्तराष्ट्रीय विकास हेतु विभाग (डी एफ आई डी) की सहायता से 4 एवं 5 मार्च, 2014 के दौरान इंडिया हेबिटेएट सेन्टर, नई दिल्ली में “भारत में प्रवास प्रथा वैश्विक पर्यावरणीय परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यशाला विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला’ आयोजित की थी। डा० अनिल कुमार गुप्ता, एसोसियेट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, नीति एवं योजना प्रभाग, एन आई डी एम ने वैश्विक पर्यावरणीय परिवर्तन, प्रवास तथा मानव अधिकार विषयक कार्यशाला के एक सत्र में अध्यक्षता की थी। उनके द्वारा अध्यक्षता किये गये सत्र में विशेष बल दिया गया कि वैश्विक पर्यावरणीय परिवर्तन प्रेरित प्रवास पात्र मानव अधिकारों की अनुभूति के लिए प्रतिकूल आशय लगाया जा सकता है। इसलिए वैश्विक पर्यावरणीय परिवर्तन प्रेरित प्रवास पर चर्चा में मानव अधिकार सिद्धांतों को एकीकृत करने की बड़ी आवश्यकता है। नीति की मान्यता तथा मौलिक मानव अधिकारों के प्रभावकारी संरक्षण आज के संदर्भ में नीति दखलों की आवश्यकता है।

6-5-4 mRrjh fnYyh uxj fuxe ¼,u Mh ,e
l h½ d f'k{kk foHkkx }kjk vk;kftr **foKku
eyk** e ,u vkb Mh ,e dh Hkkxhknkj

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग द्वारा 26 – 28 फरवरी, 2014 के दौरान आयोजित तीन दिवसीय “विज्ञान मेला” में एन आई डी एम ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की सहायता वैश्विक बचाव परामर्शों प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सहायता की गयी और इसे 6 स्कूलों में आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 26 फरवरी, 2014 को श्री आजाद सिंह, एन डी एम सी के मेयर द्वारा किया गया था। इस अवसर श्री मोहन भारद्वाज, अध्यक्ष, स्थाई समिति, सिविल लोन जोन तथा श्री आर के बंसीवाल, अध्यक्ष, शिक्षा समिति, एम सी डी स्कूल जहांगीरपुरी उपस्थित थे। प्रो० चन्दन घोष एन आई डी एम ने स्कूलों आपदा प्रबंधन के महत्व के मुद्दे पर विशेष रूप से स्कूल भवनों को भूकंप अवरोधी होने पर जोर देते हुये अधिकारियों तथा अध्यापकों को सुग्राह्य बनाया। बाद में उन्होंने स्कूली छात्रों द्वारा माडल प्रदर्शनी को देखा और एन आई डी एम के कुछ भवन माडलों को प्रदर्शित किया। इस समारोह के दौरान एन आई डी एम ने अपनी आई ई सी सामग्रियों तथा संस्थान द्वारा निष्पादित गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया।



चित्र: 6.30: मेले में प्रो. चंदन घोष

6-5-5 'kghn l[kno dky:t vkQ fctful
LVMht }kjk vk;kftr okf'kd dky:t
feyu lekjk 2014 e ,u vkb Mh ,e
dh Hkkxhknkj

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) ने

तालकटारो स्टेडियम, नई दिल्ली में तारीख 10 – 11 मार्च, 2014 को शहीद सुखदेव कालेज आफ बिजनेस स्टडीज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय “वार्षिक कालेज मिलन आरोह 2014’ में एन आई डी एम ने भाग लिया था। कार्यक्रम का उद्घाटन 10 मार्च, 2014 को डा० पूनम वर्मा, प्रधानाचार्य, “शहीद सुखदेव कालेज ऑफ बिजनेस स्टडीज’ द्वारा किया गया। कार्यक्रम जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डी डी एम ए), उत्तरी पश्चिमी जिला, दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था। समारोह के दौरान एन आई डी एम ने एक स्टाल स्थापित करके आपदा प्रबंधन के बारे में चेतना तथा प्रचार सूचना का प्रसार किया था। एन आई डी एम के दल में श्री संतोश कुमार तिवारी, श्री मनोज कुमार सिंह तथा श्री हिमांशु शामिल थे जिन्होंने एन आई डी एम ई लर्निंग पाठ्यक्रमों से छात्रों को परिचित कराया जिसके जरिये आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में छात्र तथा अध्यापकगण, सीख तथा ज्ञान विकसित कर सकें। दोनों दिवसों के दौरान, पाठ्य कलेंडरों, पोस्टरों एवं सामग्री के अलावा, छात्रों अध्यापकों तथा अन्य दर्शकों के बीच भूकंप सुरक्षा बाढ़ सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, स्कूल सुरक्षा तथा अन्य आपदा प्रबंधन विषयक विभिन्न आई आई सी सामग्रियों का वितरण किया गया था। एन आई डी एम के पुस्तकों, प्रशिक्षण मॉड्यूलों तथा दिशा निर्देशों आदि के रूप में प्रकाशनों का भी समारोह के दौरान वितरण किया गया।

6-5-6 mRrj if'pe fty dh ftyk vkink
ic/ku ikf/kdj.k ¼Mh Mh ,e ,½ }kjk
vkink ic/ku eyk , , th , tM d
tfj; tu pruk dk;Øe e ,u vkb Mh
,e dh Hkkxhknkj

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) ने 22–23 मार्च, 2014 को दिल्ली हाट, पीतमपुरा, नई दिल्ली में “आपदा प्रबंधन मेला आगाज’ के जरिये दो दिवसीय जन चेतना कार्यक्रम में भाग लिया था। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर पश्चिम जिला, दिल्ली की जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डी डी एम ए) द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदायों हेतु आपदा प्रबंधन की जन चेतना जागृत करना था।



चित्र: 6.31: मेले में दर्शकों को संबोधित करते हुए डा. सतेन्द्र (कार्यपालन संचालक, एनआईडीएम)

कार्यक्रम का उदघाटन तारीख 22 मार्च, 2014 को श्री धर्मपाल, आई ए एस (प्रभागीय आयुक्त राजस्व सह संयोजक जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) तथा डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक, एन आई डी एम द्वारा श्री उदित प्रकाश राय, अध्यक्ष डी डी एम ए सह-जिलाधीश (राजस्व), उत्तर – पश्चिम जिला, श्री शैलेन्द्र सिंह परिहार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डी डी एम ए) –सह-अपर

जिलाधीश (राजस्व) तथा अन्य गणमान्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया था।

डा0 सतेन्द्र, कार्यकारी निदेशक एन आई डी एम ने उदघाटन भाषण दिया तथा आपदा तैयारी, न्यूनीकरण तथा प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मेले के दौरान एन आई डी एम ने पोस्टरों, कलेण्डरों, प्रशिक्षण मॉड्यूलों इतिहासों आदि जैसे विभिन्न प्रकार की आई ई सी सामग्रियों का प्रदर्शन किया था। इस मेले के दौरान विभिन्न दर्शकों, हित धारकों छात्रों एवं शिक्षकों को आई ई सी सामग्रियों वितरित की गयी। इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी संगठनों तथा एन जी ओ जैसे-एन डी आर एफ, सिविल डिफेंस, दिल्ली मेट्रो, शिक्षा विभाग, अग्नि भवन विभाग, दिल्ली नगर निगम, कैटस, सीडूस इंडिया, पारस, दिल्ली जल बोर्ड तथा अन्य अनेकों ने भी भाग लिया था। इस मेले के दौरान, एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। आपदा प्रबंधन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं के कुछ को स्टेज प्ले गीतों, नुक्कड़ नाटक आदि के जरिये चित्रित किया गया।

अध्याय 7

प्रशासन

संस्थान द्वारा चलायी जाने वाली प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा परामर्शी गतिविधियों की संस्थान के प्रशासन विंग द्वारा अच्छी प्रकार से सहायता की जाती है। केन्द्रीय गृह मंत्री इस संस्थान के अध्यक्ष हैं तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन डी एम ए) के उपाध्यक्ष इसके उपाध्यक्ष हैं संस्थान की सामान्य निकाय में 42 सदस्य होते हैं जिनमें प्रख्यात विद्वानों, वैज्ञानिकों तथा चिकित्सक के अलावा

नोडल मंत्रालयों तथा भारत सरकार तथा राज्य सरकारों के विभागों के सचिव तथा राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकीय अनुसंधान तथा तकनीकी संगठनों के प्रमुख शामिल हैं। एन डी एम ए के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में इस संस्थान के अधिशासी निकाय में 15 सदस्य होते हैं। केन्द्रीय गृह सचिव इस अधिशासी निकाय के उपाध्यक्ष हैं। (तालिका 7.1)

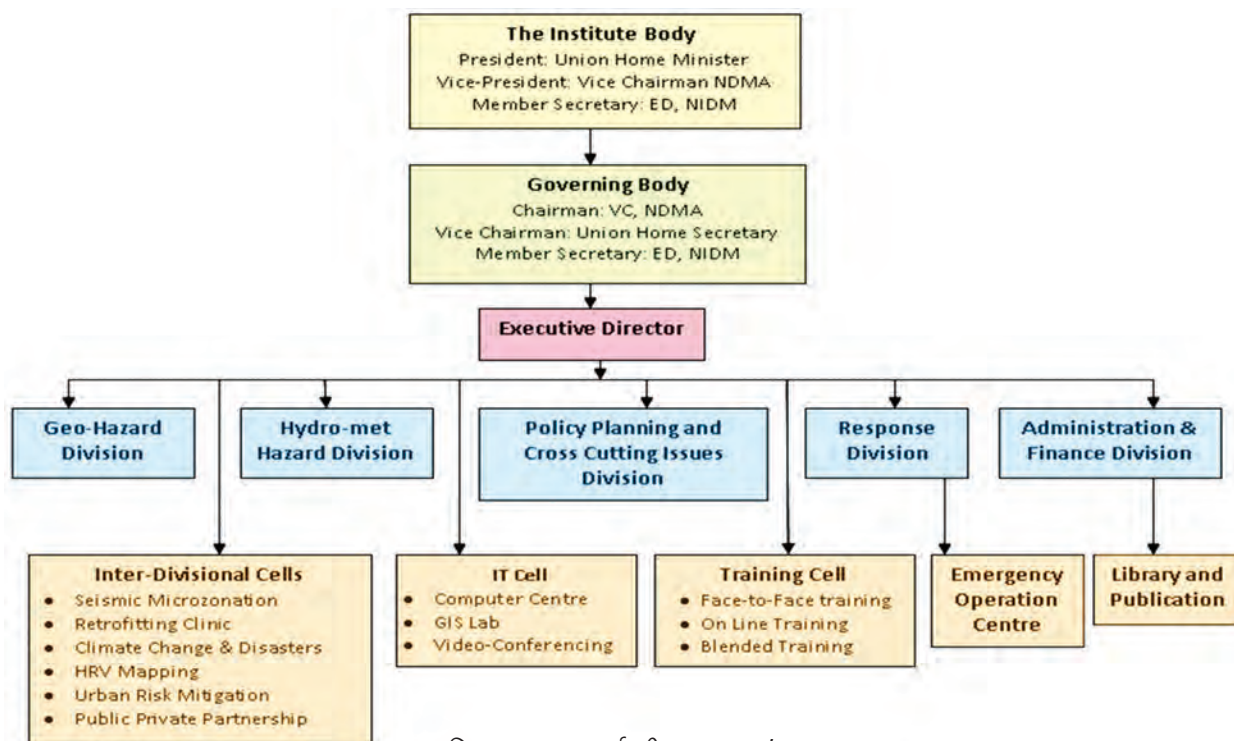
rkfydk 7-1 ,u vkbi Mh ,e dh vf/k'kk l h fudk; d l nL;k dh l ph

Øe l-	Ukke ,o irk	lEiØ fooj.k
1.	माननीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, 1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	दूरभाष: 91-11-26701701 फैक्स : 91-11-26701706 माननीय उपाध्यक्ष के नि स दूरभाष : 26701721
2.	केन्द्रीय गृह सचिव गृह मंत्रालय, कमरा नं. 113, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली — 110001	दूरभाष: 23092989 फैक्स : 23093003
3.	सचिव (सीमा प्रबंधन) गृह मंत्रालय, कमरा नं. 124, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली — 110001	दूरभाष: 23092440 फैक्स : 23092717
4.	सचिव व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली — 110001	दूरभाष: 23092929, 23092663 फैक्स : 23092546, 23092652
5.	सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली — 110016	दूरभाष: 26590412, 26511439 फैक्स : 26863847
6	सचिव अंतरिक्ष विभाग, लोकनायक भवन, खान माफ्रिट नई दिल्ली — 110003	दूरभाष: 24698313 फैक्स : 2447413

क्र.सं.	नाम, पद	संपर्क सूचना
7.	सचिव राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए भवन, एन, सफदरजंग एन्कलेव नई दिल्ली	दूरभाष: 26701710 फैक्स : 26701716
8.	अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग 315, सेवा भवन (एस), आर के पुरम नई दिल्ली - 110606	दूरभाष: 26108855 फैक्स :
9.	अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार गृह मंत्रालय नोर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली - 110001	दूरभाष: 23094709 फैक्स : 23093002
10.	प्रधान सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, असम सरकार, असम सचिवालय, दिसपुर गुवाहाटी - 781006, असम	दूरभाष: 0361 - 2237255 फैक्स : 0361 - 2237268 vkpindia@rediffmail.com
11.	निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, कोलकाता, डायमण्ड हार्बर रोड, पोस्ट - जोका, कोलकाता - 700104, पश्चिम बंगाल	दूरभाष: 033 - 24678310 फैक्स : 033 - 24678307
12.	निदेशक, राष्ट्रीय भूभौतिकीय संस्थान, रूडकी, रुडकी - 247667, उत्तराखण्ड	दूरभाष: 01332 - 285500 फैक्स : 01332 - 273560, 285815
13.	निदेशक, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, उप्पल रोड, हैदराबाद - 500606	दूरभाष: 040 - 23434700, 4711 फैक्स : 040 - 27171564
14.	कुलपति, गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय सेक्टर - 16सी द्वारका दिल्ली - 110078, भारत	दूरभाष: 91 - 11 - 25302104, 25302105 फैक्स : 91 - 11 - 28035243
15.	कार्यकारी निदेशक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान आई आई पी ए कैम्पस, 5 बी - आई पी एस्टेट, महात्मा गांधी रोड, नई दिल्ली - 110002	दूरभाष: 91 - 11 - 23702445 फैक्स : 91 - 11 - 23702446

7-2 1kekU; vkj vf/k'kklh fudkl dh cBd

एनआईडीएम के साधारण निकाय की पहली बैठक और शासी निकाय की पहली बैठक क्रमशः 18 अप्रैल 2007 और 20 जून 2007 को आयोजित की गई। तब से एनआईडीएम में शासी निकाय की सात बैठकें आयोजित की गई हैं। नीचे दी गई तालिका में बैठकों की एक सूची प्रदान की गई है।



चित्र 7.1 एन आई डी एम का संगठन

7-3 1xBukRed 1jpuk

संस्थान में पांच प्रभाग और एक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ है। संस्थान का कार्यकारी निदेशक, जो संस्थान एवं शासी

निकाय के सदस्य सचिव भी है संस्थान के दैनन्दिन प्रशासन को चलाता है।

Rkfydk 7-2- ,uvkbMh,e d; vf/k'kklh fudk; dh cBd

Øe 1-	vf/k'kklh fudk; dh cBd	fnukd
1.	अधिशायी निकाय की पहली बैठक	20 जून, 2007
2.	अधिशायी निकाय की दूसरी बैठक	23 अप्रैल, 2008
3.	अधिशायी निकाय की तीसरी बैठक	27 नवम्बर, 2008
4.	अधिशायी निकाय की चौथी बैठक	17 मार्च, 2009
5.	अधिशायी निकाय की पांचवी बैठक	18 मार्च, 2010
6.	अधिशायी निकाय की छठी बैठक	11 जुलाई, 2012
7.	अधिशायी निकाय की सातवीं बैठक	23 अगस्त, 2013

7-4, uvkbMh, e ldk;

rkfydk 7-3 ,uvkbMh, e dh ldk;

Ø e l-	Ukke	lknuke
1.	डा0 सतेन्द्र	कार्यकारी निदेशक
Hkkxkfyd vkink tkf[ke ic/ku foHkkx		
2.	डा0 चन्दन घोश	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भू – संका, जोखिम प्रबंधन प्रभाग तथा अध्यक्ष, आई टी अनुभाग
3.	डा0 सूर्य प्रकाश	एसोसियेट प्रोफेसर
4.	सुश्री श्रीजा एस नायर	सहायक प्रोफेसर, आई टी प्रभाग
5.	डा0 ऋतुराज	रिसर्च एसोसियेट
uhfr] fu;ktu rFkk Økl dfVx fo"k;d iHkkx		
6.	डा0 अनिल कुमार गुप्ता	एसोसियेट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, नीति नियोजन प्रभाग तथा अध्यक्ष प्रशिक्षण कक्ष
7.	सुश्री चन्द्राणी बंधोपाध्याय	सहायक प्रोफेसर
8.	डा0 अजिन्दर वालिया	सहायक प्रोफेसर
9.	श्री शेखर चतुर्वेदी	रिसर्च एसोसियेट
Tkyh; & ekle foKkuh; vkink ic/ku iHkkx		
10.	डा0 के जे आनंद कुमार	एसोसियेट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष जलीय मौसम विज्ञानीय आपदा प्रभाग
11.	डा0 आशुतोष देव कौशिक	रिसर्च एसोसियेट
vkink vufØ;k iHkkx		
12.	श्री अरुण सहदेव	परामर्शदाता
12.	ले. कर्नल पी.के. पाठक	परामर्शदाता
13.	डा0 सुष्मा गुलेरिया	रिसर्च एसोसियेट

7-5 lkekU; i'kklu

संस्थान के कार्यकारी निदेशक संस्थान के प्रशासन और शासी निकाय के दिशानिर्देश और मार्गदर्शन में अपने अधिकारों का प्रयोग करने के लिए जिम्मेदार है। संयुक्त निदेशक, लेखा अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी द्वारा कार्यकारी निदेशक को सहायता प्रदान की जाता है। संस्थान के प्रशासन में मुख्य रूप से

सांविधिक बैठकों का आयोजन, स्थापना और कार्मिक प्रबंधन, सुरक्षा परिसर समर्थन सेवाएं और कर्मचारियों के कल्याण का समन्वय शामिल है। यह आवश्यक बुनियादी ढांचे और कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए प्रबंधकीय सहायता प्रदान करके संस्थान में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श गतिविधियों को सुविधान्वित करता है।

रकfydk 7-4 ,uvkbMh,e d LVkQ

Øe l-	Ukke	Iknuke
1.	श्री रमेश कुमार	लेखाधिकारी
2.	श्री हेमंत कुमार	कम्प्यूटर प्रोग्रामर
3.	श्री एस.के. तिवारी	लाइब्रेरियन
4.	सुश्री रितु सूद	प्रशासनिक सहायक
5.	श्री एस एस बिष्ट	जूनियर सहायक सह लेखापाल
6.	श्री अविनाश कुमार पांडेय	लेखा सहायक
7.	श्री विशाल अवस्थी	आशुलिपिक
8.	श्री जे.एन. झा	कनिष्ठ अभियन्ता
9.	सुश्री अमृता गुप्ता	निजी सहायक
10.	सुश्री संतोष मिश्रा	डेटा एंट्री ऑपरेटर
11.	सुश्री गीता शर्मा	डेटा एंट्री ऑपरेटर
12.	श्री राजीव कुमार	डेटा एंट्री ऑपरेटर
13.	सुश्री मेघा कोहली	डेटा एंट्री ऑपरेटर
14.	श्री अमर सिंह	मशीन संचालक (ऑरेटर)
15.	श्री हेमराज	चालक
16.	श्री लक्ष्मण सिंह	संदेश वाहक (मैसेंजर)
17.	श्री विजय कनोजिया	संदेश वाहक (मैसेंजर)
18.	श्री पंकज	संदेश वाहक (मैसेंजर)
19.	श्री सुनील कनौजिया	संदेश वाहक (मैसेंजर)
20.	सुश्री जया	पुस्तकालय सहायक

7-6 fgUnh dk ixkeh i; kx

एनआईडीएम ने 2011-12 के बाद से हिन्दी दिवस मनाना प्रारंभ कर दिया है। 2012 के दौरान, 14 सितम्बर को एनआईडीएम में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कविता, नारे और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और एनआईडीएम और राज्य आपदा प्रबंधन केन्द्र के कर्मचारियों और संकाय सदस्यों ने बड़े ही जोश और

उत्साह के साथ इनमें भाग लिया। हिन्दी दिवस मनाने के अलावा, एनआईडीएम ने पोस्टर, पुस्तकों के चिन्ह (बुक मार्क), पर्चे आदि के रूप में विभिन्न आईईसी सामग्रियों का हिन्दी में विकास किया है। लोगों की बड़ी संख्या तक पहुंचने के उद्देश्य से मॉड्यूलों का हिन्दी में अनुवाद भी किया गया है।

अध्याय 8

वित्त एवं लेखा

संस्थान के वित्त और लेखा प्रभाग के कार्यों में बजट लेखा, प्राप्तियों एवं भुगतानों का प्रबंध, वार्षिक लेखों की तैयारी तथा संकलन, मंत्रालय में लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की प्रस्तुति शामिल हैं। इसके अलावा प्रभाग प्रशासन संबंधी विभिन्न मामलों पर तथा प्रबंधन द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया में वित्तीय सलाह प्रदान करता है।

1kekU; fuf/k : संस्थान को पूरी तौर पर भारत सरकार से सम्पूर्ण निधि मिलती है। संस्थान की सामान्य निकाय द्वारा अनुमोदित बजट के अनुसार इस संस्थान को निधि प्राप्त होती है।

- गृह मंत्रालय द्वारा गैर उपयोगी अनुदान शेष 1,98,63,175/— रुपये सहित एन आईडी एम को वर्ष 2013-14 के लिए कुल 9,03,20,926/— रुपये अनुदान के रूप में स्वीकृत हुये थे।
- जिन राष्ट्रीय प्रबंधन कार्यक्रम पर केन्द्रीय क्षेत्र योजना के आयोजन के लिए 9,00,00,000/— रुपये की राशि मंजूर की गयी है: उन्हीं पर खर्च किया गया है।
- वर्ष के अन्त में अप्रयुक्त रही 1,95,42,249/— की शेष राशि को वर्ष 2014-15 के लिए देय अनुदान में समायोजित किया जायेगा। वर्ष 2013 - 14 का तुलन पत्र अनुलग्नक -Vमें दिया गया है।

Annexes

अनुलग्नक

1. अनुलग्नक I: एन आईडी एम में संचालित प्रशिक्षणों की सूची
2. अनुलग्नक II: राज्य प्रशासनिक इकाइयों की सूची
3. अनुलग्नक III: संस्थान की सामान्य निकाय की बैठक के सदस्यों की सूची
4. अनुलग्नक IV: वित्त एवं लेखा

Lkfj.kh 2% ,uvkbMh,e ei 2013&14 lpfy r vku&lku çf'k{k.kk dh lph

Øekd l i[;k	ikB;Øe dk uke	LFkku	Rkj h[k	l idk;	ifrHkkfx;k dh l i[;k
1.	आईआरएस प्रशिक्षण तथा अनुकरण	शिमला नगर निगम	1-5 अप्रैल	अरुण सेहडियो	52
2.	डी आर आर हेतु ईको सिस्टम दृष्टिकोण	एनआईडीएम	8-12 अप्रैल	अनिल के गुप्ता, श्रीजा एस नायर	17
3.	एन डी आर एफ नायको हेतु पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	15-18 अप्रैल	पी.के पाठक	13
4.	ग्रामीण आपदा विकास योजना का निर्माण	एसआईआरडी, यूपी	15-19 अप्रैल	सुषमा गुलेरीया, अजिंदर वालिया	30
5.	तृव दृश्य सर्वेक्षण द्वारा भवनों का भूकम्पीय सुरक्षा आंकलन	टगरतला	16-18 अप्रैल	सी. गोश	26
6.	डीआरआर हेतु विधिक ढांचा	एनआईडीएम	25-27 अप्रैल	श्रीजा एस नायर अनिल के गुप्ता,	24
7.	अध्यापकों हेतु स्कूल सुरक्षा	एनआईडीएम	29 अप्रैल 3 मई	रीतू राज	39
8.	शहरी आपदा प्रबंधन योजना	राजकोट गुजरात	29 अप्रैल 3 मई	सूर्य प्रकाश, सी. गोश	25
9.	बाढ़ प्रबंधन योजना तथा अनुक्रिया	जीआईडीएम, गुजरात	14-18 मई	के.जे आनंद कुमार	26
10.	आईआरएस प्रसथमिक तथा मध्यमिक पाठ्यक्रम	यशादा पुणे	16-18 मई	अरुण सेहडियो	29
11.	व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन	नागालैंड	20-24 मई	सूर्य प्रकाश	25

क्र.सं.	विषय	संस्था	दिनांक	स्थान	पृष्ठ संख्या
12.	बांधसुरक्षा हेतु डीएम योजना	कोल्डम योजना	31मई 1जून	सी. गोश	19
13.	अध्यापकों हेतु स्कूल सुरक्षा	एनआईडीएम	10-14जून	रीतू राज	29
14.	तीव्र दृश्य सर्वेक्षण द्वारा भवनों का भूकम्पीय सुरक्षा आंकलन	गेतम बुद्धा यूनिवर्सिटी जी, नोएडा	19-21 जून	सी. गोश	30
15.	सुरक्षा पर्वता क्षेत्र विकास	एटीआई मिज़ोरम	25-28 जून	सूर्य प्रकाश	21
16.	आपदा प्रबंधन में भू सूचना विज्ञान	एनआईडीएम	8-12 जुलाई	श्रीजा. एस नायर	14
17.	आपदा प्रबंधन में वानिकी की भूमिका	एफआरआई देहरादुन	15-19 जुलाई	ए डी कोशिक अनिल के गुप्ता	13
18.	कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना	यूटीसीएस दिल्ली	24-26 जुलाई	सुक्षमा गुलेरिया	13
19.	अध्यापकों हेतु स्कूल सुरक्षा	एनआईडीएम	29जुलाई 2 अगस्त	रीतू राज	14
20.	आपदा प्रबंधन पर टीओटी	यूपीएएम लखन	29 जुलाई 2 अगस्त	एस चतुर्वेदी	20
21.	प्रत्यक्ष आपदा प्रबंधन पर टी ओ टी	एनआईडीएम	19-23 अगस्त	सुक्षमा गुलेरिया	18
22.	आईआरएस प्रसंथमिक तथा मध्यमिक पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	19-23 अगस्त	पी के पाठक	13

क्र.सं.	विषय	आयोजक	दिनांक	अध्यक्ष	पृष्ठ सं.
23.	आपदा के शिक्षुओं हेतु आवश्यकताएँ	एनआईडीएम	2-6 सितम्बर	अजिंदर वालिया	32
24.	पुलिस हेतु आपदा प्रबंधन	सीडीटीएस, गाजीयाबाद	10-12 सितम्बर	पी के पाठक, एस चतुर्वेदी	25
26	नर्सिंग कॉलेज, पुणे के छात्रों हेतु आपदा प्रबंधन पर उन्मुखी कार्यक्रम	एन आई डी एम	23 सितम्बर	के जे आनंद कुमार, टी के साहा रॉय	33
27.	स्कूल सुरक्षा	एनआईडीएम	23-27 सितम्बर	रीतू राज	23
28.	स्कूल सुरक्षा पर टीओटी	एसडीएमए यूपी	23-27 सितम्बर	एस चतुर्वेदी	41
29.	औद्योगिकी (रसायन) आपदा प्रबंधन	जीआईडीएम, गुजरात	23-27 अप्रैल	अनिल के. गुप्ता, श्रीजा एस नायर	41
30	सुरक्षा पवर्ता क्षेत्र विकास	यूएए उत्तराखंड	24-26 अप्रैल	सूर्य प्रकाश	35
31	भूखम जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन	एचआईपीए, हिमाचल प्रदेश	25-27 सितम्बर	सी. गोष	38
32	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	सिक्किम	3 अक्टूबर	सूर्य प्रकाश, अशोक शर्मा	45
33	व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन	सिक्किम	4-5 अक्टूबर	सूर्य प्रकाश, अशोक शर्मा	45
34	जीएलओएफ एवं एलएलओएफ	सिक्किम	7-8 अक्टूबर	सूर्य प्रकाश, अशोक शर्मा	36
35	वन आग न्यूनीकरण एवं प्रबंधन	एफआरआई देहरादुन	7-11 अक्टूबर	ए.डी. कोशिक, अनिल के गुप्ता	25

क्र.सं.	विषय	संस्था	दिनांक	प्रशिक्षक	दिनांक
36	आईआरएस, घटना नामक पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	7-8 अक्टूबर	पी. के पाठक	18
37	आईआरएस, परिचालन अनुभाग प्रमुख	एनआईडीएम	9-11 अक्टूबर	पी के पाठक	18
38	एएफएमसी, पुणे के छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन उन्मुखी कार्यक्रम	एनआईडीएम	11 अक्टूबर	सूर्य प्रकाश, के जे. आनंद वर्मा, तनुश्री वर्मा	15
39	आईआई के सहयोग से अप्पा प्रतिभागियों हेतु आपदा प्रबंधन पर उन्मुखी कार्यक्रम	एनआईडीएम	8 नवम्बर	सूर्य प्रकाश	33
40	डीओपीटी की सहयोग से जेएस स्तर को अधिकारियों के लिए विकास के भीतर डी आर आर की मेनस्ट्रीमिंग	एनआईडीएम	11-12 नवम्बर	अनिल के गुप्ता, चंद्रानी बंद्योपाध्याय	18
41	भारतीय साधरता मिशन के सहयोग से आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	11-14 नवम्बर	एस. चतुर्वेदी	32
42	एसडीएम के सहयोग से एसडीएम पी के निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यशाला	एआईआईएम तमिल नाडु	13 नवम्बर	अनिल के गुप्ता श्रीजा एस नायर	55
43	नगरिक प्रतिरक्षा अधिकारियों हेतु आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	18-22 नवम्बर	पी.के पाठक	16

क्र.सं.	विषय	आयोजक	दिनांक	अध्यक्ष	पृष्ठ सं.
क्र.सं.	विषय	आयोजक	दिनांक	अध्यक्ष	पृष्ठ सं.
44	लिंग एवं आपदा प्रबंधन	एन आईडीएम	18-22 नवम्बर	अजिंदर वालिया	11
45	स्कूल सुरक्षा पर उन्मुखी कार्यक्रम	रॉकवेल्ड स्कूल, नोएडा	25 नवम्बर	तनुश्री वर्मा सूर्य प्रकाश	150
46	शीघ्र अवधि पुनर्प्राप्ति	एनआईडीएम	25-27 नवम्बर	अनिल के गुप्ता, एस चतुर्वेदी अशोक वर्मा	21
47	शहरी क्षेत्रों में वन आग प्रतिभागीय प्रबंधन	एफआरआई, देहरादुन	25-29 नवम्बर	चंद्रानी बंद्योपाध्याय एडी कोशिक	10
48	डीएसटी के कर्मचारियों हेतु आपदा प्रबंधन पर उन्मुखी कार्यक्रम	एनआईडीएम	26 नवम्बर	अनिल गुप्ता, एस चतुर्वेदी	30
49	आईएसटीएम केसहयोग से असम सचिवालय अधिकारियों हेतु	एनआईडीएम	28 नवम्बर	के. जे आनंद कुमार, तपश रॉय	26
50	स्टामपेड जोखिम न्यूनीकरण	एटीआई, पश्चिम बंगाल	4-6 दिसम्बर	एस. चतुर्वेदी, पी के पाठक	27
51	सधु वासवानी नर्सिंग कॉलेज, पुणे के छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन पर उन्मुखी कार्यक्रम	एनआईडीएम	6 दिसम्बर	के.जे. आनंद कुमार राहुल गवहाने	22

Øekd li[;k	ikB;Øe dk uke	LFkku	Rkjh[k	l.dk;	ifrHkkfx;ki dh li[;k
52	सीपी डब्ल्यू डी इंजीनियरों हेतु आपदा प्रबंधन पर उन्मुखी कार्यक्रम	एनआईडीएम	16 दिसम्बर	सी. गोष	29
53	औद्योगिकी (रसायन) आपदा प्रबंधन	एमडीएफसी एसएचई, उडीसा	16-20 दिसम्बर	अनिल के गुप्ता, श्रीजा एस नायर	38
54	आईआरएस आयोजन अनुभाग प्रमुख	एनआईडीएम	16-20 दिसम्बर	पी.के पाठक	15
55	सीबीडीआरएम	एसआईआरडी, तमिल नाडु	16-20 दिसम्बर	के.जे आनंद कुमार	56
56	विकास में डीआरआर मैनस्ट्रीमिंग	एटीआई सिल्वर, असम	8-10 जनवरी	सी. गो ा	17
57	आईआरएस-लेजिस्टिक्स अनुभाग प्रमुख	एनआईडीएम	6-10 जनवरी	पी. के पाठक	14
58	तृव दृश्य सर्वेक्षण द्व ारा भवनों का भूकंभीय सुरक्षा आंकलन	एनआईटी, स्लिचर असम	8-10 जनवरी	सी. गो ा	28
59	टापदा डाटाबेस प्रबंधन	एनआईडीएम	20-23 जनवरी	श्रीजा एस. नायर	34
60	स्टामपेड जोखिम न्यूनीकरण	यशादा, महाराष्ट्र	21-23 जनवरी	एस. चतुर्वेदी, पी के पाठक	51
61	तृव दृश्य सर्वेक्षण द्वारा भवनों का भूकंभीय सुरक्षा आंकलन	मुम्बई	21-22 जनवरी	सी. गो ा	20

क्र.सं.	विषय	संस्था	दिनांक	सहायक	पृष्ठ संख्या
62	पंचायती राज संस्थाओं हेतु आपदा प्रबंधन	एसआईआरडी, छत्तीसगढ़	28-31 जनवरी	एस. चतुर्वेदी	24
63	तृतीय दृश्य सर्वेक्षण द्वारा भवनों का भूकंपीय सुरक्षा आकलन	एनआईडीएम	28-30 जनवरी	सी. गो. पा.	25
64	विकास में डीआरआर मैनस्ट्रीमिंग	एनआईडीएम	29-31 जनवरी	के. जे. आनंद कुमार	47
65	व्यापक भूस्खलन जोखिम प्रबंधन	एनआईडीएम	3-7 फरवरी	सूर्य प्रकाश	10
66	एनसीसी तथा एनवाई के एस अधिकारियों हेतु आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	3-7 फरवरी	पी. के. पाठक	11
67	जल क्षेत्र पर बल सहिता जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	आईआईपीए	10-14 फरवरी	के. जे. आनंद कुमार	19
68	एनडीआरएफ अधिकारियों हेतु डी एम में प्राथमिक पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	10-14 फरवरी	सु. तामा गुलेरिया	22
69	तृतीय दृश्य सर्वेक्षण द्वारा भवनों का भूकंपीय सुरक्षा आकलन	चंदीगढ़	17-19 फरवरी	सी. गो. पा.	55
70	बाढ़ आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	17-21 फरवरी	ए.डी. कोशिक, के. जे. आनंद कुमार	28

क्र.सं.	विषय	संस्था	दिनांक	प्रकार	पृष्ठ संख्या
71	आपदा रिपोर्ट करने के पुनर्परीक्षण सिद्धान्तों पर टीओटी	एनआईडीएम	17-22 फरवरी	के जे आनंद कुमार, चंद्रानी बंदयोपाध्याय	11
72	डीपीएस दिल्ली के सहयोग से स्कूल सुरक्षा	एनआईडीएम	19-21 फरवरी	रीतू राज	23
73	समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन	यूपीएएम, लखनऊ	19-21 फरवरी	एस. चतुर्वेदी अनिल के गुप्ता	19
74	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में जीवन यापन के रूप में वानिकी	एफआरआई, देहरादून	3-7 मार्च	ए.डी. कोशिक, चंद्रानी बंदयोपाध्याय	14
75	समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	10-14 मार्च	सी. बंदयोपाध्याय	5
76	सूखा परिदृश्यों की पहचान तथा आकलन हेतु विधियों तथा संकेत चिन्ह	एनआईएच, रुड़की	10-14 मार्च	के जे आनंद कुमार, ए.डी. कोशिक	19
77	आपदा प्रबंधन पर टीओटी	सीजीए, छत्तीसगढ़	24-26 मार्च	एस.चतुर्वेदी, एस गुलेरिया	30
78	सूखा प्रबंधन	काजरी, जोधपुर	24-28 मार्च	के जे आनंद कुमार सहायक	25
79	आईआरएस कुंभ मैले को देखते हुए भीड़ के प्रबंधन में एक उपकरण	नासिक	26-28 मार्च	एस.चतुर्वेदी, पी के पाठक	32

क्र.सं.	विषय	संस्था	दिनांक	प्रशिक्षक	प्रतिभागियों की संख्या
80	स्कूल आपदा प्रबंधन योजना	एनआईडीएम	3-5 मार्च	रीतू राज	28
कुल					2193
भारतीय आपदा संस्थान नेटवर्क पर प्रशिक्षण कार्यक्रम					
81	प्रथम	एनआईडीएम	17 अप्रैल	श्रीजा एस नायर अनुपमा	48
82	द्वितीय	एमसीआरएचआरडी संस्थान, हेदराबाद	21 जून	श्रीजा एस नायर, अनुपमा	24
83	तृतीय	जीआईडीएम	30 अगस्त	श्रीजा एस नायर, अनुपमा	28
84	चतुर्थ	रांची	30 नवम्बर	श्रीजा एस नायर, अनुपमा	29
कुल					129
उप कुल					2322

लक्ष्य 2, सूचकांक, 2013-14 लिफ्ट वृद्धि के लिए

क्र.सं.	सूचकांक का नाम	दिनांक	प्रमुख अधिकारी	वृद्धि (प्रतिशत)
0. लिफ्ट वृद्धि के लिए लिफ्ट वृद्धि, 2013-14				
1	सूचकांक 1	27 मई - 5 जुलाई, 2013	डॉ. रजनीश रंजन	34
2	सूचकांक 2	15 जुलाई - 23 अगस्त, 2013	डॉ. रवीन्द्र सिंह, श्री ओंकारनाथ पुरी	73
3	सूचकांक 3	19 अगस्त - 27 सितम्बर, 2013	डॉ. रवीन्द्र सिंह	34
4	सूचकांक 4	21 अक्टूबर - 29 नवम्बर, 2013	डॉ. रवीन्द्र सिंह	40
5	सूचकांक 5	30 सितम्बर, 2013 से 7 फरवरी, 2014	डॉ. सूर्य प्रकाश	65
6	सूचकांक 6	3 मार्च 2014 से 11 अप्रैल, 2014	श्री मनोज कुमार सिंह	36
1. लिफ्ट वृद्धि के लिए लिफ्ट वृद्धि, 2013-14				
7	बैच - 1	22 जुलाई - 16 सितम्बर, 2013	श्री ओंकारनाथ पुरी	61
2. लिफ्ट वृद्धि के लिए लिफ्ट वृद्धि, 2013-14				
8	सूचकांक 1	19 अगस्त - 13 सितम्बर, 2013	डॉ. रवीन्द्र सिंह	51
3. लिफ्ट वृद्धि के लिए लिफ्ट वृद्धि, 2013-14				
9	सूचकांक 1	16 सितम्बर - 11 अक्टूबर, 2013	डॉ. रवीन्द्र सिंह	79
4. लिफ्ट वृद्धि के लिए लिफ्ट वृद्धि, 2013-14				
10	सूचकांक 1	14 अक्टूबर - 8 नवम्बर, 2013	डॉ. रवीन्द्र सिंह	26
5. लिफ्ट वृद्धि के लिए लिफ्ट वृद्धि, 2013-14				
11	सूचकांक 1	11 नवम्बर - 6 दिसम्बर, 2013	श्री अशोक कुमार भार्मा	24
12	सूचकांक 1	9 दिसम्बर 2013 से 3 जनवरी, 2014	श्री ओंकारनाथ पुरी	35

Øekd	ikB;Øe dk uke rFkk cp	Rkkjh[k	dk; ic/kd	ifrHkkfx; dk dh li[;k
vkink d; ic/kdh; vkfFkd iHkkok; d; fy, foUkh; j.kuhfr ¼,Q-,l½				
13	cp & 1	6 जनवरी – 31 जनवरी, 2014	श्री मनोज कुमार सिंह	29
ljf{kr “kgj ¼,l-lh½				
14	cp & 1	3 फरवरी – 28 फरवरी, 2014	सुश्री चन्द्राणी बी. नियोगी	33
vkink iuiikkflr; dk ,o iu% fuekl.kk; dk fyxh; voLFkk; ¼th-,Mh-vkj-vkj½				
15	cp & 1	3 मार्च – 28 मार्च 2014	डॉ. सूर्य प्रकाश	30
dy				650

व्युत्पन्न जल; आकस्मिक बर्तन; धूल

क्र. सं. जल;	उपस्थिति	VybhQku@QDI@bey
1. आंध्र प्रदेश	श्री लालकृष्ण चंद्र मौली, आईएएस आयुक्त एएमआर आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास अकादमी (एपीएआरडी), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद, 500030 आंध्र प्रदेश, भारत वेबसाइट: http://apard.gov.in/center_cmed.html	टेलीफोन: 040-24015959, 24014027, 24015337, 24018656 फैक्स : +91 40 24017005
2. अरुणाचल प्रदेश	श्रीमती. नंदिनी पालीवाल, आईएएस महानिदेशक (प्रशि.) प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान डी-सेक्टर, नहारलेगम, जिला पापुमपारा, अरुणाचल प्रदेश	टेलीफोन: 0360-2244383 (O), 2244036 (F) फैक्स : 0360-2243245 ईमेल : director@agni.erist.ac.in
3. असम	सुश्री सुमित्रा दास, आईएएस निदेशक असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, जवाहर नगर, पी. ओ. खानपारा, गुवाहटी- 781022, असम वेबसाइट : http://aasc.nic.in/disaster.htm	टेलीफोन: (O) 0361-2361547, 2362442, 236263325 फैक्स : 0361-2362361
4. असम	प्रो. एम. के. चौधरी वाइस चांसलर 3, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, नपाम, जिला सोनितपुर, असम 784 028 वेबसाइट : http://www.tezu.ernet.in/cdm	टेलीफोन: (कार्यालय) 0361- 2361547, 2362442, 236263325 फैक्स : 0361-2362361 ईमेल : staffcol@gul.satyam.net.in
5. बिहार	डॉ. ई.एल.एस.एन बाला प्रसाद, आईएएस महानिदेशक बिहार लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान, वालमी परिसर, फुलवरी शरीफ पटना 801505, बिहार वेबसाइट : http://bipard.bih.nic.in	टेलीफोन: 0612-2452585 फैक्स : 0612-2452586
6. छत्तीसगढ़	श्री सुनील कुमार, आईएएस महानिदेशक छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, इंद्रावती खंड, मंत्रालय परिसर, रायपुर	टेलीफोन: 0771-2221280, 2222844 फैक्स : 0771-4080295, 4281280 मोबाइल : 9424200829 ईमेल : staffcol@gul.satyam.net.in
	श्री एम के त्यागी, आईएएस निदेशक, सीजीए	टेलीफोन: 0771-2221279 फैक्स : 0771-4080295, 4281280 ईमेल : mk.tyagi@nic.in

क्र.सं.	राज्य/प्रदेश	नाम	संपर्क जानकारी
7.	दिल्ली	श्री आशुतोष कुमार विशेष सचिव प्रशिक्षण निदेशालय यूटी सिविल सर्विस, इंस्टिट्यूशनल एरिया, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली 110032 वेबसाइट : http://delhi.gov.in/wps/wcm/connect/DoIT_UTCS/utcs/home	टेलीफोन:(कार्या.) 22304439, 2238556, फैक्स : 22308556, 9818803606
8.	गुजरात	श्री वी. धिरुपुघज आईएएस कार्यकारी निदेशक, जीआईडीएम एवं अतिरिक्त सीईओ, जीएसडीएमए, जीआईडीएम, गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गुजरात सरकार. गुजरात, ब्लाक नं.11, 5वीं मंजिल, सेक्टर-11 उद्योग भवन, गांधी नगर, गुजरात वेबसाइट : http://www.gsdma.org/gidm.htm	टेलीफोन: 079-23259303, 23259246 फैक्स : 079-23259275
9.	हरियाणा	सुश्री रजनी शेखरी सिब्बल, आईएएस महानिदेशक हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए) परिसर-76, सेक्टर 18, गुडगांव 122001, हरियाणा वेबसाइट : http://hipa.nic.in/maincdm.htm	टेलीफोन:(कार्या.) 0124-2340413, 2340691, 2340462, 2340412, फैक्स : 95-124-2340413, 2348452 ईमेल : rajni@hippa.in
10.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. अजेय शर्मा निदेशक हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान, फेयरलांस, शिमला-171012, हिमाचल प्रदेश वेबसाइट : http://himachal.nic.in/hipa	टेलीफोन: (कार्या.) 0177- 2647855, 2740294, 2740225 फैक्स :0177-2647172
11.	जम्मू एवं कश्मीर	डॉ. आर.के. जेठ, आईएएस महानिदेशक जम्मू और कश्मीर प्रबंधन एवं लोक प्रशासन और ग्रामीण विकास संस्थान (आईएमपीए) 3, तल, विकास भवन, रेल हेड कांप्लेक्स, जम्मू-180004 वेबसाइट : http://jkimpa.nic.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0194-2472564, 2476916 (श्रीनगर) फैक्स :0194-2472825 (श्रीनगर) टेलीफोन: 0191-2474389, 0191- 2473307 फैक्स :0191-2479909, 2473778 (जम्मू)
12.	झारखंड	श्री ए.के. पांडे महानिदेशक श्री कृष्णा लोक प्रशासन संस्थान, मेरस रोड, पोस्ट रांची विश्वविद्यालय, रांची 834008, झारखंड वेबसाइट : http://skipa.nic.in/disaster.htm	टेलीफोन: 0651- 2283804 फैक्स : 0651-2283806 ईमेल : atirnc@tt.vsnl.net.in

क्र.सं.	राज्य/केंद्र	नाम, पद, निदेशक	संपर्क जानकारी
13.	कर्नाटक	श्रीमती अमिता प्रसाद, आईएएस महानिदेशक प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पी. ए. नंबर 2, ललिता महल रोड, मैसूर 570011, कर्नाटक वेबसाइट: http://www.atimysore.gov.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0821-2520906, 0821-2520904 फैक्स : 2523899, 2520906
14.	केरला	श्री केशव नांबियार, आईएएस निदेशक भूमि एवं आपदा प्रबंधन संस्थान, पीटीपी नगर, निरमिथि केन्द्र, त्रिवेन्द्रम- 695038, केरल वेबसाइट: http://ildm.kerala.gov.in	टेलीफोन: 0471-2362885 (निदेशक) (कार्या.), 2365559 फैक्स : 0471-2365559 ईमेल : ilmdirector@satyam.net . In
15.	मध्यप्रदेश	श्री मनोहर दुबे, आईएएस कार्यकारी निदेशक आपदा प्रबंधन संस्थान पर्यावरण परिसर, ई -5, अरेरा कालोनी, पीबी नं 563 भोपाल 462016, मध्यप्रदेश (भारत) वेबसाइट: http://www.dmibhopal.nic.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0755-2461538, 2466715 2464239 फैक्स : 0755-2464244, 2464239
16.	महाराष्ट्र	डा. संजय छाहन्दे, आईएएस महानिदेशक यशवंत चौहाण विकास प्रशासन अकादमी, राजभवन परिसर, बेनर रोड, गणेशखिंद, पुणे 410017, महाराष्ट्र वेबसाइट: http://www.yashada.org	टेलीफोन: 020-25608209/296 फैक्स : 020-25608269/100 ईमेल : cdm.yashada@gmail.com , yashada@vsnl.com , ramaniv@gmail.com
17.	मणिपुर	डॉ. सुहेल अख्तर, आईएएस आयुक्त, राहत एवं आपदा प्रबंधन और निदेशक, डीएमआई मणिपुर सरकार, सचिवालय, एनेक्सी बिल्डिंग, कक्ष नं.115, नॉर्थ ब्लॉक, इम्फाल -795001	टेलीफोन: 0385-2440736 फैक्स : 0385-2450157 मोबाइल : 09402414682 ईमेल : drsuhelakhtar@gmail.com
18.	मेघालय	श्रीमती आर वी. सुचिअंग, आईएएस निर्देशक मेघालय प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (माटी), पुलिस महानिरीक्षक प्वाइंट, पीछे सचिवालय भवन, शिलांग - 793001, मेघालय वेबसाइट : http://www.mati.gov.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0364-2210132, 2223578, 2224670 फैक्स : 0364-2226039, 2225978 (CS), ईमेल : rsvsddd@gmail.com
19.	मिजोरम	श्री आर. ललवेना, आईएएस निर्देशक प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान नई पूंजी परिसर, खाटला, आइजोल, मिजोरम - 796001 वेबसाइट: http://mAjoram.nic.in/ATI/About.htm	टेलीफोन: (कार्या.) 0389-2335830 फैक्स : 0389-2335831

क्र.सं.	राज्य/केंद्र	नाम/पद	संपर्क जानकारी
20.	नागालैंड	नागालैंड श्री वी. शशांक शेखर, आईएएस निर्देशक प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पीओ. बॉक्स 162, किमहो, कोहिमा-797003, नागालैंड वेबसाइट: http://atingl.nic.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0370- 2280063/66, फैक्स: 0370-2280067
21.	उड़ीसा	श्री के एस गणेशन महानिदेशक-प्रशिक्षण समन्वय, गोपाबंधु प्रशासनिक अकादमी, चन्द्रशेखरपुर, भुवनेश्वर 751023, उड़ीसा वेबसाइट: http://www.gopabandhuacademy.gov.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0674-2300743, 2300981 फैक्स: 0674-2301530 ईमेल: Orissa_ati@yahoo.com
22.	पंजाब	श्री बी.के. श्रीवास्तव, आईएएस महानिदेशक महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान, पंजाब, सेक्टर 26 संत कबीर स्कूल के पास, चंडीगढ़ 160019, पंजाब वेबसाइट : http://www.mgsipap.org	टेली-फैक्स (कार्या.) 0172-2792114 फैक्स: 2793588-91
23.	राजस्थान	श्री चन्द्र मोहन मीणा महानिदेशक एचसीएम राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर 302017, राजस्थान वेबसाइट: http://www.hcmripa.gov.in/dmngmt.html	टेलीफोन: (कार्या.) 2706556, 2704950-56 फैक्स: 0141-2705420, 2702542 टेलीफोन: उदयपुर - 0294-2431355 ईमेल: hcmripa@sanchar.net.in
24.	सिक्किम	सिक्किम डा. एल.एम.एस पालनी, आईएएस निर्देशक जी.बी. पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान, सिक्किम इकाई, गंगटोक मुख्यालय: कोसी कटारमल, अल्मोड़ा-263643 उत्तराखंड (सिक्किम इकाई) वेबसाइट : http://gbpihed.gov.in/sikkim_unit.htm	टेलीफोन: 05962-241015 फैक्स: 05962-241150
25.	तमिलनाडु	श्री डी. ज्योति जागरजन, आईएएस निदेशक एआईएम और डीजी ट्रेनिंग (पदेन) प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, 163/1, पी एस कुमारसमय, राजा सलाई, ग्रीनवेज रोड, चेन्नई 600028, तमिलनाडु वेबसाइट : http://www.annainstitute.org	टेलीफोन: (कार्या.) 044-24938247, 24937062, 24937170 फैक्स: 044-24937062 ईमेल: diraim@tn.gov.in

क्र.सं.	राज्य/केंद्र;	संस्था का नाम	संपर्क जानकारी
26.	त्रिपुरा	श्री जी.के. राव, आईएएस महानिदेशक लोक प्रशासन राज्य और ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईपीएआरडी), कैंपर बाजार, ए.डी. नगर, पी.ओ. एसडी मिशन, कैंपर बाजार, अगरतला, त्रिपुरा पश्चिम 799,003 वेबसाइट : http://www.sipard.nic.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0381- 2374048, 2376036 फैक्स: (0381) 2230613 ईमेल: sipard@rediffmail.com
27.	उत्तर प्रदेश	श्री जगन मैथ्यूज, आईएएस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, सेक्टर-‘डी’ अलीगंज, लखनऊ 226024, उत्तर प्रदेश वेबसाइट : http://www.upacademy.org/ disatermgmt.htm	टेलीफोन: (डीजी (कार्या.)) 0522- 2336292, 2335158 2329082, 2379739 फैक्स: 0522-2386747 ईमेल: dg@upacademy.org
28.	उत्तराखंड	श्री अजय कुमार जोशी, आईएएस महानिदेशक उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, आर्डवेल कैंप, मल्लिटल नैनीताल-263001, उत्तराखंड वेबसाइट : http://www.uaoa.in/wp.aspx?p=21	टेलीफोन: (कार्या.) 05942-239114, 236149 फैक्स: 05942-239114, 237642
29.	उत्तराखंड	डॉ. पीयूष रौटेला कार्यकारी निदेशक आपदा नियंत्रण और प्रबंधन केंद्र, आपदा प्रबंधन विभाग, उत्तराखंड सचिवालय राजपुर रोड, देहरादून -248001 उत्तराखंड वेबसाइट : http://dmmc.uk.gov.in	टेलीफोन: (कार्या.) 0135-2710232, 2710233 फैक्स: 0135-2710199, 2710334, 2710335, 2710233
30	पश्चिम बंगाल	डॉ. एम.एन. डा. एम.एन. रॉय, आईएएस निर्देशक प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पश्चिम बंगाल सरकार एफसी ब्लॉक, सेक्टर III, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता -700 106 वेबसाइट : http://atiwb.gov.in/NDM.htm	टेलीफोन: (कार्या.) 033-23373960, 23596721, 22477727 फैक्स: 033-23373960 ईमेल: atiwb@viascl01.vsnl. net.in

Ø- 1†	l nL ;	
1.	माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली – 110011	अध्यक्ष
2.	माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	माननीय सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
4.	केंद्रीय गृह सचिव, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	
5.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, विदेश मंत्रालय, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
8.	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
9.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, नया महरोली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
10.	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली	
11.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
12.	सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, महासागर भवन, ब्लॉक न0-12, सीजीओ कॉम्प्लैक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली 110003	सदस्य
13.	सचिव (सीमा प्रबंधन), गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
14.	अतिरिक्त सचिव एवं वित्तिय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
15.	सचिव/अतिरिक्त सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
16.	महानिदेशक नागरिक सुरक्षा एवं राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, ईस्ट ब्लॉक-7, लेवल-7, आर. के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
17.	उप प्रमुख, एकीकृत रक्षा स्टाफ, सिद्धांत संगठन प्रशिक्षण(डॉट), आईडीएस, मुख्या. एकीकृत रक्षा स्टाफ, 23 साउथ हटमैटस, कश्मीर हाउस, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली- 110001	सदस्य
18.	सचिव, (आपदा प्रबंधन), गुजरात सरकार, राजस्व विभाग, ब्लॉक-11, तीसरा तल, नया सचिवालय, गांधी नगर- 382010	सदस्य
19.	सचिव, (आपदा प्रबंधन), आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार, पुराना सचिवालय, पटना – 800015	सदस्य

Ø- 1-	l nL ;	
20.	उप-कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006	सदस्य
21.	निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी - 248179	सदस्य
22.	निदेशक, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामपल्ली, हैदराबाद-500052	सदस्य
23.	महानिदेशक, भारतीय मौसम विभाग, मौसम भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
24.	निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, जोका, डी.एच. रोड, कोलकाता-7001204	सदस्य
25.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की, उत्तराखंड	सदस्य
26.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल अयोग, सेवा भवन, आर. के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
27.	निदेशक, भारतीय लोकप्रशासन संस्थान, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
28.	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
29.	महानिदेशक, आंध्रप्रदेश ग्रामीण विकास अकादमी, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद-500030	सदस्य
30.	महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, वी.रामालिंगस्वामी भवन अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029	सदस्य
31.	अध्यक्ष, उत्तराखंड प्रशासनिक सुधार आयोग, 159 श्रद्धा कुंज, वसंत विहार, चकराता रोड, देहरादून	सदस्य
32.	राष्ट्रीय भूकंप सलाहकार, गृह मंत्रालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
33.	सीएमडी जनरल इन्श्युरेन्स कॉर्पोरेशन, सुरक्षा, जे. टाटा रोड, चर्च गेट, मुंबई-400020.	सदस्य
34.	सीएमडी, इलाहाबाद बैंक, मुख्यालय, 2, एन.एस रोड, कोलकाता- 700001	सदस्य
35.	अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इंडिया चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली	सदस्य
36.	अध्यक्ष, कांफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीएम), कोर 4ए, चौथी मंजिल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली - 1100031	सदस्य
37.	श्री मिहिर आर. भट्ट, निदेशक, अखिल भारतीय आपदा शमन संस्थान, 411, साकार फाइव, नटराज सिनेमा के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद-9	सदस्य
38.	श्री एस.पी. अग्रवाल, महासचिव, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, 1 रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली	सदस्य
39.	निदेशक, राष्ट्रीय भू-भौतिकी अनुसंधान संस्थान, उपल रोड, हैदराबाद-500007	सदस्य

Ø- 1-	l nL;	
40.	महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
41.	प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, आई.आई.पी.ए. कैंपस, आई.पी. एस्टेट, महात्मा गांधी रोड, नई दिल्ली – 110002	सदस्य
42.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, आई.आई.पी.ए. कैंपस, आई.पी. एस्टेट महात्मा गांधी रोड, नई दिल्ली – 110002	सदस्य सचिव



V.K. Sehgal & Associates
Chartered Accountants

**To the members of
The governing Body of National Institute of Disaster Management.**

We have audited the accompanying financial statements of **National Institute of Disaster Management** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2014, the Income & Expenditure Account and the Receipt and Payment Account for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other additional information.

The Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position and financial performance of the entity in accordance with the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountant of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Company's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

The management of the institute has not complied with accounting policies adopted for preparation of financial Statements. The management has opted accrual basis for accounting of financial statements but has not accounted the salary for the month of March amounting to Rs. 22,75,829/-, contravention of TDS provisions and disagreement with Accounting Standard – 1, Disclosures of Accounting Policies.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information in the manner so required and give a true and fair view except for above qualification in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

- (i) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the company as at 31st March, 2014;



(ii) In the case of the Statement of income & Expenditure Account, of the expenditure excess over income of the company for the year ended on that date.

(iii) In the case of the Receipt and Payment Account, of the receipts and payments of the institute for the year ended on that date

We report that:

- a. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- b. In our opinion proper books of account as required by law have been kept by the Institute so far as appears from our examination of those books;
- c. The Balance Sheet and Statement of Income & Expenditure dealt with by this Report are in agreement with the books of account;

For **V.K.Sehgal & Associates**
Firm's Reg. No.011519N
Chartered Accountants



Anuj Maheshwari

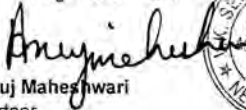
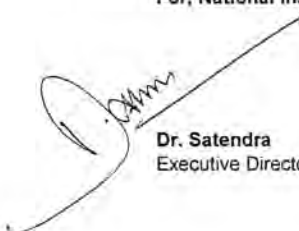
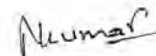
Anuj Maheshwari
Partner
M. No. 096530

Place: New Delhi
Dated: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT
(A Statutory Body under Ministry of Home Affairs)

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2014

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	SCHEDULE	31.03.2014 AMOUNT	31.03.2013 AMOUNT
<u>CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES</u>			
RESERVES AND SURPLUS	'1'	86,687,010.55	102,991,524.64
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	'2'	28,576,178.00	26,751,038.00
Total		115,263,188.55	129,742,562.64
<u>ASSETS</u>			
FIXED ASSETS	'3'	60,259,721.91	79,786,122.00
INVESTMENTS	'4'	62,745,718.00	53,746,181.00
CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES	'5'	(7,742,251.36)	(3,789,740.36)
Total		115,263,188.55	129,742,562.64
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO THE ACCOUNTS			
12			
Checked and found correct from the Books of Accounts produced before us			
For, V.K.Sehgal & Associates Chartered Accountants Firm's Reg. No. 011519N		For, National Institute of Disaster Management	
 Anuj Maheshwari Partner M. No. 096530		 Dr. Satendra Executive Director	
		 Ramesh Kumar Account Officer	
Place: New Delhi Date: 08th October, 2014			

FORM GFR 19-A

[See Govt. of India Decision (1) below Rule 150]

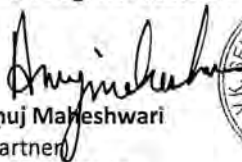
UTILIZATION CERTIFICATE

S.No.	Letter No. and Date	Amount (Rs.)	Certified that out of Rs. 9,00,00,000/- of grants-in-aid sanctioned during the year 2013-14 in favour of National Institute of Disaster Management having its office at IIPA Campus, I.P. Estate, New Delhi – 110002, under the Ministry of Home Affairs, Letter No. Given in the margin and the unutilized grant balance of Rs. 1,98,63,175/- brought from previous year, an amount of Rs. 09,03,20,926/- has been utilized for the purpose for which it was sanctioned and that the balance of Rs. 1,95,42,249/- remaining unutilized at the end of the year will be adjusted towards grants-in-aid payable during the next year.
1.	45-25/2013 – NDM-II Dated 31 st July, 2014	Rs. 9,00,00,000/-	
	Total	Rs. 9,00,00,000/-	
3.	Certified that I have satisfied myself that the conditions on which the grants-in-aid were sanctioned have been duly fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilized for the purpose for which it was sanctioned.		

Kinds of checks exercised

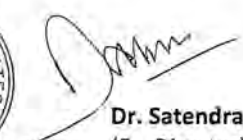
Verification of documentary evidence including bills, payment vouchers, Bank Statements and examination of the books of account.

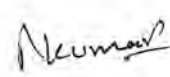
For, V.K.Sehgal & Associates
Chartered Accountants
Firm's Reg. No. 011519N


Anuj Maheshwari
(Partner)
M. No. 096530



For, National Institute of Disaster Management


Dr. Satendra
(Ex. Director)


Ramesh Kumar
(Account Officer)

Place: New Delhi
Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT
(Ministry of Home Affairs)
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	SCHE- DULE	31.03.2014	31.03.2013
<u>INCOME/GRANT FROM(MHA)</u>			
Grant in Aid Received from MHA	6	90,000,000.00	70,850,000.00
Total A		90,000,000.00	70,850,000.00
<u>EXPENDITURE (MHA-Grant)</u>			
Establishment Expenses	7	34,756,604.00	26,793,246.00
Other Administrative Expenses	8	38,983,881.00	35,512,820.00
Expenditure on Training Programmes/Workshops	9	14,555,968.00	12,960,205.00
Depreciation	3	21,550,873.09	-
Total B		109,847,326.09	75,266,271.00
BALANCE BEING THE SURPLUS/DEFICIT FROM MHA FUND (A-B)		(19,847,326.09)	(4,416,271.00)
<u>INCOME/ EXPENDITURE FROM OTHER SOURCES</u>			
Interest Earned (CPF)	10	2,078,938.00	2,451,172.00
Income/Expenditure from Other sources		1,814,700.00	-
Total C		3,893,638.00	2,451,172.00
BALANCE BEING THE SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO BALANCE SHEET (A - B+C)		(15,953,688.09)	(1,965,099.00)

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND
NOTES TO THE ACCOUNTS

11

As per our report on the Balance Sheet date

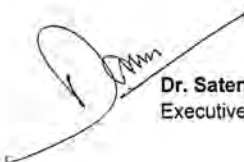
For, V.K.Sehgal & Associates
Chartered Accountants
Firm's Reg. No. 011519N

Anuj Maheshwari
Partner
M. No. 096530

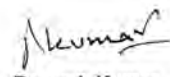


For, National Institute of Disaster Management

Dr. Satendra
Executive Director



Ramesh Kumar
Account Officer



Place: New Delhi
Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT

RECEIPTS AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014

(Amount in Rs.)

PARTICULAR	31.03.2014	31.03.2013
RECEIPTS		
OPENING BALANCE		
Cash in hand	-	-
Bank Balances (Current Account)	(5,899,174.01)	(533,432.51)
Bank Balances (CPF Fixed Deposits)	20,440,381.00	13,090,550.78
Bank Balances (Others Fixed Deposits)	33,305,800.00	42,500,000.00
	47,847,006.99	55,057,118.27
GRANT RECEIVED FROM		
MHA for Scheme on NDM Programme (Revenue)	90,000,000.00	70,850,000.00
MHA for Scheme on NDM Programme (Capital)	-	55,417,002.00
Unutilized fund received in NPCEBERM/NPCBAERM Project	226,905.00	60,958.50
Receipt from NDMA for NDRR Day	480,000.00	900,000.00
Receipt from NDMA for NSPP Prog	-	1,000,000.00
Unutilized fund received from ATI's	771,492.00	3,558,634.00
Receipt from NPCDRR programme	92,216.00	48,000.00
	91,570,613.00	131,834,594.50
Receipt from employee payable to PAO MHA	-	56,050.00
Bank Interest	666,287.00	804,189.00
Interest on FD capitalised with CPF	2,404,197.00	2,492,307.22
Fee from Online Web Course	-	9,183.00
C. Provident Fund	1,670,471.00	1,445,815.00
Security Deposit	106,850.00	94,980.00
	4,867,805.00	4,902,524.22
Electricity/Water bill received from SAARC/IHD	894,817.00	1,276,593.00
Misc. Receipt	37,800.00	109.00
Loan & Advances (Net)	-	-
	932,617.00	1,276,702.00
TOTAL	145,218,041.99	193,070,938.99



PAYMENTS				
CAPITAL EXPENDITURE				
Machinery and Equipment	1,502,242.00		579,628.00	
Library	384,262.00		307,495.00	
Furniture & Fixture	137,969.00		384,856.00	
Land in Rohini Sec 29	-		55,518,126.00	
Infrastructure	-	2,024,473.00	390,211.00	57,160,316.00
REVENUE EXPENDITURE				
Training Programme/workshops	13,351,961.00		12,213,710.00	
Trg Programme for NDMA Fund	4,390,176.00	17,742,137.00	2,628,648.00	14,842,358.00
Loan & Advance (Net)	131,202.00		118,511.00	
		131,202.00		118,511.00
Establishment Expenses				
Salary and Allowances	29,100,705.00		23,366,353.00	
Leave Travel Concession/LTA	382,086.00		986,057.00	
Bonus	82,896.00		86,350.00	
LSPC	49,020.00		117,190.00	
Medical	537,277.00		274,383.00	
Tuition Fees	163,447.00		447,973.00	
		30,315,431.00		25,278,306.00
Withdrawals/Advances from Provident Fund	150,000.00		376,993.00	
Security Deposit	104,980.00		20,000.00	
Expense payable	1,786,010.00		11,099,518.00	
		2,040,990.00		11,496,511.00
Other Administrative Expenses				
Repair and Maintenance	2,295,625.00		1,506,589.00	
Postage	229,263.00		194,747.00	
Printing and Stationery	601,285.00		749,844.00	
Electricity & Water charges	2,802,780.00		2,609,037.00	
Rent, Rates and Taxes	11,586,384.00		12,939,845.00	
Miscellaneous Expenses	587,958.00		628,251.00	
News papers and Periodicals	77,913.00		70,245.00	
Telephone Expenses	549,535.00		532,901.00	
Advertisement Expenses	18,423,295.00		13,463,098.00	
Domestic Travel	1,069,841.00		1,148,986.00	
Foreign Travel	522,353.00		362,813.00	
Professional charges	45,326.00		45,326.00	
Publication	264,389.00		1,063,781.00	
Bank Charges	2,883.00		24,811.00	
Research & Development	796,632.00		697,556.00	
Office Building Survey	60,000.00		-	
		39,915,562.00		36,037,930.00
Expenditure on Training Programme/Workshop				
South Africa Prog. Expenses	-		290,000.00	290,000.00
CLOSING BALANCE				
Cheque issued but not presented for fixed deposit	2,271,324.00		-	
Bank Balances (CPF, Fixed Deposits)	25,062,771.00		20,440,381.00	
Bank Balances (Other Fixed Deposits)	37,682,947.00		33,305,800.00	
Bank Balances (Current Account)	(11,968,795.01)	53,048,246.99	(5,899,174.01)	47,847,006.99
TOTAL		145,218,041.99		193,070,938.99

As per Our Report on the Balance Sheet

For, V.K. Sehgal & Associates
Chartered Accountants
Firm's Reg. No. 011519N

Anur Maheshwari
Partner
M.No. 096530



For, National Institute of Disaster Management

Dr. Satendra
Executive Director

Ramesh Kumar
Account Officer

Place: New Delhi
Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT

(Amount in Rs.)

SCHEDULE : '1'	31.03.2014	31.03.2013
<u>Excess of Income over Expenditure</u>		
Opening Balance	102,991,524.64	49,645,316.14
ADD: Capital Grant Received From MHA for Purchase of land	-	55,417,002.00
Less:- Previous years rectification	818,315.00	(105,694.50)
ADD: Excess of Income (Expenditure) Over Expenditure (Income) Transferred from Income and Expenditure Account	(19,847,326.09)	(1,965,099.00)
ADD: Income from other sources Transferred Government Account	4,361,127.00	
Total	86,687,010.55	102,991,524.64

SCHEDULE : '2'	31.03.2014	31.03.2013
<u>Staff Contributory Provident Fund</u>		
Opening Balance	20,223,778.00	16,343,348.00
ADD : - Employer Contribution	1,528,171.00	1,325,015.00
- Employee Subscription	1,670,471.00	1,492,383.00
- Interest	1,790,351.00	1,440,025.00
	25,212,771.00	20,600,771.00
LESS : Withdrawals/Advances	150,000.00	376,993.00
	25,062,771.00	20,223,778.00
Earnest Money Deposit	161,480.00	161,480.00
Amount payable towards CGHS, CGEIS, Licence Fee, etc.	234,189.00	189,594.00
Payable to PAO, CGWB A/c	8,725.00	-
Expenses Payable	3,109,033.00	1,786,010.00
Public Ledger Account (PLA) Misc. Receipt A/c	-	4,390,176.00
Total	28,576,178.00	26,751,038.00

SCHEDULE : '4'	31.03.2014	31.03.2013
Fixed deposits with UCO Bank (Staff Contributory Provident Fund)	25,062,771.00	20,440,381.00
Fixed Deposits	37,682,947.00	33,305,800.00
Total	62,745,718.00	53,746,181.00

SCHEDULE : '5'	31.03.2014	31.03.2013
A. CURRENT ASSETS		
Cash in hand	-	-
Bank Balances with : UCO Bank Account No. 1820020000924924	(11,968,795.01)	(5,899,174.01)
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS		
Staff Advance	2,735.00	718.00
Sundry Debtor	993,799.00	357,205.00
Security Deposits	13,130.00	15,000.00
Tax Deducted at source recoverable	253,673.65	253,673.65
Interest accrued on fixed deposit(CPF)	-	676,085.00
Prepaid Expenses	-	125,000.00
Advance for Contingent Expenses	1,000.00	2,336.00
Conveyance Advance	36,186.00	41,334.00
Festival Advance	25,248.00	27,498.00
Receivable From NCRMP Project	18,864.00	-
Receivable from NDMA- NSSP Programme	610,584.00	610,584.00
Cheque Issued but not presented for Fixed deposit	2,271,324.00	-
Total	(7,742,251.36)	(3,789,740.36)



NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT

SCHEDULE : '6' GRANTS RECEIVED FROM MHA (DM-Division)	31.03.2014	31.03.2013
Grant received from Ministry of Home Affairs under the Central Sector Scheme on National Disaster Management programme	90,000,000.00	126,267,002.00
Less: Capital Grant received for Purchase of land	-	55,417,002.00
TOTAL	90,000,000.00	70,850,000.00

SCHEDULE : '7' ESTABLISHMENT EXPENSES (MHA-Grant)	31.03.2014	31.03.2013
Salary and Allowances	29,196,423.00	21,659,682.00
Leave Travel Concession/LTA	382,086.00	1,001,237.00
Bonus	82,896.00	86,350.00
Contribution to Provident Fund	1,528,171.00	1,325,015.00
Interest Accrued on Balance in Staff provident Fund	1,790,351.00	1,440,025.00
Medical	537,277.00	274,383.00
Tuition Fees	363,730.00	685,092.00
LSPC	875,670.00	321,462.00
Adhoc allowance	-	-
TOTAL	34,756,604.00	26,793,246.00

SCHEDULE : '8' OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES (MHA-Grant)	31.03.2014	31.03.2013
Repair and Maintenance	2,321,820.00	1,766,638.00
Postage	399,300.00	446,878.00
Printing and Stationery	609,925.00	768,515.00
Electricity & water charges	1,504,775.00	1,354,871.00
Miscellaneous Expenses	670,231.00	646,975.00
News papers and Periodicals	77,913.00	82,643.00
Telephone Expenses	554,779.00	562,323.00
Advertisement & Publicity	18,441,372.00	13,468,098.00
Domestic Travel	1,162,841.00	1,253,400.00
Foreign Travel	522,353.00	362,813.00
Professional charges	51,326.00	51,326.00
Rent, Rate & taxes	11,586,384.00	12,939,845.00
Bank Charges	2,883.00	35,058.00
Publication	264,389.00	1,063,781.00
Research & Documentaion	813,590.00	709,656.00
TOTAL	38,983,881.00	35,512,820.00

SCHEDULE : '9' EXPENDITURE ON TRAINING PROGRAMME (MHA-Grant)	31.03.2014	31.03.2013
Training Programmes/Workshop Expenses	14,555,968.00	12,960,205.00
TOTAL	14,555,968.00	12,960,205.00

SCHEDULE : '10' INTEREST EARNED	31.03.2014	31.03.2013
Interest on Fixed Deposit (CPF)	2,078,938.00	2,451,172.00
Interest others	686,287.00	-
Fee from NPCDRR Programme	92,216.00	-
Fee from NPCBEERM Programme	226,905.00	-
Upsent Balance from ATI'S received	771,492.00	-
Sales Misc	37,800.00	-
TOTAL	3,893,638.00	2,451,172.00



SCHEDULE 3

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2003	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2004
			Up to 03/10/03	After 03/10/03				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	-	-	57,536.00	-	57,536.00	17,261.00	40,275.00
OFFICE EQUIPMENT	15%	-	-	64,936.00	-	64,936.00	4,870.00	60,066.00
FURNITURE & FIXTURE	15%	-	-	1,274,189.00	-	1,274,189.00	95,564.00	1,178,625.00
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESORIES	60%	-	-	1,091,646.00	-	1,091,646.00	327,494.00	764,152.00
SOFTWARE	60%	-	-	520,625.00	-	520,625.00	156,188.00	364,437.00
Total		-	-	3,008,932.00	-	3,008,932.00	601,377.00	2,407,555.00

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2004	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2005
			Up to 03/10/04	After 03/10/04				
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.		
BOOKS	60%	40,275.00	126,513.00	-	-	166,788.00	100,073.00	66,715.00
OFFICE EQUIPMENT	15%	60,068.00	-	132,888.00	-	192,954.00	13,960.00	178,994.00
FURNITURE & FIXTURE	15%	1,178,625.00	1,694,150.00	67,050.00	-	2,939,825.00	435,945.00	2,503,880.00
<u>PLANT & MACHINERY</u>								
PLANT AND MACHINERY	40%	-	80,250.00	218,897.00	-	300,147.00	76,079.00	224,068.00
<u>COMPUTER</u>								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	764,152.00	573,964.00	989,132.00	-	2,327,248.00	1,099,609.00	1,227,639.00
SOFTWARE	60%	364,437.00	-	113,650.00	-	478,087.00	243,310.00	234,777.00
Total		2,407,555.00	2,474,877.00	1,522,617.00	-	6,405,049.00	1,968,976.00	4,436,073.00

Continued

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2005	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2006
			Up to 03/10/05	After 03/10/05				
			Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	66,715.00	-	232,354.00	-	299,069.00	109,735.32	189,333.68
OFFICE EQUIPMENT	15%	178,994.00	-	3,800.00	-	182,794.00	27,134.12	155,659.88
FURNITURE & FIXTURE	10%	2,503,880.00	11,500.00	-	-	2,515,380.00	251,538.00	2,263,842.00
<u>PLANT & MACHINERY</u>								
PLANT AND MACHINERY	40%	224,068.00	862,587.00	-	-	1,086,655.00	434,661.84	651,993.16
<u>COMPUTER</u>								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	1,227,639.00	18,400.00	7,528.00	-	1,253,567.00	749,881.68	503,685.32
SOFTWARE	60%	234,777.00	196,710.00	2,789,952.00	-	3,221,439.00	1,095,877.68	2,125,561.32
Total		4,436,073.00	1,089,197.00	3,033,634.00	-	8,558,904.00	2,668,828.64	5,890,075.36



FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2006	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2007
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	189,333.68	-	646,040.00	-	834,373.68	307,112.33	527,261.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	155,659.88	420,128.00	181,609.00	-	757,396.88	99,988.88	657,408.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	2,263,842.00	-	-	-	2,263,842.00	226,384.20	2,037,457.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	651,993.16	-	292,395.00	-	944,388.16	319,276.10	625,112.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	503,665.32	2,805,026.00	852,454.00	-	4,161,165.32	2,240,962.87	1,920,202.45
SOFTWARE	60%	2,125,561.32	353,804.00	39,000.00	-	2,518,365.32	1,499,319.07	1,019,046.25
Total		5,890,075.36	3,578,958.00	2,010,498.00	-	11,479,531.36	4,693,043.45	6,786,487.91

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2007	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2008
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	527,261.35	-	-	-	527,261.35	316,367.00	210,904.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	657,408.00	-	-	-	657,408.00	98,611.00	558,797.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	2,037,457.80	-	-	-	2,037,457.80	203,746.00	1,833,711.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	625,112.06	-	-	-	625,112.06	250,045.00	375,067.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	1,920,202.45	-	-	-	1,920,202.45	1,152,121.00	768,081.45
SOFTWARE	60%	1,019,046.25	-	-	-	1,019,046.25	611,428.00	407,618.25
Total		6,786,487.91	-	-	-	6,786,487.91	2,632,308.00	4,154,179.91

Continued

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2008	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2009
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	210,904.35	-	765,275.00	-	976,179.35	356,125.00	620,054.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	558,797.00	10,463.00	12,708.00	-	581,969.00	86,342.00	495,627.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	1,833,711.80	-	134,655.00	-	1,968,366.80	190,104.00	1,778,262.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	375,067.06	-	369,522.00	-	744,589.06	161,532.00	583,057.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	768,081.45	342,492.00	51,137.00	-	1,161,710.45	681,685.00	480,025.45
SOFTWARE	60%	407,618.25	-	-	-	407,618.25	244,571.00	163,047.25
Total		4,154,179.91	352,955.00	1,333,298.00	-	5,840,432.91	1,720,359.00	4,120,073.91



FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2009	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2010
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	620,054.35	-	378,869.00	-	998,923.35	485,693.00	513,230.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	495,627.00	9,980.00	10,000.00	-	515,607.00	76,591.00	439,016.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	1,778,262.80	271,856.00	-	-	2,050,118.80	205,012.00	1,845,106.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	583,057.06	-	-	-	583,057.06	233,223.00	349,834.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	480,025.45	766,951.00	452,643.00	-	1,699,619.45	883,979.00	815,640.45
SOFTWARE	60%	163,047.25	-	-	-	163,047.25	97,828.00	85,219.25
Total		4,120,073.91	1,048,787.00	841,512.00	-	6,010,372.91	1,982,326.00	4,028,046.91

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2010	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2011
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	513,230.35	-	475,743.00	-	988,973.35	450,661.00	538,312.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	439,016.00	-	84,645.00	-	523,661.00	72,201.00	451,460.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	1,845,106.80	-	119,925.00	-	1,965,031.80	190,507.00	1,774,524.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	349,834.06	-	-	-	349,834.06	139,934.00	209,900.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	815,640.45	149,900.00	614,280.00	-	1,579,820.45	763,608.00	816,212.45
SOFTWARE	60%	85,219.25	-	-	-	85,219.25	39,131.00	26,088.25
Total		4,028,046.91	149,900.00	1,294,593.00	-	5,472,539.91	1,656,042.00	3,816,497.91

Continued

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2011	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2012
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	538,312.35	-	180,380.00	19,613.00	699,079.35	365,333.00	333,746.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	451,460.00	-	162,802.00	-	614,262.00	79,929.00	534,333.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	1,774,524.80	40,495.00	466,276.00	-	2,281,295.80	204,816.00	2,076,479.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	209,900.06	-	-	-	209,900.06	83,960.00	125,940.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	816,212.45	21,336.00	36,551.00	-	874,099.45	513,494.00	360,605.45
SOFTWARE	60%	26,088.25	-	-	-	26,088.25	15,653.00	10,435.25
Total		3,816,497.91	61,831.00	846,009.00	19,613.00	4,704,724.91	1,263,185.00	3,441,539.91



FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2012	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2013
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	333,746.35	-	307,495.00	2,179.00	639,062.35	291,188.00	347,874.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	534,333.00	32,954.00	23,890.00	-	591,177.00	86,885.00	504,292.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	2,076,479.80	204,666.00	535,851.00	-	2,816,996.80	254,907.00	2,562,089.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	125,940.06	-	282,570.00	-	408,510.06	106,690.00	301,620.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	360,605.45	214,091.00	40,673.00	-	615,369.45	357,019.00	258,350.45
SOFTWARE	60%	10,435.25	-	-	-	10,435.25	6,261.00	4,174.25
Land	0%			55,518,126.00		55,518,126.00	-	55,518,126.00
Total		3,441,639.91	451,711.00	56,708,605.00	2,179.00	60,599,676.91	1,103,150.00	59,496,526.91

FIXED ASSETS

Particulars	Rate	WDV as on 01/04/2013	Addition		Deduction	Total	Dep for the Year	WDV as on 31/03/2014
			More than 180 Days	Less than 180 Days				
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
BOOKS	60%	347,874.35	-	384,262.00	-	732,136.35	324,003.00	408,133.35
OFFICE EQUIPMENT	15%	504,292.00	143,305.00	377,100.00	15,000.00	1,009,897.00	123,172.00	886,525.00
FURNITURE & FIXTURE	10%	2,562,089.80	42,201.00	95,768.00	-	2,700,058.80	265,218.00	2,434,840.80
PLANT & MACHINERY								
PLANT AND MACHINERY	40%	301,620.06	-	298,200.00	-	599,820.06	180,288.00	419,532.06
COMPUTER								
COMPUTER AND ACCESSORIES	60%	258,350.45	4,975.00	693,662.00	-	956,987.45	366,093.00	590,894.45
SOFTWARE	60%	4,174.25	-	-	-	4,174.25	2,504.00	1,670.25
Land	0%			-		-	-	-
		55,518,126.00				55,518,126.00		55,518,126.00
Total		59,496,526.91	190,481.00	1,848,992.00	15,000.00	61,520,999.91	1,261,278.00	60,259,721.91

Note:-

Total Depreciation from Financial Year 2003-2004

21550873.09



NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT
FOR THE FINANCIAL YEAR 2013-14

SCHEDULE: - 11

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS

1. Significant Accounting Policies

- (a) The financial Statements are prepared on the basis of historical cost convention on accrual basis and are in accordance with generally accepted accounting practices. However during the financial year 2013-14, salary for the month of March 2014 Rs. 22,75,829/- has not been booked as expenses. Therefore the excess of expenditure over income stands reduced by an equivalent amount.
- (b) The Institute contributes to the Provident funds for its employees and also retains contributions of the employees towards PF. However such CPF is neither deposited in statutory provident fund nor in any recognized provident fund. The institute invests the said fund with PSU banks in form of term deposit and the interest earned thereon is also credited to the CPF account. This policy is being followed because institute has not received any recognition from Central Record Keeping Agency. As soon as the institute receives the recognition from Centre it will deposit the PF Amount with statutory Provident funds.
- (c) Fixed Assets are stated at cost of acquisition including the cost of installation if any. Since the inception of the institute no depreciation was provided on the fixed assets acquired by the institute. However during the year on the directions of the CAG depreciation on fixed assets is being provided for retrospectively with effect from the Financial Year 2003-04. The depreciation is provided on the fixed assets as per the rates specified under Income Tax Act. Since this is a change in the accounting policy the excess of income over expenditure is increased by the amount of depreciation.
- (d) Transactions denominated in foreign currency are accounted at the exchange rate prevailing on the date of the transaction.
- (e) Accounting policies not specifically mentioned are otherwise in consonance with generally accepted accounting practices.

2. Contingent Liabilities

Claims against the institute not acknowledge as debt – NIL

3. In the opinion of the management, the value of realization of current assets, loans and advances in the ordinary course of business would not be less than the amount at which they are stated in the Balance Sheet. Further provisions for all known liabilities have been made in the accounts.

4. As per directions of Ministry of Home Affairs (DM Division) vide Letter No. 45-5/2008-NDM-IV/II dated 23rd March, 2010 a separate Public Ledger Account (PLA) has been maintained and net savings generated from the projects including the interest earned from the deposits has been credited to the

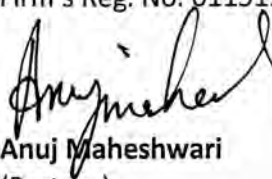


Consolidated Fund of India. Financial Statement for PLA for the financial year 2013-14 has been prepared separately.

For, V.K.Sehgal & Associates

Chartered Accountants

Firm's Reg. No. 011519N

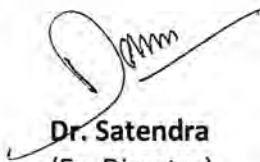


Anuj Maheshwari
(Partner)

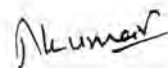
M.No. 096530



For, National Institute of Disaster Management



Dr. Satendra
(Ex. Director)



Ramesh Kumar
(Account Officer)

Place: New Delhi

Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT
(Ministry of Home Affairs)

PLA BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2014

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	SCHE- DULE	31.03.2014	31.03.2013
<u>CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES</u>			
CAPITAL AND RESERVE & SURPLUS	'1'	731,560.00	731,560.00
EARMARKED FUNDS	'2'	3,106,239.14	6,076,057.14
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	'3'	535,235.00	4,985,124.00
TOTAL		4,373,034.14	11,792,741.14
<u>ASSETS</u>			
CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES	'4'	4,373,034.14	11,792,741.14
TOTAL		4,373,034.14	11,792,741.14

**SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND
NOTES TO THE ACCOUNTS**

In terms of Our Report on the even date attached.
Checked and found correct from the Books
of Accounts produced before us

For V K Sehgal & Associates
Chartered Accountants
Firm's Reg No. 011519N

Arjun Maheshwari
Partner
M.No. 096530



For, National Institute of Disaster Management

Dr. Satendra
Executive Director

Ramesh Kumar
Accounts Officer

Place: New Delhi
Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT
(Ministry of Home Affairs)

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	31.03.2014	31.03.2013
<u>INCOME</u>		
Institutional consultancy 40% Share	-	-
Sale of Journal	6,500.00	4,200.00
Interest Income	245,838.00	352,748.00
Misc. Receipt	122,542.00	63,395.00
TOTAL (A)	374,880.00	420,343.00
<u>EXPENDITURE</u>		
Bank Charges	294.00	10,247.00
Less: Trf Online Program Expenses a/c	294.00	10,247.00
TOTAL (B)	-	-
BALANCE BEING THE SURPLUS/DEFICIT (A-B)	374,880.00	420,343.00
Less: Savings transfer to PAO, MHA	374,880.00	420,343.00
BALANCE BEING THE SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO BALANCE SHEET	-	-

In terms of Our Report on the even date attached.
Checked and found correct from the Books
of Accounts produced before us

For V K Sehgal & Associates
Chartered Accountants
Firm's Reg No. 011519N

Anuj Maheshwari
Partner
M.No. 096530



For, National Institute of Disaster Management

Dr. Satendra
Executive Director

Ramesh Kumar
Accounts Officer

Place: New Delhi
Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT
(Ministry of Home Affairs)
RECEIPTS AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014

(Amount in Rs.)

PARTICULAR	31.03.2014		31.03.2013	
OPENING BALANCE				
UCO Bank (saving a/c)	7,402,565.14	7,402,565.14	8,494,934.00	8,494,934.00
RECEIPTS				
PROJECTS BALANCE FUNDS TRANSFERRED FROM NIDM				
MAIN ACCOUNT TO PLA A/c			-	
Less:- 20% consultancy amount deposited in Govt. a/c			-	
half day UNICEF programme expenses incurred from main a/c			-	-
RECEIPTS DURING THE YEAR				
1 Receipt from WBI-online course receipts	504,448.00		1,185,721.14	
2 Receipt from USAID Project	600,000.00		1,400,000.00	
3 Receipt from MHA for Training Prog. For South African Officials	-		1,814,500.00	
4 Receipt for UNFPA Project	-		1,803,793.00	
5 Receipt from ICSSR Drought Project	-		116,250.00	
6 Receipt for NCRM Project	1,106,465.00		5,437,950.00	
7 Receipt from NIDM Main A/c	4,390,176.00			
		6,601,089.00		11,758,214.14
OTHER RECEIPTS				
1 Misc. receipts	122,542.00		422,099.00	
2 Sale of Journal	6,500.00		2,750.00	
3 Interest received	245,838.00	374,880.00	352,748.00	777,597.00
TOTAL		14,378,534.14		21,030,745.14



PAYMENTS				
PROJECT EXPENSES				
1 Consultancy Charges NCRMP Project	1,106,465.00		188,000.00	
2 Meeting Expenses for NCRMP Project	127,828.00		67,105.00	
3 PIU Running Cost NCRMP Project	19,184.00		-	
4 Salary for NCRMP Project	299,750.00		1,727,602.00	
5 Travel Expenses NCRMP Project	114,588.00		1,841,359.00	
6 MCD-Forensic investigation project expenses	-		248,319.00	
7 NHCD Plan - NDMA	-		21,000.00	
8 USAID Project Expense	200,000.00		1,400,000.00	
9 National Cyclone Risk Mitigation Project expenses-NDMA	-		4,406,875.00	
10 WBI-Online programme expenses	-		759,893.00	
11 Training Programme for South African Officials	276,799.00		1,376,900.00	
12 UNDP-GOI DRR Programme expenses	59,000.00		950,000.00	
13 SADKN Project	205,484.00		88,511.00	
14 Transfer to NCRMP Project	1,120,299.00			
15 ICSSR Drought Project	1,693.00			
16 Consultancy charges	-	3,531,090.00		13,075,564.00
OTHER EXPENSES				
1 Online Program Expenses	1,447,117.00		10,247.00	
2 Advance Given for NCRMP Expenses	-		25,544.00	
3 Loan & Advance Net	-		13,321.00	
4 Expense Payable	72,169.00		118,380.00	
5 20% Consultancy Paid to Government	-			552,616.00
6 Project Saving Paid to MHA	4,955,124.00	6,474,410.00	385,124.00	
CLOSING BALANCE				
UCO Bank (saving a/c)	4,373,034.14	4,373,034.14	7,402,565.14	7,402,565.14
TOTAL		14,378,534.14		21,030,745.14

In terms of Our Report on the even date attached.

Checked and found correct from the Books of Accounts produced before us

For V K Sehgal & Associates

Chartered Accountants

Firm's Reg No. 011519N

Anuj Maheshwari
Partner
M.No. 096530



For, National Institute of Disaster Management

Dr. Satendra
Executive Director

Ramesh Kumar
Accounts Officer

Place: New Delhi

Date: 08th October, 2014

NATIONAL INSTITUTE OF DISASTER MANAGEMENT			
(Amount in Rs.)			
SCHEDULE : '1'	CORPUS/CAPITAL FUND	31.03.2014	31.03.2013
	Opening Balance	731,560.00	731,560.00
	Reserve & Surplus transferred from main a/c	-	-
	Less:- Institutional Consultancy (20% share)	-	-
	ADD: Excess of Income (Expenditure) Over Expenditure (Income)	-	-
	TOTAL	731,560.00	731,560.00
SCHEDULE : '2'	EARMARKED FUNDS	31.03.2014	31.03.2013
1	<u>Funds Received from New Okhla Industrial Development Authority for preparation of 'Disaster Management Plan'</u>		
	Opening Balance	770,249.00	770,249.00
	ADD : Received during the year	-	-
		770,249.00	770,249.00
	LESS :utilization during the year	-	-
	LESS :Institutional consultancy 40%	-	-
	LESS :Govt Treasury 20%	-	-
		770,249.00	770,249.00
2	<u>Funds Received from NDMA for Cyclone Risk Mitigation Project</u>		
	Opening Balance	1,681,649.00	606,404.00
	Received during the year	1,106,465.00	5,437,950.00
	Add :Advance given for Expenses	19,250.00	19,250.00
	Less :utilization during the year	1,687,065.00	4,343,455.00
	Less: amount transfer to separate a/c	1,120,299.00	-
		-	1,681,649.00
3	<u>Funds Received from Ahmedabad Corporation for DRM Plan for Walled City of Ahmedabad</u>		
	Opening Balance	-	103,994.00
	Add: Funds utilized from NIDM Main A/c	-	84,006.00
	LESS : Utilization/Expenditure during the year	-	188,000.00
		-	-
4	<u>Funds Received from MOST for Brain storming Climate Change Programme</u>		
	Opening Balance	400,000.00	400,000.00
	Received during the year	-	-
	LESS : Utilization/Expenditure during the year	-	-
		400,000.00	400,000.00
5	<u>Funds Received from NDMA for Preparation of NH&CD Plan</u>		
	Opening Balance	689,000.00	710,000.00
	Received during the year	-	-
	LESS : Utilization/Expenditure during the year	-	21,000.00
		689,000.00	689,000.00
6	<u>Funds Received from MCD for forensic investigation project</u>		
	Opening Balance	131,892.00	380,211.00
	Received during the year	-	-
	Unutilised fund received from employee	-	689.00
		131,892.00	380,900.00
	LESS : Utilization/Expenditure during the year	-	249,008.00
		131,892.00	131,892.00
7	<u>Funds Received from Online-WBI courses</u>		
	Opening Balance	1,709,285.14	1,296,364.00
	Received during the year	504,448.00	1,130,454.14
		2,213,733.14	2,426,818.14
	LESS : Utilization/Expenditure during the year	1,649,641.00	717,533.00
	LESS : savings deposited to Govt. a/c	-	-
		564,092.14	1,709,285.14



8	<u>Funds Received from SAARC for SADKN Project</u>		
	Opening Balance	309,264.00	341,148.00
	Received during the year	-	-
	Savings reversed from Govt. A/c	-	-
	<u>LESS : Utilization/Expenditure during the year</u>	205,484.00	31,884.00
	<u>LESS : savings deposited to Govt. a/c</u>	-	-
		103,780.00	309,264.00
9	<u>Funds Received from MHA for Training Programme for South African Officials</u>		
	Opening Balance	276,799.00	129,199.00
	Received during the year	-	1,814,500.00
	<u>LESS : Utilization/Expenditure during the year</u>	276,799.00	1,943,699.00
	<u>LESS : savings deposited to Govt. a/c</u>	276,799.00	1,666,900.00
		-	-
		-	276,799.00
10	<u>Funds Received from USAID for Preparation of IRS Module</u>		
	Opening Balance	-	-
	Received during the year	600,000.00	1,400,000.00
	<u>LESS : Utilization/Expenditure during the year</u>	200,000.00	1,400,000.00
		400,000.00	-
11	<u>Funds Received from UNDP-GOI DRR Programme</u>		
	Opening Balance	59,000.00	1,009,000.00
	Received during the year	-	-
	<u>LESS : Utilization/Expenditure during the year</u>	59,000.00	1,009,000.00
		59,000.00	950,000.00
		-	59,000.00
12	<u>Funds Received from UNFA Project</u>		
	Opening Balance	-	37,566.00
	Received during the year	-	1,803,793.00
	<u>LESS : Utilization/Expenditure during the year</u>	-	1,841,359.00
		-	1,841,359.00
		-	-
13	<u>Funds Received from ICSSR for vulnerability Assessment and mitigation analysis for drought in Bundelkhand</u>		
	Opening Balance	48,919.00	(226.00)
	Received during the year	-	116,250.00
	<u>LESS : Utilization/Expenditure during the year</u>	48,919.00	116,024.00
		1,693.00	67,105.00
		47,226.00	48,919.00
	TOTAL	3,106,239.14	6,076,057.14

SCHEDULE : '3'	CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	31.03.2014	31.03.2013
	Consultancy payable to Govt. a/c 20%	-	-
	Projects savings payable to MHA	374,880.00	4,955,124.00
	Earnest money security deposits	30,000.00	30,000.00
	Expenses Payable	130,355.00	-
	TOTAL	535,235.00	4,985,124.00

SCHEDULE : '4'	CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES	31.03.2014	31.03.2013
A.	<u>CURRENT ASSETS</u>		
	Cash in hand	-	-
	Bank Balances with :		
	UCO Bank Account No. 6139	4,373,034.14	7,402,565.14
B.	<u>LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS</u>		
	NIDM main a/c	-	4,390,176.00
	TOTAL	4,373,034.14	11,792,741.14



Long Term Training and Capacity Building for Disaster Risk Reduction in India



Study framework

Disaster risk mitigation as the key to sustainable development! Conceptualised by the Government of India, the National Cyclone Risk Mitigation Project aims to minimise vulnerability to cyclones, enhance resilience of people and infrastructure. At the same time, it seeks to conserve the coastal environment in hazard prone areas.

The project is being implemented by the National Institute of Disaster Management (NIDM) under the aegis of the Ministry of Home Affairs and in collaboration with



Self Study Programme (An e-learning initiative of NIDM)



National Institute of Disaster Management(NIDM)

The National Institute of Disaster Management (NIDM) was constituted under the Disaster Management Act 2005 to take up national responsibility for human resource development, training, research, documentation and policy advocacy for disaster management.

Self Study Programme(SSP)

NIDM offers self-study courses for general public, officials and other stakeholders who have been affected by disasters. The courses under the p



nidm

एक आपदा मुक्त भारत की ओर.....

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

गृह मंत्रालय, भारत सरकार
आईआईपीए कैम्पस, आई.पी. एस्टेट,
रिंग रोड, नई दिल्ली-110002
वेबसाइट: www.nidm.gov.in